5 सितंबर 2025

शुक्रवार

डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स

फर्स्ट आइडिया के चयन मामले में बूरे फंसे अधिकारी 3

आपकी आवाज

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

बच्चों की टॉफियों पर भी कांग्रेस लगाती थी 21 परसेंट टैक्स : मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि जीएसटी सुधार भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं. उन्होंने इन्हें अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और नागरिकों के लिए अनुपालन को आसान बनाने के लिए आवश्यक "अगली पीढ़ी" के बदलाव और इस दिवाली और छठ पूजा से पहले खुशियों का "दोहरा धमाका" बताया.अपने आवास पर राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षकों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "कभी-कभी हमें पता ही नहीं चलता कि विदेशी उत्पाद हमारे घर में कैसे आ गए... बच्चों को बैठकर उन सभी विदेशी चीजों की सूची बनानी चाहिए जिनका वे एक दिन में उपयोग करते हैं. आप एक

अगर टैक्स मैंने किया होता तो'

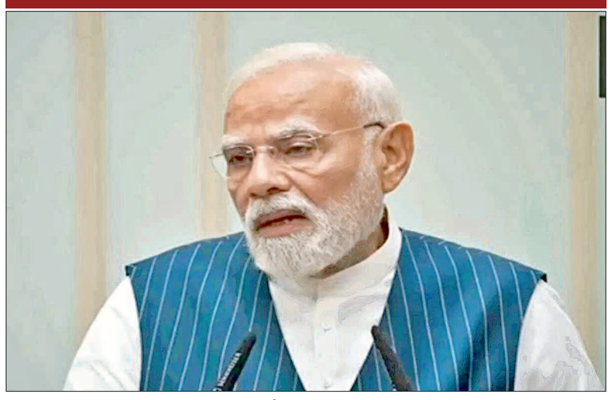

पूरी नई पीढ़ी को प्रेरित कर सकते हैं। महात्मा गांधी ने जो काम हमारे लिए छोड़ा है, उसे पूरा करने का सौभाग्य हमें मिला है.कार्यान्वयन की तारीख की घोषणा करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरलीकृत जीएसटी व्यवस्था 22 सितंबर, नवरात्रि के पहले दिन से लागू होगी. अपने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन को दोहराते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा, "समय पर बदलावों के बिना, हम अपने देश को आज की वैश्विक स्थिति में उसका उचित स्थान नहीं दे सकते. मैंने इस बार 15 अगस्त को लाल किले से कहा था कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अगली पीढ़ी के सुधार करना बेहद जरूरी है." मैंने देशवासियों से यह भी वादा किया था कि इस दिवाली और छठ पूजा से पहले खुशियों का दोहरा धमाका होगा.प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'कोई नहीं भूल सकता कि कांग्रेस सरकार ने आपका मासिक बजट कैसे बढ़ाया था. वे बच्चों की टॉफियों पर भी 21 फीसदी टैक्स लगाते थे अगर मोदी ने ऐसा किया होता, तो वे मेरे बाल नोच लेते. उन्होंने आगे कहा, "अब जीएसटी और भी आसान हो गया है... 22 सितंबर को, यानी नवरात्रि के पहले दिन, अगली पीढ़ी का सुधार लागू होगा क्योंकि ये सभी चीजें निश्चित रूप से 'मातृशक्ति' से जुड़ी हैं. उन्होंने कहा, "इस बार धनतेरस का त्यौहार और भी ज्यादा रौनक वाला होगा. क्योंकि दर्जनों वस्तुओं पर टैक्स अब काफी कम हो गया है. 8 साल पहले, जब जीएसटी लागू हुआ था, तो कई दशकों का सपना साकार हुआ था. यह आजाद भारत के सबसे बड़े आर्थिक सुधारों में से एक था प्रधानमंत्री ने जीएसटी सुधारों को देश के समर्थन और विकास के लिए दोहरी खुराक बताया. 21वीं सदी में, जैसे-जैसे भारत आगे बढ़ रहा है, जीएसटी में भी अगली पीढ़ी का सुधार किया गया है. जीएसटी 2.0 देश के लिए समर्थन और विकास की दोहरी खुराक है. नए जीएसटी सुधार देश के हर परिवार को जबरदस्त लाभ पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा, "गरीब, नव मध्यम वर्ग, मध्यम वर्ग की महिलाएं, छात्र, किसान, युवा... सभी को जीएसटी कर में कमी से जबरदस्त लाभ मिलेगा। बुधवार को घोषित किए गए ऐतिहासिक अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों में स्वास्थ्य सेवा और बीमा क्षेत्र के नागरिकों को महत्वपूर्ण राहत शामिल है. सबसे बड़ी घोषणाओं में से एक व्यक्तिगत स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर जीएसटी को पूरी तरह से हटाना है. अब तक, इन पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगता था. नए सुधार के साथ, इन्हें शून्य-कर स्लैब में डाल दिया गया है, जिससे स्वास्थ्य और जीवन बीमा समाज के व्यापक वर्ग के लिए अधिक किफायती और सुलभ हो गया है. जीएसटी परिषद द्वारा अनुमोदित इन सुधारों से आवश्यक चिकित्सा वस्तुओं और स्वास्थ्य संबंधी वित्तीय सेवाओं की लागत में कमी आने की उम्मीद है।

सिगरेट - गुटखा और पान मसाला पर 40% स्पेशल जीएसटी, रोजमर्रा का सामान हुआ सस्ता

एजेंसी। नई दिल्ली

देश में अब सिर्फ दो टैक्स स्लैब होंगे। 5 और 18 फीसदी के जीएसटी स्लैब को मंजूरी मिली है। हालांकि, विलासिता और हानिकारिक वस्तुओं के लिए एक अलग स्लैब को मंजूरी मिली है, जो 40% का है। पान मसाला-सिगरेट और गुटखा पर 40 फीसदी स्पेशल जीएसटी लगेगी। यूं कहे कि पान-मसाला, सिगरेट और गुटखा का सेवन करना महंगा हो जाएगा। वही पाउडर दूध, पिज्जा पर जीरो फीसदी जीएसटी लगेगा। इस बात की जानकारी केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दी। उन्होंने कहा कि यह फैसला 22 सितंबर से लागू होगा। उन्होंने कहा कि हेयर ऑयल, साबुन आदि पर अब 5 फीसदी जीएसटी लगेगा। रोजमर्रा के सामान सस्ते होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगली पीढ़ी के सुधारों की दिशा तय की है। वही पीएम मोदी ने कहा कि जीएसटी में कटौती से अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। जीएसटी को लेकर मोदी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। 12 फीसदी और 28 फीसदी स्लैब खत्म किया गया है। अब सिर्फ पांच फीसदी और 18 फीसदी स्लैब रहेगा। 22 सितंबर से की गई घोषणाएं लागू होगी। ऐसा करने से रोजमर्रा के सामान सस्ते होंगे। लोगों को राहत देने के लिए ऐसा किया गया है। इससे महंगाई कम होगी। अब जीएसटी पर सिर्फ दो स्लैप लगेंगे। 5% 18% जीएसटी होंगे। 12 और 28 स्लैब को खत्म कर दिया गया है। इंश्योरेंस के क्षेत्र में भी राहत दी गई है।

नाइजीरिया की नदी में पेड़ की डाल से टकराकर डूबी नौका : 31 लोगों की मौत

कैसे हुआ हादसा?

नाइजीरिया की राष्ट्रीय आपात प्रबंधन एजेंसी के अधिकारी हुसैनी इसाह ने बताया कि यह हादसा नाइजर राज्य के बोरगु क्षेत्र में हुआ। पुणे से पुसद जा रही एक डबल डेकर ट्रैवल्स बस में अचानक जलने की गंध आने लगी। यह ओवरलोडेड नाव थी जिसमें लगभग 90 लोग सवार थे। तेज बहाव में नाव एक पेड़ के तने से टकरा गई जिससे वह गहरे पानी में डूब गई।

बचाव कार्य

इसाह ने जानकारी दी कि अब तक 50 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। हालाँकि लापता लोगों की सही संख्या अभी पता नहीं चल पाई है क्योंकि खोज और बचाव अभियान अभी भी जारी है।

एजेंसी। अबुजा

उत्तर-मध्य नाइजीरिया में एक बड़ी नौका दुर्घटना हुई है। यहां की एक नदी में पेड़ की डालों से टककाकर नाव गहरे पानी में डूब गई। इस जल दुर्घटना में कम से कम 31 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोग लापता बताए जा रहे हैं। रेस्क्यू टीम ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव अभियान शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। नाइजीरिया की राष्ट्रीय आपात प्रबंधन एजेंसी के अधिकारी हुसैनी इसाह ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि यह ओवरलोडेड (अत्यधिक भरी हुई) नाव नाइजर राज्य के बोरगु क्षेत्र में एक पेड़ के तने से टकरा गई। नाव में लगभग 90 लोग सवार थे। इसाह ने बताया कि अब तक 50 लोगों को बचा लिया गया है, लेकिन लापता लोगों की सही संख्या अभी पता नहीं चल पाई है, क्योंकि खोज और बचाव अभियान अभी जारी है। बारिश के मौसम में नाइजीरिया के दूरदराज के इलाकों में नाव दुर्घटनाएं आम बात हैं। इन दुर्घटनाओं का मुख्य कारण अत्यधिक भार, खराब रखरखाव और सुरक्षा उपायों की कमी है। विश्लेषकों का कहना है कि इनमें से कई नावें बिना लाइफ जैकेट के संचालित होती हैं। पिछले महीने भी, देश के उत्तर-पश्चिमी सोकोतो राज्य में एक नाव पलटने की घटना में 25 लोग लापता हो गए थे।

नेशनल हेराल्ड मामला : सोनिया- राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज मामले में कोर्ट ने ईडी से दो दस्तावेजों पर स्पष्टीकरण मांगा

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने गुरुवार को नेशनल हेराल्ड से जुड़े मामले में ईडी की शिकायत पर संज्ञान लेने के मामले पर ईडी से दो दस्तावेजों पर स्पष्टीकरण मांगा है. स्पेशल जज विशाल गोगने ने कोर्ट में पेश किए गए दस्तावेजों का निरीक्षण करते हुए ईडी से स्पष्टीकरण मांगा. अब इस मामले की अगली सुनवाई 6 सितंबर 2025 को होगी. दरअसल, गुरुवार को कोर्ट ने इन कैमरा सुनवाई करते हुए दस्तावेजों का निरीक्षण किया. कोर्ट ने उन दो दस्तावेजों के बारे में ईडी से पूछा जो

अभियोजन की शिकायत में दाखिल नहीं किए गए हैं. कोर्ट ने सुब्रमण्यम स्वामी की ओर से 4 जुलाई 2014 को ईडी के पास दर्ज कराई गयी शिकायत की प्रति और 30 जून 2021 के एक दस्तावेज के बारे में पूछताछ की. तब ईडी की ओर से पेश एएसजी एसवी राजू ने कहा कि वो ये दोनों दस्तावेज कोर्ट में दाखिल कर देंगे, उसके बाद कोर्ट ने सुनवाई 6 सितंबर तक के लिए टाल दिया. इससे पहले कोर्ट ने 18 अगस्त को ईडी के असिस्टेंट डायरेक्टर शिव कुमार गुप्ता की मौजूदगी में दस्तावेजों का परीक्षण किया था. वहीं, 7 अगस्त को कोर्ट ने जांच अधिकारी से पूछा था कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी का इस मामले से क्या लेना-देना है. इससे पहले कोर्ट ने 14 जुलाई को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

पुलिस हिरासत में मौतों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त सीसीटीवी कैमरे को लेकर लिया स्वत: संज्ञान

एजेंसी। नई दिल्ली

देशभर के पुलिस स्टेशनों में सीसीटीवी कैमरों की कमी की पोल खोलने वाली एक अखबार की रिपोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मामले पर स्वतः संज्ञान लिया है। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने इस मामले पर संज्ञान लिया है। उन्होंने बताया कि साल 2025 में पिछले 7-8 महीनों में केवल राजस्थान में ही पुलिस हिरासत में 11 मौतें दर्ज की गई हैं। इसकी वजह से ही शीर्ष अदालत ने इस मुद्दे पर तत्काल संज्ञान लिया है। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने 2020 में एक महत्वपूर्ण फैसले में देश के सभी पुलिस स्टेशनों में नाइट विजन और ऑडियो रिकॉर्डिंग की सुविधा वाले सीसीटीवी कैमरे लगाने का आदेश दिया था। इस फैसले में राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को पुलिस परिसर के सभी महत्वपूर्ण स्थानों, जैसे हवालात और पूछताछ कक्षों में, कार्यात्मक सीसीटीवी कवरेज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था। कोर्ट ने यह भी कहा था कि फुटेज को कम से कम 18 महीनों तक सुरक्षित रखा जाए और हिरासत में हुई हिंसा या मौतों से संबंधित जांच के दौरान इसे उपलब्ध कराया जाए.इन स्पष्ट निर्देशों के बावजूद, कई पुलिस स्टेशनों में अभी भी काम करने वाले सीसीटीवी कैमरे नहीं हैं, या फिर फुटेज गायब हो जाती हैं।

एशिया कप हॉकी 2025

बिहार की धरती से भारत ने कजाकिस्तान को 15-0 से हराया

एजेंसी। राजगीर

बिहार में इन दिनों एशिया कप हॉकी 2025 गेम गया जी में आयोजित किया है। राजगीर में चल रहे एशिया कप हॉकी में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कजाकिस्तान को 15-0 से करारी शिकस्त दी है। यह मैच सोमवार को बिहार के राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेला गया। इस धमाकेदार जीत के साथ भारत ने ग्रुप स्टेज में टॉप पोजिशन हासिल कर ली और अब सुपर-4 राउंड में दक्षिण कोरिया से

भिड़ेगा। मैच की शुरूआत से ही भारतीय टीम ने आक्रामक रवैया अपनाया जिसमे की अभिषेक ने 5वें मिनट में पहला गोल दागा और कुछ ही देर में दूसरा गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। पहले क्वार्टर के अंत में उन्होंने सुखजीत को एक बेहतरीन पास दिया, जिस पर तीसरा गोल हुआ। दूसरे क्वार्टर में भारत का दबदबा और भी मजबूत हो गया। जगराज सिंह ने दो गोल किए, वहीं कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। अमित रोहिदास ने भी स्कोर में योगदान दिया। हाफ टाइम तक भारत ने 7-0 की बढ़त बना ली थी। तीसरे क्वार्टर में जगराज ने पेनल्टी स्ट्रोक से अपनी हैट्रिक पूरी की। इसके बाद सुखजीत ने भी लगातार गोल करके अपनी हैट्रिक पूरी की। आखिरी क्वार्टर में संजय, दिलप्रीत सिंह और अंत में अभिषेक ने फिर से गोल दागा। अभिषेक ने इस मैच में कुल चार गोल किए। इस बड़ी जीत के साथ भारत ने ग्रुप स्टेज में तीनों मैच जीते और 9 अंकों के साथ शीर्ष पर रहते हुए सुपर-4 में जगह बनाई। हालांकि भारत पहले ही क्वालिफाई कर चुका था, लेकिन यह जीत टीम का आत्मविश्वास और बढ़ाने वाली रही।

प्रधानमंत्री की मां पर टिप्पणी के विरोध में सड़कों पर उतरे एनडीए कार्यकर्ता, दी सांकेतिक गिरफ्तारी

डुमरांव एनडीए कार्यकर्ताओं का जोरदार प्रदर्शन, सफल रहा बिहार बंद

केटी न्यूज/डुमरांव

भारतीय जनता पार्टी एवं राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के संयुक्त आह्वान पर गुरुवार को डुमरांव में आयोजित बिहार बंद सफल रहा। सुबह से ही शहर की गलियों से लेकर मुख्य मार्ग तक एनडीए कार्यकर्ताओं का हुजूम उमड़ पड़ा। मुख्य आयोजन नया थाना के समीप हुआ, जहां हजारों की संख्या में जुटे कार्यकर्ताओं ने महागठबंधन सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। सभा की अध्यक्षता शहर के प्रख्यात बुद्धिजीवी प्रोफेसर श्याम नारायण राय ने की, जबकि संचालन भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष चुनमुन प्रसाद वर्मा, वर्तमान अध्यक्ष विजय कुशवाहा, जदयू नगर अध्यक्ष गोपाल प्रसाद गुप्ता आदि ने किया।

मातृशक्ति का अपमान बर्दाश्त नहीं

सभा को संबोधित करने वालों में मनोज सिंह, दीपक यादव, पिंकी पाठक, गोपालजी गुप्ता, विपिन बिहारी सिंह, सहित दर्जनों वक्ता शामिल थे। वक्ताओं ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जो आज भारत की गरिमा और अस्मिता के प्रतीक बन चुके हैं, उनकी माताश्री के खिलाफ अमर्यादित शब्द कहना पूरे देश की मातृशक्ति का अपमान है। भाजपा और एनडीए ऐसी राजनीति को कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। वक्ताओं ने आगे कहा कि विपक्ष जनता का ध्यान भटकाने और समाज को बांटने के लिए अनर्गल बयानबाजी कर रहा है। लेकिन डुमरांव की धरती ने हमेशा लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की है और यह संघर्ष सड़कों से संसद तक जारी रहेगा।

नारेबाजी से गूंजा डुमरांव

मुख्य मार्ग पर थाना के सामने कार्यकर्ताओं ने घंटों धरना दिया। सड़क पर बैठकर सभा हुई, जिसमें महिलाओं और युवाओं की उपस्थिति विशेष रूप से देखने को मिली। जोरदार नारेबाजी से डुमरांव की गलियां गूंज उठीं। आमजन भी इसमें शामिल हुए और एनडीए के आंदोलन को समर्थन दिया।

नेताओं और कार्यकर्ताओं की भारी मौजूदगी

कार्यक्रम में भाजपा जिला मंत्री ओम ज्योति भगत, युवा मोर्चा युवती संपर्क प्रदेश प्रभारी डॉ. वंदना भगत, प्रमिला पांडे, शिला त्रिवेदी, पिंकी पाठक, महिला मोर्चा की नगर अध्यक्ष बिंदा, मलती, पूर्व जिला अध्यक्ष सच्चिदानंद भगत, डुमरांव प्रभारी बलराम पांडेय, पूर्व जिला मंत्री राजीव कुमार भगत, नगर अध्यक्ष विजय कुशवाहा, केशठ मंडल अध्यक्ष चन्द्रकांत तिवारी, सोनवर्षा मंडल अध्यक्ष पिंकू चौबे, नवानगर मंडल अध्यक्ष हरेराम गुप्ता, चौगाई मंडल अध्यक्ष ओम प्रकाश सिंह, डुमरांव ग्रामीण अध्यक्ष नंदजी भारती, जिला प्रवक्ता विमलेश सिंह, रितेश चौबे, विजय शंकर तिवारी, डुमरांव महामंत्री बप्पी, नगर उपाध्यक्ष प्रेम कुमार, सतेन्द्र पासवान, अन्ना शाह, विपिन सिंह, संतोष दुबे, मनोज पाठक, आरएलएम के अमरेन्द्र केवट, मुखिया सिंह कुशवाहा, रोहित सिंह, अविनाश त्रिपाठी, अभिषेक रंजन, बजरंगी तिवारी, राहुल सूर्यवंशी, दयाशंकर तिवारी, भिखारी भारती, सोनू कुमार, पप्पू सिंह, धीरज कुमार, मनीष यादव, राजा यादव, शुभम राय, अजय राय, उपेंद्र राय, आतिश शर्मा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। महिलाओं की भी बड़ी भागीदारी रही। मालती देवी, फूल कुमारी देवी, सुमन देवी, मीरा देवी, पूनम देवी सहित अनेक मातृशक्ति ने एनडीए के आंदोलन को मजबूती दी।

श्रद्धालुओं की उमड़ी रही भीड़, पुष्प वर्षा के बीच गूंजते रहा भगवान वामन के जयकारे

भगवान वामन जयंती पर बक्सर में आयोजित किया गया भव्य रथयात्रा

केटी न्यूज/बक्सर

भगवान वामन द्वादशी के पावन अवसर पर गुरूवार को बक्सर शहर आस्था और भक्ति से सराबोर रहा। भगवान वामन चेतना मंच एवं वामन ग्लोबल फाउंडेशन के तत्वावधान में वामन जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर भगवान वामन की भव्य रथयात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु एवं भक्त शामिल हुए।

रथयात्रा की शुरूआत रामरेखा घाट स्थित श्री रामेश्वरनाथ मंदिर से हुई। वैदिक मंत्रोच्चारण और पूजा-अर्चना के बीच कार्यक्रम प्रमुख आनंद पांडेय उर्फ रिंकु पांडेय ने रथ को रवाना किया। जैसे ही भगवान वामन की झांकी सुसज्जित रथ पर नगर भ्रमण को निकली, पूरा वातावरण शंखनाद, ढोल-नगाड़ों और ह्लजय वामन भगवानह्व के जयकारों से गूंज उठा।

रथ यात्रा रामरेखा घाट से निकलकर पीपी रोड, यमुना चौक, मुनीम चौक, नगर थाना, किला मैदान, जेल रोड होते हुए सोमेश्वर स्थान स्थित वामन धाम पहुंची। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा की और भगवान के रथ की आरती उतारी। सड़क के दोनों किनारों और घरों की छतों से भक्त दिव्य दर्शन के लिए उमड़ पड़े। रथ की रस्सी खींचने को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह और प्रतिस्पर्धा देखने को मिली।

आस्था के रंग में रंग गया था बक्सर शहर

वामन जयंती महोत्सव में उत्तर प्रदेश और बिहार के विभिन्न जिलों से आए श्रद्धालुओं ने भी भाग लिया। किला मैदान से होकर गुजरी झांकी ने वातावरण को और भी भक्तिमय बना दिया। वैदिक पंडितों के मंत्रोच्चारण और शंखध्वनि से शहर का हर कोना आस्था में डूब गया। सोमेश्वर स्थान स्थित वामन धाम पहुंचने पर भगवान की आरती उतारी गई और श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया गया। दिनभर मंदिरों में पूजन-अर्चन का क्रम जारी रहा और श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

संतों ने किया वामन अवतार का महत्व वर्णन

आयोजन के दौरान उपस्थित संतों ने भगवान विष्णु के पांचवें अवतार वामन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वामन अवतार में भगवान ने असुरराज बलि को छलपूर्वक शक्तिहीन बनाकर धर्म की रक्षा की थी। पांच वर्षीय बालक के रूप में अवतरित होकर भगवान ने तीन पग भूमि मांगी और दो कदम में पूरी सृष्टि नापकर तीसरे पग में राजा बलि को ही समेट लिया। इस दान से बलि को अमरत्व मिला और भगवान ने धर्म की विजय सुनिश्चित की।

आयोजन समिति और गणमान्य रहे सक्रिय

इस भव्य आयोजन में मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मृत्युंजय तिवारी ने भगवान वामन पंचकोसी कॉरिडोर और बक्सर धाम को पर्यटक स्थल घोषित करने की मांग उठाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता पारसनाथ ओझा ने की जबकि संचालन संजय ओझा ने किया। अतिथियों को भगवान वामन का चित्र और अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया। रथयात्रा में सांसद सुधाकर सिंह, पूर्व मंत्री संतोष कुमार निराला, डॉ. रंगनाथ तिवारी, डॉ. राजेश मिश्र, तथागत हर्षवर्धन, भोजपुरी गायक आर्यन बाबू, मनोज तिवारी, आनंद मिश्र, विनोद चौबे, श्वेता पाठक, वर्षा पांडेय सहित हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे। वहीं वामन ग्लोबल फाउंडेशन के अध्यक्ष मनमन पांडेय, कार्यक्रम अध्यक्ष दीपक सिंह, कोषाध्यक्ष प्रेम मिश्रा, सचिव सिकंदर सिंह, अधिवक्ता राघव कुमार पांडेय, मुकेश सिंह, सचिन पांडेय, शिवजी दुबे समेत सैकड़ों कार्यकताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई।

पुलिस का शिकंजा, क्रेटा कार से 459 लीटर विदेशी शराब जब्त

- आठ लाख की खेप पकड़ाई, अंधेरे का फायदा उठा भागने में सफल रहा तस्कर

केटी न्यूज/डुमरांव

शराबबंदी वाले बिहार में तस्करों की गतिविधियां थमने का नाम नहीं ले रही हैं। नया भोजपुर थाना की पुलिस ने बुधवार की देर रात एक बड़ी कार्रवाई करते हुए विदेशी शराब की भारी खेप जब्त की। पुलिस को यह सफलता थाना क्षेत्र के लेवाड़ गांव के समीप फोरलेन पर चलाई गई विशेष वाहन जांच अभियान में मिली हैं। हालांकि, पुलिस की सख्ती के बावजूद तस्कर मौके से फरार हो गया। जब्त शराब की कीमत करीब आठ लाख रुपये आंकी गई है।

जानकारी के अनुसार नया भोजपुर थानाध्यक्ष मनीष कुमार को देर रात गुप्त सूचना मिली थी कि सिमरी की ओर से एक चारपहिया वाहन भारी मात्रा में शराब लेकर गुजरने वाला है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सतर्क हो गई और लेवाड़ के समीप फोरलेन पर विशेष चेकिंग अभियान शुरू किया गया। इसी दौरान एक संदिग्ध क्रेटा कार पुलिस की नजर में आई। पुलिस ने जब उसे रुकने का इशारा किया तो चालक ने गाड़ी की रफ्तार और बढ़ा दी।

संदेह गहराते ही पुलिस ने तत्काल वाहन का पीछा किया। कुछ दूरी पर चालक ने गाड़ी को अचानक रोक दिया तथा वह वाहन से उतर खेतों के रास्ते अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस ने देर रात तक खेतों में तलाशी अभियान चलाया, लेकिन तस्कर पकड़ में नहीं आया।

कार से शराब की भारी खेप बरामद

जब पुलिस ने कार की तलाशी ली तो उसमें विदेशी शराब की दर्जनों पेटियां बरामद हुईं। गिनती करने पर यह मात्रा 459 लीटर निकली। पुलिस ने पूरी खेप और वाहन को जब्त कर थाना ले आई। अनुमान लगाया जा रहा है कि इस शराब की सप्लाई किसी बड़े नेटवर्क के जरिए शहरों में होनी थी।

प्रशिक्षु बीडीओ लवकुश सिंह को भावभीनी विदाई

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड कार्यालय सभागार में गुरुवार को प्रशिक्षु प्रखंड विकास पदाधिकारी लवकुश सिंह का विदाई समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रखंड प्रमुख मुन्ना सिंह, उप प्रमुख मंटू, बीडीसी सदस्य असलम हुसैन सहित कई जनप्रतिनिधि और कर्मी मौजूद रहे।कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने प्रशिक्षु बीडीओ के कार्यकाल की सराहना की। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि अल्प अवधि में ही उन्होंने जनहित के मुद्दों पर गंभीरता दिखाई और पंचायत स्तर तक योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। उनके सहज और सहयोगी स्वभाव ने आम लोगों के बीच एक सकारात्मक छाप छोड़ी।प्रखंड प्रमुख मुन्ना सिंह ने कहा कि मात्र तीन माह की सेवा अवधि में जिस लगन और ईमानदारी से उन्होंने काम किया, वह अनुकरणीय है।

सीएम के आगमन को लेकर युद्धस्तर पर तैयारियां, देवढिया पंचायत में बनेगा नया खेल मैदान

- हेलिपैड से लेकर सड़क तक चमकाया गया, दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है सैंथू गांव को

केटी न्यूज/राजपुर

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर राजपुर प्रखंड के देवढ़िया पंचायत स्थित विशाल सैंथू पोखरा परिसर में युद्धस्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। सीएम के उड़नखटोले की सफल लैंडिंग के लिए यहां हेलिपैड का निर्माण कराया जा रहा है। गुरुवार को डीएम विद्यानंद सिंह, डीडीसी आकाश चौधरी, एसडीएम अविनाश कुमार सहित वरीय अधिकारियों ने स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। पूरे गांव को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है।

सीएम के काफिले को हेलिपैड से जमौली गेट होकर चौसा-कोचस मुख्य मार्ग के रास्ते मध्य विद्यालय परिसर तक पहुंचाने के लिए करीब चार किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। इसके दोनों किनारों पर सफाई कर झाड़ियां हटाई गई हैं ताकि रास्ता आकर्षक और व्यवस्थित नजर आए। प्रशासन की कोशिश है कि मुख्यमंत्री की नजर जहां भी पड़े, वहां साफ-सुथरा और सुंदर माहौल दिखे।

रात-दिन कैंप कर रहे अधिकारी

तैयारियों में किसी प्रकार की कमी न रह जाए, इसके लिए अधिकारी दिन-रात जुटे हुए हैं। बीडीओ सिद्धार्थ कुमार, पूर्व मुखिया सत्येंद्र नारायण सिंह समेत कई स्थानीय प्रतिनिधि भी लगातार फीडबैक देते देखे जा रहे हैं। खास बात यह है कि अधिकारी रात में भी कैंप कर रहे हैं और कार्यों को अंतिम रूप देने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

युवाओं को मिलेगा खेल मैदान का तोहफा

मुख्यमंत्री के इस दौरे का एक खास आकर्षण स्थानीय युवाओं के लिए नया खेल मैदान होगा। हेलीपैड के बगल में स्थित इस खेल मैदान का रंग-रोगन कर इसे पूरी तरह से संवार दिया गया है। सीएम इसका उद्घाटन कर इसे खिलाड़ियों को समर्पित करेंगे। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से क्षेत्र में एक बेहतर खेल मैदान की जरूरत महसूस की जा रही थी, अब यह सपना पूरा होने जा रहा है।

वरीय पदाधिकारियों की मौजूदगी

इस दौरान पीओ मोहम्मद सज्जाद जहीर, सीओ डॉ. शोभा कुमारी सहित कई अन्य अधिकारी भी तैयारियों में लगे रहे। प्रशासन की मंशा साफ है कि सीएम का दौरा न केवल सुरक्षित और सफल हो बल्कि जनता के बीच विकास की नई सौगातों की छाप भी छोड़े।

एक नजर

बिहार बंद का बक्सर में असर नहीं शोभायात्रा में उमड़ी भीड़ : कांग्रेस

बक्सर। बिहार बंदी का बक्सर जिला में कोई असर नहीं दिखा। कांग्रेस नेता डॉ. मनोज पांडेय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि जिला में सामान्य दिन की तरह गतिविधियां चलती रहीं। लोग हंसते-खेलते आवाजाही करते रहे और बाजार पूरी तरह खुले रहे। इसी दौरान शहर का प्रमुख धार्मिक आयोजन 52 भगवान की शोभायात्रा परंपरा के अनुसार निकाली गई। यह यात्रा रामेश्वर नाथ मंदिर रामरेखा घाट से प्रारंभ होकर पीपरपाती रोड, जमुना चौक, सत्यदेव मील होते हुए पुलिस चौकी और 52 भगवान प्रांगण तक हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई। इस शोभायात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। डॉ. पांडेय ने कहा कि जनता ने बंद का कोई समर्थन नहीं किया और लोकतंत्र में वोट के अधिकार को छीनने की कोशिशों को लेकर लोगों में गुस्सा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा व सहयोगी दल अफवाह फैलाकर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जनता उन्हें चुनाव में करारा जवाब देगी।

दहिवर की दु:खद घटना पर कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने किया दौरा, पीड़ित परिवार को सहायता की मांग

बक्सर। बक्सर जिले के दहिवर गांव में बीते दिनों घटी दर्दनाक घटना से पूरा क्षेत्र सदमे में है। एक ही परिवार के सात लोग जहरीला खाना खाने से अचेत हो गए थे। इस हादसे में पिता और पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पत्नी, बेटी और अन्य तीन परिजन अभी भी सदर अस्पताल बक्सर में गंभीर स्थिति में भर्ती हैं और जीवन-मृत्यु से संघर्ष कर रहे हैं। घटना की जानकारी मिलने पर बक्सर जिला कांग्रेस कमेटी का एक प्रतिनिधिमंडल डॉ. मनोज कुमार पांडेय के नेतृत्व में पीड़ित परिवार से मिलने गांव पहुंचा। डॉ. पांडेय ने प्रशासन से दोषियों को कठोर सजा दिलाने और प्रभावित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता देने की मांग की। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं समाज को झकझोरने वाली हैं और प्रशासन को पूरी संवेदनशीलता से कदम उठाने चाहिए। प्रतिनिधिमंडल ने मौके पर आला अधिकारियों से वार्ता की, जिसमें अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि सरकार पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता राशि उपलब्ध कराएगी।प्रतिनिधिमंडल में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एससी-एसटी पर्यवेक्षक घनश्याम सहाय भी मौजूद थे। उन्होंने पूरी घटना की जानकारी बारीकी से ली और कहा कि इसकी रिपोर्ट पार्टी नेतृत्व को दी जाएगी। इस दौरान पांच सदस्यीय टीम में जय राम, राम वीरेंद्र राम और राजू यादव भी शामिल रहे।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर | बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

सभी विभागों के कार्यपालक सहायकों ने अपनी जायज मांगों की अनदेखी पर नाराजगी जताते हुए कार्यालय में काला बिल्ला लगाकर काम किया

सरकारी जमीन से अतिक्रमण नहीं हटा, तीसरी बार खटखटाया लोक शिकायत का दरवाजा

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में एसडीएम और डीएम के आदेश के बावजूद भी सरकारी जमीन से अतिक्रमण नहीं हटाए जा रहे है। जबकि सरकार का स्पष्ट निर्देश है कि सभी तरह के सरकारी जमीन को अतिक्रमणमुक्त कराया जाए। मामला राजपुरकला निवासी पूर्व जिप अध्यक्ष अक्षयवरनाथ यादव से जुड़ा है। उन्होंने तीसरी लोक शिकायत में अपील की है।

मामला डुमरांव अनुमंडल के सिमरी प्रखंड अंतर्गत मौजा-दुल्हहपुर की करीब 5 एकड़ 6 डिसमिल जमीन से जुड़ा है। यह भूमि सड़क के लिए दर्ज सरकारी जमीन है, जिस पर स्थानीय लोगों द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया है। शिकायतकर्ता ने बताया कि अंचल अधिकारी को बार-बार कार्रवाई करने का निर्देश मिलने के बावजूद अब तक अतिक्रमण नहीं हटाया गया। प्रशासनिक स्तर पर केवल कागजी खानापूर्ति कर मामले को टालने का आरोप लगाया गया है।

बार-बार सुनवाई, लेकिन समस्या जस की तस

अभ्यर्थी की अपील पर पहले भी लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी डुमरांव ने सुनवाई की थी। 2022 में दर्ज अपील पर जांच के बाद अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया गया था। इसके बाद अंचल अमीन द्वारा जमीन की मापी कर रिपोर्ट भी सौंपी गई, लेकिन बल प्रयोग कर कार्रवाई की तिथि आगे बढ़ा दी गई। छठ और अन्य पर्वों का हवाला देकर कई बार कार्रवाई टलती रही।

तीसरी अपील में भी वही समस्या

हाल ही में भी यही तथ्य सामने आया कि अतिक्रमण की पहचान होने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी समय पर कार्रवाई नहीं कर रहे। रिपोर्ट में नौ अतिक्रमणकारियों की सूची तैयार की गई है। नए सर्वेक्षण में दो और अतिक्रमणकारी जोड़े गए हैं और उन्हें नोटिस भी जारी किया गया है। बावजूद इसके, जमीन आज तक खाली नहीं कराई गई।

कड़ी कार्रवाई की मांग

अपीलार्थी अक्षयवरनाथ यादव ने लोक शिकायत पदाधिकारी से गुहार लगाई है कि जिम्मेदार अंचल अधिकारी व कर्मियों पर कड़ी कार्रवाई हो तथा शीघ्र सरकारी सड़क की जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए। उन्होंने कहा कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो जनता में प्रशासन की कार्यशैली को लेकर और असंतोष बढ़ेगा तथा लोग सड़क पर उतर आंदोलन को बाध्य होंगे। गौरतलब हो कि एक तरफ राज्य सरकार सभी तरह के सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने का निर्देश दे चुकी है, बावजूद स्थानीय प्रशासन की लापरवाही व मैनेज के खेल में सरकार का यह फरमान धरातल पर नहीं उतर पा रहा है।

फर्स्ट आइडिया के चयन मामले में बूरे फंसे अधिकारी

केटी न्यूज/बक्सर

हाउस कीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया के अवैध चयन मामले में शिक्षा विभाग के अधिकारी बूरे फंसे है। प्रशासनिक सूत्रों की मानें तो जांच रिपोर्ट पर जिलाधिकारी ने निर्देश जारी कर दिए है, जिनमें फर्स्ट आइडिया के साथ ही उसके चयन में दोषी अधिकारियों तथा जांच के दौरान भुगतान को लेकर कार्रवाई की गई है। हालांकि, अभी तक यह रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई है, बावजूद प्रशासनिक सूत्रों का कहना कि बक्सर के डीडीसी आकाश चौधरी तथा जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने इस पर कड़ा संज्ञान लिया है, जिससे शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है।

जानकारों का कहना है कि अधिकारियों ने जांच रिपोर्ट व साक्ष्य के आधार पर न सिर्फ उक्त कार्य एजेंसी के चयन को दोषमुक्त मानते हुए अपना फैसला सुनाया है बल्कि बक्सर के शिक्षा विभाग में कथित माफियाओं से गठजोड़ में नियमों को ताक पर रखने वाले अधिकारियों को भी सबक सिखाया गया है। जिला प्रशासन के इस फैसले से जहां शिक्षा विभाग में सक्रिय तथा सरकारी धन की लूट करने वालों को कड़ा सबक मिला है, वहीं भ्रष्ट अधिकारियों पर भी गाज गिरी है। वहीं, शिक्षा विभाग के सूत्रों का कहना है कि गुरूवार को पूरे दिन जिलाधिकारी के फैसले को लेकर विभाग में चर्चा होते रही तथा अधिकारियों की बेचैनी बढ़ी रही। अब देखना दिलचस्प हो गया है कि जिलाधिकारी का आदेश कब सार्वजनिक होता है तथा लोगों को यह जानकारी मिल पाती है कि अधिकारियों व कथित माफियाओं के गठजोड़ पर जिला प्रशासन ने क्या प्रहार किया है।

बक्सर में तथाकथित शिक्षा माफियाओं का बोलबाला मिड-डे मील से लेकर विद्यालय व्यवस्था तक में लूट

- विभागीय अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगा लोक शिकायत में दायर किया गया है परिवाद
- फर्स्ट आइडिया के चयन मामले में बूरे फंसे है शिक्षा विभाग के अधिकारी

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में शिक्षा व्यवस्था और मध्याह्न भोजन योजना में व्यापक भ्रष्टाचार और लूटखसोट के आरोप फिर से सुर्खियों में आ गए हैं। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, प्रधानमंत्री पोषण योजना, बक्सर तथा शिक्षा विभाग से जुड़े अधिकारियों और कथित शिक्षा माफियाओं पर बड़े पैमाने पर धांधली करने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। यह आरोप हरेकृष्ण यादव ने निदेश पीएम पोषण योजना शिक्षा विभाग बिहार सरकार को भेजे पत्र में लगाया है। शिकायतकताओं का कहना है कि जिला कार्यक्रम पदाधिकारी कार्यालय शिक्षा माफियाओं का अड्डा बन चुका है। यहां से शिक्षा विभाग से जुड़े लगभग 90 प्रतिशत मामलों को माफियाओं के जरिए ही निपटारा कराया जाता है। इसके एवज में मोटी रकम ली जाती है और शिक्षकों का शोषण किया जाता है। आरोप यह भी है कि विभागीय पदाधिकारी और कुछ शिक्षक प्रतिनिधि मिलकर इस खेल को अंजाम देते हैं।

मिड-डे मील में घोटाले का आरोप

विद्यालयों में छात्रों को दिए जाने वाले मध्याह्न भोजन को लेकर भी गंभीर गड़बड़ियों की शिकायतें सामने आई हैं। आरोप है कि जिला स्तर से लेकर विद्यालय स्तर तक भोजन की आपूर्ति और वितरण में करोड़ों रुपये का हेरफेर किया जा रहा है। छात्रों को भोजन सही मात्रा और गुणवत्ता में नहीं मिल रहा। इसके बावजूद कागज पर पूरी व्यवस्था को दुरुस्त दिखा दिया जाता है। शिकायतकताओं ने आरोप लगाया है कि जिला कार्यक्रम पदाधिकारी और शिक्षा विभाग से जुड़े कुछ प्रभावशाली लोगों की मिलीभगत से यह सब हो रहा है।

निदेशक को दिए पत्र में प्रभावशाली लोगों का जिक्र

दस्तावेजों में जिन नामों का जिक्र है, उनमें जिले के कुछ प्रभावशाली लोग और शिक्षा विभाग से जुड़े कर्मियों पर आरोप लगाए गए हैं। बताया गया है कि ये लोग पूरे जिले में मिड-डे मील योजना और शिक्षा से जुड़ी सभी योजनाओं पर कब्जा जमाए बैठे हैं। इनकी वजह से न तो योजनाओं का लाभ छात्रों तक पहुंच पाता है और न ही ईमानदार शिक्षक चैन से काम कर पाते हैं।

उच्चस्तरीय जांच की मांग

शिकायतकर्ता हरेकृष्ण यादव ने शिक्षा विभाग से इस मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। उनका कहना है कि जब तक जिला स्तर पर निष्पक्ष जांच नहीं होगी, तब तक शिक्षा व्यवस्था में सुधार संभव नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री पोषण योजना और विद्यालयों के केंद्रीय निधि से हो रही लूट पर रोक लगाना अत्यंत जरूरी है। यदि समय रहते इस पर लगाम नहीं लगाया गया, तो छात्रों का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि बिहार में शिक्षा विभाग की जड़ तक फैले इस भ्रष्टाचार को रोकने के लिए सिर्फ विभागीय आदेश काफी नहीं होंगे। इसके लिए पारदर्शिता बढ़ाने, सामाजिक निगरानी समितियों को मजबूत करने और ईमानदार अधिकारियों को जिम्मेदारी देने की जरूरत है।

शिक्षा व्यवस्था में गहराई तक फैली गड़बड़ियो की मिल रही है झलक

बक्सर का यह मामला बिहार की शिक्षा व्यवस्था में गहराई तक फैली गड़बड़ियों की एक झलक मात्र है। सवाल यह उठता है कि जब शिक्षा और पोषण जैसी बुनियादी योजनाएं ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाएं, तो गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों का भविष्य कैसे सुरक्षित रह पाएगा? अब देखना यह होगा कि शिक्षा विभाग और सरकार इस मामले को कितनी गंभीरता से लेती है और क्या वास्तव में दोषियों पर कार्रवाई होती है।

एक नजर

सीएम नीतीश के आगमन को लेकर जदयू कार्यकर्ताओं में जोश, बैठक में बनी रणनीति

राजपुर। राजपुर प्रखंड में आगामी 6 सितंबर को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दौरे को लेकर जदयू कार्यकताओं में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। इसे लेकर गुरुवार को जदयू जिलाध्यक्ष अशोक सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें एनडीए कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम को सफल बनाने की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री संतोष कुमार निराला ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किसानों और आम लोगों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं दी हैं। निकृष पंप कैनाल जैसी परियोजनाओं से क्षेत्र की कृषि व्यवस्था को नई दिशा मिली है। वहीं 125 यूनिट फ्री बिजली ने आमजन को बड़ी राहत दी है। उन्होंने कहा कि जीविका समूह से जुड़ी महिलाएं आज आत्मनिर्भर बन रही हैं और समाज में अपनी अलग पहचान बना रही हैं। पूर्व मंत्री ने कार्यकताओं से अपील की कि वे पंचायत स्तर पर जाकर लोगों को सरकार की उपलब्धियों से अवगत कराएं और मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि यह अवसर कार्यकताओं के लिए अपनी एकजुटता और समर्पण दिखाने का है।बैठक में जदयू अध्यक्ष फुटूचन्द सिंह, पिंटू सिंह, संजय पटेल, जितेंद्र सिंह, दीनदयाल कुशवाहा, धनंजय त्रिगुण, जयप्रकाश राय, दयाशंकर सिंह, विमलेश पांडेय, अनिरुद्ध तिवारी, सुगंध समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रघुवंशी कुंवरी उच्च विद्यालय में शिक्षक सम्मान और सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

राजपुर। प्रखंड के प्लस टू रघुवंशी कुंवरी उच्च विद्यालय में गुरुवार को शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाध्यापक ब्रजेश राय ने की जबकि संचालन श्यामनारायण ठाकुर ने किया। बीडीओ सिद्धार्थ कुमार और थानाध्यक्ष संजय पासवान ने दीप प्रज्वलित कर एवं सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों के साथ शिक्षा जगत से जुड़े गणमान्य लोगों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। बीडीओ सिद्धार्थ कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि गुरु-शिष्य परंपरा बिहार की धरोहर है। उन्होंने कहा कि गुरु केवल किताबों का ज्ञान ही नहीं देते बल्कि सामाजिक जीवन जीने की राह भी दिखाते हैं। राधाकृष्णन के आदर्शों को आत्मसात कर ही हम समाज में एक बेहतर पहचान बना सकते हैं। बीईओ ज्ञानू प्रताप सिंह ने कहा कि शिक्षक वह दीपक हैं, जो स्वयं जलकर दूसरों को राह दिखाते हैं। बच्चों को चाहिए कि वे अपने शिक्षकों की मेहनत से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें। वहीं, शिक्षक धनंजय कुमार ने कहा कि शिक्षक समाज के निमार्ता हैं और उनके निर्देशन में ही छात्र देश के आदर्श नागरिक बनते हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समारोह की गरिमा को और बढ़ाया। छात्राओं रागिनी, काजल, अंजली, गुड़िया और छोटी मधु ने पारंपरिक झिझिया नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अलावा प्रज्ञा दूबे और दिलीप कुमार ने भी सराहनीय प्रदर्शन किया।

नावानगर में अतिक्रमण पर प्रशासन सख्त

नावानगर। स्थानीय अंचल क्षेत्र में आम रास्ते पर अतिक्रमण को लेकर प्रशासन अब सख्त हो गया है। इसी कड़ी के तहत नावानगर पानी टंकी के पास जमुना रोड गली में वर्षों से चले आ रहे अतिक्रमण मामले की जांच और सुनवाई के बाद एसडीएम राकेश कुमार ने सोमवार को स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद उन्होंने सीओ रानी कुमारी को निर्देश दिया कि 11 सितम्बर को पुलिस बल की मौजूदगी में रास्ते को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए। बताया जाता है कि गांव के राजीव कुमार सिंह ने फरवरी माह में अंचल कार्यालय में आवेदन देकर शिकायत की थी कि जमुना रोड गली से होकर गांव में लोगों का आना-जाना होता है, लेकिन राजकिशोर पाल ने सर्व साधारण की भूमि पर पक्का मकान बनाकर रास्ता बंद कर दिया है। मामला नावानगर मौजा के खाता संख्या 766, खेसरा संख्या 1730, रकबा 20 डिसमिल से जुड़ा है। शिकायत पर सीओ ने जांच कर अतिक्रमणकारी को नोटिस जारी किया था और 6 अगस्त तक अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया था। सीओ द्वारा समय-सीमा तय करने के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया। इसके बाद सीओ ने एसडीएम से पुलिस बल उपलब्ध कराने की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम राकेश कुमार ने स्वयं स्थल का निरीक्षण किया और स्थिति का जायजा लिया।

मिशन शक्ति अभियान, महिलाओं को सरकारी योजनाओं की दी गई जानकारी

- सिमरी के वार्ड-11 में आयोजित किया गया जागरूकता कार्यक्रम, शिक्षा और आत्मनिर्भरता पर जोर

केटी न्यूज/सिमरी

सिमरी प्रखंड अंतर्गत अनुसूचित जाति बस्ती, वार्ड-11 में गुरुवार को मिशन शक्ति योजना के तहत विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सरकारी योजनाओं से जोड़ना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में आगे बढ़ाना रहा।

कार्यक्रम के दौरान जिला हब कार्यालय की ओर से विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इनमें प्रधानमंत्री मातृत्व योजना, कन्या उत्थान योजना, विधवा पेंशन, महिला सुरक्षा एवं संरक्षण, जीविका समूह, मनरेगा, श्रम विभाग की योजनाएं तथा महिला हेल्पलाइन 181 और पुलिस आपातकालीन सेवा 112 जैसी सुविधाएं शामिल थीं।जागरूकता कार्यक्रम में महिलाओं को बताया गया कि शिक्षा ही उनकी वास्तविक ताकत है। यदि महिलाएं पढ़ेंगी तो न केवल वे आत्मनिर्भर बनेंगी, बल्कि उनके बच्चे भी शिक्षित होकर समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकेंगे। इस मौके पर उपस्थित जेंडर स्पेशलिस्ट शिवांगी और लेखा सहायक सोनू कुमार ने महिलाओं को भरोसा दिलाया कि जिला हब कार्यालय हमेशा उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं के समाधान के लिए तत्पर है।यह कार्यक्रम सिर्फ जानकारी देने तक ही कार्यक्रम सीमित नहीं रहा, बल्कि महिलाओं की वास्तविक समस्याओं पर भी चर्चा हुई। वार्ड पार्षद की मौजूदगी में राशन कार्ड और आधार कार्ड संबंधी परेशानियों के समाधान का प्रयास किया गया। इसके साथ ही कई महिलाओं की सूची भी तैयार की गई, जिसे नियोजन कार्यालय में आयोजित होने वाले शिविर में प्रस्तुत किया जाएगा। मौके पर उपस्थित टीम ने महिलाओं से अपील की कि वे जिला हब कार्यालय से जुड़ें और योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी आर्थिक और सामाजिक स्थिति मजबूत करें। गांव की महिलाओं ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इस प्रकार के अभियान से उन्हें सरकारी योजनाओं की सही जानकारी मिलती है, जो सामान्य तौर पर उन्हें आसानी से उपलब्ध नहीं हो पाती। मिशन शक्ति योजना का यह प्रचार-प्रसार कार्यक्रम न केवल सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने का माध्यम बना, बल्कि महिलाओं को उनके अधिकारों और अवसरों के प्रति सजग करने का एक सशक्त कदम साबित हुआ।

बैंक कर्मी लूटकांड का खुलासा, चार अपराधी गिरफ्तार

हथियार-कारतूस व लूटा गया सामान बरामद

- 8 जुलाई को सिकरौल थाना क्षेत्र के भदार नहर के पास कोरानसराय एसबीआई कर्मी से हुई थी लूट

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर पुलिस ने बैंक कर्मी से हुई बड़ी लूट का पदार्फाश करते हुए चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है। बीते 8 जुलाई को सिकरौल थाना क्षेत्र के भदार नहर के पास कोरानसराय स्थित एसबीआई बैंक के कर्मी संजय कुमार के साथ हुई लूट की घटना ने जिले में सनसनी फैला दी थी। घटना के महज 55 दिनों बाद पुलिस ने पूरे मामले का सफल उद्भेदन कर लूटा गया मोबाइल, टैबलेट, हथियार और कारतूस बरामद कर अपराधियों को जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया। मुख्यालय डीएसपी पंकज कुमार सिंह ने गुरूवार को प्रेस वार्ता आयोजित कर इसकी जानकारी दी।

इस तरह खुला लूट का राज

घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी शुभम आर्य के निर्देश पर डुमरांव एसडीपीओ पोलस्त कुमार के नेतृत्व में एक विशेष अनुसंधान टीम बनाई गई थी। टीम ने मानवीय सूचना और तकनीकी जांच का सहारा लिया। इसी क्रम में तीन सितंबर को तीन संदिग्धों को चोरी के मोबाइल बेचते समय दबोचा गया। बरामद मोबाइल की जांच में यह पुष्टि हुई कि वह बैंक कर्मी संजय कुमार का ही है। गिरफ्तारी के बाद तलाशी में एक देसी कट्टा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा मिला। पूछताछ में अपराधियों ने कबूल किया कि लूट के दौरान छीना गया टैबलेट उन्होंने भदार पोखरा में फेंक दिया था। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने पोखरा से टैब बरामद कर लिया। तीनों की निशानदेही पर चौथे अपराधी को भी धर दबोचा गया, जिसके पास से दो जिंदा कारतूस मिले। गिरफ्तार आरोपितों में चंदन कुमार पिता-उपेंद्र यादव, दीपक कुमार पिता-देवेंद्र यादव, रूपेश कुमार पिता-शिवनारायण यादव तीनों निवासी भदार, थाना सिकरौल तथा सोमनाथ कुमार पिता-बीरेंद्र साह, निवासी बरूहा, थाना बगेन गोला शामिल हैं। चारों ने पूछताछ में घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है।

हथियार, कारतूस व लूट का सामान बरामद

पुलिस ने इनके पास से एक देसी पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस, एक खोखा, बैंक कर्मी का लूटा गया मोबाइल और टैबलेट बरामद किया है। उनके पास से अवैध असलहा व कारतूस मिलने के बाद सिकरौल थाने में आर्म्स ऐक्ट में भी मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस टीम की सराहना

डीएसपी मुख्यालय पंकज कुमार ने प्रेस वार्ता में बताया कि इस मामले के सफल उद्भेदन में एसडीपीओ डुमरांव पोलस्त कुमार, डुमरांव अंचल के पु.नि. श्रीनाथ कुमार, सिकरौल थानाध्यक्ष रिकेश कुमार सिंह, डीआईयू बक्सर के चंदन कुमार व उनकी टीम, सिकरौल थाना के मिंटू कुमार और सशस्त्र बल की अहम भूमिका रही।पुलिस की इस कार्रवाई से न केवल पीड़ित बैंक कर्मी को न्याय मिला बल्कि अपराधियों के मनोबल पर भी बड़ा प्रहार हुआ है।

अतिमी पंचायत में बसेरा टू अभियान के तहत स्थल निरीक्षण

केटी न्यूज। नावानगर

स्थानीय प्रखंड क्षेत्र के अतिमी पंचायत में गुरुवार को बसेरा टू अभियान के तहत लाभुकों का स्थल निरीक्षण किया गया। इस दौरान एसडीएम राकेश कुमार स्वयं मौके पर पहुंचे और योजनांतर्गत चयनित लाभुकों के लिए चिन्हित भूमि का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि योजना का लाभ पात्र परिवारों तक पारदर्शी तरीके से पहुंचे और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्थल निरीक्षण के दौरान सीओ रानी कुमारी भी मौजूद रहीं। उन्होंने बताया कि अतिमी पंचायत के कुल 12 लाभुकों का चयन बसेरा टू योजना के अंतर्गत किया गया है। इन सभी लाभुकों को अतिमी मौजा में बसाने की प्रक्रिया चलाई जा रही है। सीओ ने कहा कि चयनित परिवारों को जमीन उपलब्ध कराकर उनके आवास निर्माण की दिशा में पहल होगी, जिससे गरीब और बेघर परिवारों को स्थायी आवास मिल सके। एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लाभुकों को चिन्हित भूमि पर शीघ्र कब्जा दिलाने की कार्रवाई की जाए और समयबद्ध तरीके से निर्माण कार्य प्रारंभ कराया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराना है। निरीक्षण के दौरान स्थानीय ग्रामीण भी मौजूद रहे। उन्होंने प्रशासन की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि बसेरा टू अभियान से गरीब परिवारों को बड़ा सहारा मिलेगा। ग्रामीणों का कहना था कि इससे कई परिवार बेघरपन की समस्या से मुक्त होकर सम्मानजनक जीवन जी सकेंगे।प्रशासनिक अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि सभी चयनित लाभुकों को निर्धारित समय सीमा के अंदर योजना का लाभ प्रदान किया जाएगा और किसी भी तरह की अड़चन आने पर तुरंत समाधान किया जाएगा। इस अवसर पर प्रखंड स्तर के कई पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

130 लिपिक एवं 16 परिचारी अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए

बिक्रमगंज : राहुल गांधी-तेजस्वी पर हल्ला बोल एनडीए गठबंधन ने किया बिहार बंदी

केटी न्यूज। रोहतास

इंडिया गठबंधन पर हल्ला बोल एनडीए गठबंधन के कार्यकताओं ने जिला के विभिन्न क्षेत्रों में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव का विरोध कर बिहार बंद का अहवान किया। गुरुवार को एनडीए गठबंधन द्वारा बिहार बंदी के आह्वान पर रोहतास के बिक्रमगंज तेंदुनी चौक पर बिहार बंद का व्यापक असर दिखा। जहां एनडीए समर्थित विभिन्न पार्टी के कार्यकताओं ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर जमकर निशाना साधते हुए उनके विरुद्ध नारा लगाया। जबकि बिहार बंद के दौरान बिक्रमगंज में लोगों को संबोधित करते हुए काराकाट भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन,जदयू नेत्री अरुणा देवी,भाजपा राजेश्वर राज और मदन प्रसाद वैश्य ने मंच से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी मां के विरुद्ध अभद्र भाषा विवाद को लेकर इंडिया गठबंधन को देशद्रोही और संस्कार विहीन पार्टी बताते हुए जमकर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के विरुद्ध नारा लगाया। दूसरी तरफ रोहतास जिला के बिक्रमगंज में बिहार बंद को सफल बनाते हुए एनडीए गठबंधन के भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन ने बताया कि पीएम मोदी एवं उनकी मां पर अमर्यादित टिप्पणी लोकतांत्रिक परंपरा का भी अपमान है। महागठबंधन की ओर से अब तक इस घटना को लेकर माफी नहीं मांगी गई है। यह उनके अहंकार का परिणाम है। जिसे देश की कोई भी मां सहन नहीं करेगी। जिसका जवाब बिहार सहित देश की सभी माताएं तेजस्वी और राहुल गांधी को देने के लिए तैयार है। वही जदयू नेत्री अरुणा देवी ने कहा कि यह घटना बिहार को कलंकित करने वाली है। मां भगवान की प्रतिमूर्ति होती है। देश की हर मां अपनी कोख में नौ महीने बच्चे को रखती है। फिर कैसे किसी राजनीतिक मंच से मां को भद्दी भद्दी गालियां दी जा सकती हैं? जो इंडिया गठबंधन के राहुल गांधी-तेजस्वी की सोची समझी रणनीति थी,जिसे देश माफ नहीं करेगा। जबकि भाजपा नेता राजेश्वर राज ने कहा कि दरंभगा की इस घटना ने पूरे देश को शर्मसार किया। जिसे लेकर एनडीए ने स्पष्ट कर दिया है कि ऐसे गलती बिहार सहित देश दोबारा माफ नहीं करेगा। मौके पर भाजपा नेता मदन प्रसाद वैश्य, किरण प्रभाकर, मालती कुशवाहा,नगर अध्यक्ष नागेश्वर कुशवाहा,नवीन चंद्र साह, प्रो. मनमोहन तिवारी, हरियाली सिंह, रमेश सिंह, बलवंत सिंह, लल्लू सिंह, सुनील सिंह, विवेक कुशवाहा,वार्ड सदस्य-रामजी प्रसाद, संदीप सम्राट, कल्लू खां, प्रखंड अध्यक्ष संजय वर्मा, भीम पांडे, दिनेश सिंह,सुदर्शन गुप्ता, परवेज खां, भीम सिंह सहित सैकड़ों लोग ने भाग लिया।

कटिहार में ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत, 118 करोड़ की लागत से बनेगा नया रोड ओवर ब्रिज

केटी न्यूज। कटिहार

कटिहार जंक्शन पर यातायात जाम को कम करने की दिशा में रेल मंत्रालय ने बड़ा कदम उठाया है। मंत्रालय ने मुकुरिया इंड पर 118.61 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 2 लेन रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) के निर्माण को मंजूरी दे दी है। यह आरओबी मौजूदा लेवल क्रॉसिंग गेट ङट-2 और ङङ-1 की जगह लेगा, जो कटिहार-दंडखोरा और कटिहार-मियाना सेक्शन के बीच पड़ते हैं।ये लेवल क्रॉसिंग राज्य राजमार्ग 98 को राष्ट्रीय राजमार्ग 31 से जोड़ने वाली व्यस्त सड़क पर स्थित हैं। यहां ट्रेन परिचालन के दौरान गेट बंद होने से लंबे समय तक जाम लगता था। ट्रैफिक सेंसस 2024 के अनुसार, इन क्रॉसिंग्स पर टीवीयू क्रमशः 1,11,420 और 2,91,024 दर्ज किए गए, जो पिछले वर्षों में रेल और सड़क परिवहन दोनों में तेज वृद्धि को दशार्ता है। इसी वजह से आरओबी निर्माण की जरूरत महसूस की गई।निमार्णाधीन आरओबी में 30 स्पैन का पीएससी गर्डर वायडक्ट और 2 स्पैन का स्टील गर्डर वायडक्ट शामिल होगा। फिलहाल इसके लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी है। रेल मंत्रालय का मानना है कि इस आरओबी के बन जाने से न केवल कटिहार क्षेत्र में रेल परिचालन की सुरक्षा और दक्षता बढ़ेगी, बल्कि सड़क उपयोगकर्ताओं और पैदल यात्रियों को भी जाम से निजात और सुरक्षित आवाजाही मिल सकेगी।

जाम की समस्या से मुक्ति को पहल

यह लेवल क्रॉसिंग राज्य राजमार्ग 98 को राष्ट्रीय राजमार्ग 31 से जोड़ने वाली व्यस्त सड़क पर स्थित है. यहां ट्रेनों के आवागमन के दौरान गेट बंद होने से लंबे समय तक जाम लग जाता है. ट्रैफिक सेंसस 2024 के अनुसार, इन क्रॉसिंग्स पर टीवीयू क्रमशः 1,11,420 और 2,91,024 दर्ज किए गए है, जो पिछले सालों में रेल और सड़क परिवहन दोनों में तेज वृद्धि को दशार्ता है. इसी समस्या की वजह से आरओबी निर्माण की जरूरत महसूस की गई है।

भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी

निमार्णाधीन आरओबी में 30 स्पैन का पीएससी गर्डर वायडक्ट और 2 स्पैन का स्टील गर्डर वायडक्ट शामिल किया जाएगा. फिलहाल इसके लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की गई है. रेल मंत्रालय का मानना है कि इस आरओबी के बन जाने से न केवल कटिहार क्षेत्र में रेल परिचालन की सुरक्षा और दक्षता बढ़ेगी, बल्कि सड़क से चलने वाले और पैदल यात्रियों को भी जाम से मुक्ति और सुरक्षित आवाजाही मिल सकेगी।

बिहार में अब हर रविवार होगा हॉर्न फ्री डे हफ्ते में एक दिन मिलेगी पों-पों से मुक्ति

केटी न्यूज। पटना

बिहार के शहरी क्षेत्रों में अब हफ्ते में एक दिन लोगों को गाड़ियों के पों-पों से मुक्ति मिलेगी। राज्य सरकार ने हर रविवार को ह्लहॉर्न फ्री डेह्व घोषित किया है। इस दिन बिना जरूरत के कोई भी हॉर्न नहीं बजा सकेंगे। परिवहन विभाग ने यह घोषणा किया है कि अब बिहार में हर रविवार हॉर्न फ्री दिवस के रूप में मनाया जाएगा। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया कि अनावश्यक हॉर्न बजाने पर रोक लगाकर ध्वनि प्रदूषण को कम करना और लोगों को शांत वातावरण उपलब्ध कराना ही इस पहल का उद्देश्य है। आम नागरिकों और वाहन चालकों से अपील की गई है कि वे रविवार को यातायात नियमों का पालन करते हुए अनावश्यक हॉर्न बजाने से बचें। सरकार का कहना है कि बेवजह हॉर्न बजाने से शहरी क्षेत्रों में ध्वनि प्रदूषण बढ़ता है, जिससे लोगों को कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। मानसिक तनाव, अनिद्रा और हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियाँ ध्वनि प्रदूषण से बढ़ रहा है। शहरों में ध्वनि प्रदूषण की समस्या ज्यादा गंभीर है, इसलिए हर रविवार को ह्लहॉर्न फ्री डेह्व के रूप में मनाने का फैसला लिया गया है।इस अभियान से लोगों को जोड़ने और ध्वनि प्रदूषण के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करने के लिए विशेष प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

बिहार में पूजा-जुलूस में डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध, लाइसेंस अनिवार्य

केटी न्यूज। पटना

बिहार में आने वाले दिनों में पर्व-त्योहारों को ध्यान में रखते हुए विधि-व्यवस्था से लेकर चाक-चौबंदी सुरक्षा के बंदोबस्त किए गए हैं। 5 सितंबर को ईदे मिलाद-उन-नबी, 6 सितंबर को अनंत चतुर्दशी और 17 सितंबर को विश्वकर्मा पूजा को ध्यान में रखते हुए खास तैयारी की गई है। सभी तरह के जुलूस को निकालने के लिए पहले स्थानीय प्रशासन से लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। अनंत चतुर्दशी के मौके पर गणेश मूर्ति के विसर्जन का रिवाज है। इस दौरान किसी जुलूस में डीजे नहीं बजाया जाएगा। इस पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। यह जानकारी एडीजी (विधि-व्यवस्था) पंकज कुमार दराद ने पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन के सभागार में गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने कहा कि सभी जिलों को अतिरिक्त संख्या में सुरक्षा बल मुहैया करा दिए गए हैं। जिलों को खासतौर से ताकीद करते हुए यह निर्देश दिए गए हैं कि विसर्जन या किसी जुलूस के पहले शांति समिति की बैठक कर लें। जिन शहरों में जुलूस निकलेंगे, उनका रूट निर्धारित कर लें और पूरे रूट का भौतिक सत्यापन कर लें। सभी संवेदनशील स्थानों की पहचान कर यहां अतिरिक्त बलों की तैनाती कर दी जाए। सभी जुलूस की वीडियोग्राफी अनिवार्य रूप से कराई जाए। जिन नदी घाटों को विसर्जन के लिए चिन्हित किए गए हैं, वहां गोताखोरों की तैनाती कर दी जाए। एडीजी दराद ने कहा कि पूजा या जुलूस के अवसर पर जिला से लेकर पुलिस मुख्यालय में मौजूद कंट्रोल रूम चौबीस घंटे काम करेंगे। हर 4 घंटे के अंतराल पर मुख्यालय के स्तर से सभी जिलों से अपडेट रिपोर्ट ली जाएगी।

एक नजर

हेरोइन बिक्री के तस्कर को पुलिस ने किया गिरफ्तार, हेरोइन सहित नगदी बरामद

बिक्रमगंज । स्थानीय शहर के ढिबरा मोहल्ला में गुरुवार को अहले सुबह छापेमारी कर पुलिस ने 32.08 ग्राम हेरोइन और 1,37,600 रुपये के साथ तीन हेरोइन तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संकेत कुमार ने गुरुवार को शाम 4 बजे एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि सूचना मिली कि बिक्रमगंज शहर के वार्ड 4 ढीबरा मोहल्ला में चंदन कुमार और उसका भाई बिटू कुमार द्वारा अपने घर में मादक पदार्थ हेरोइन की बिक्री की जा रही है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान चंदन कुमार के घर में प्रथम तल्ला पर बने एक कमरे में रखे एक बक्सा में से एक काला बैग के अंदर छुपाकर रखा हुआ कुल 32.08 ग्राम हेरोइन तथा 1,37,600 रुपया नगद बरामद किया गया। साथ हीं चार एंड्रॉयड और एक बटन वाला कुल पांच मोबाइल जब्त किया गया। हेरोइन खरीद बिक्री करने के आरोप में चंदन कुमार एवं उसका भाई बिट्टू कुमार एवं नटवार निवासी बाबर अली उर्फ तेजु को गिरफ्तार कर लिया गया है। तेजू के पास से भी एक एन्ड्रायड मोबाइल बरामद किया गया है। इन सभी अभियुक्तों के अपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है।

सरकारी होडिंग की क्षति व अवैध फ्लैक्स लगाने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

सासाराम । जिले में विभिन्न स्थानों पर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए लगाए गए सरकारी होडिंग को असामाजिक तत्वों द्वारा नुकसान पहुंचाने की सूचना सामने आई है। इसके अतिरिक्त, हाल के दिनों में कई राजनीतिक दलों द्वारा बिना किसी अनुमति सरकारी होर्डिंग्स पर अपने फ्लैक्स लगाने के मामले भी प्रकाश में आया हैं। इस संबंध में जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी/डीपीआरओ आशीष रंजन ने कहा बताया की सरकारी होर्डिंग्स पर इस प्रकार की गतिविधियां पूर्णतः अवैध और अस्वीकार्य हैं। बिना अनुमति फ्लैक्स लगाना या सरकारी प्रचार सामग्री को क्षति पहुंचना न केवल सरकारी कार्य में बाधा है, बल्कि आम जनता तक जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने में भी गंभीर रुकावट उत्पन्न करता है। डीपीआरओ ने स्पष्ट कहा कि किसी भी परिस्थिति में ऐसे कार्यों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की है कि वे सरकारी होर्डिंग्स की सुरक्षा में सहयोग करें और यदि कहीं इस प्रकार की अवैध गतिविधि होती दिखे तो तत्काल जिला प्रशासन या जनसंपर्क कार्यालय को सूचना दें। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि सरकारी होर्डिंग्स को क्षति पहुंचा बिना अनुमति के फ्लैक्स लगाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

लोकभूमि रोक सूची से हटाने हेतु समाहर्ता रोहतास ने की बैठक

सासाराम (रोहतास) विभागीय निदेश के आलोक में लोक भूमि रोक सूची से हटाने हेतु समाहर्त्ता महोदया, रोहतास द्वारा निरंतर बैठक की जा रही है। संबंधित लोक भूमि को रोक सूची से हटाने हेतु संबंधित अंचल अधिकारी एवं भूमि सुधार उप समाहर्त्ता के प्रतिवेदन अनुशंसा के आधार पर संबंधित भूमि को बैठक में जांचोपरांत रोक सूची से हटाने की कार्रवाई की जाती रही है। गुरुवार को समाहर्त्ता रोहतास की अध्यक्षता में बैठक आहुत की गयी। जिसमें कुल चार मामले में सुनवाई की गयी। जिसमें दो मामले का निष्पादन किया गया तथा दो मामले में भूमि सुधार उप समाहर्त्ता, सासाराम से प्रतिवेदन की मांग की गयी। इस प्रकार वर्ष 2025 में अबतक कुल 12 मामलों को लोक भूमि रोक सूची से हटाया गया।

भूमि विवाद के मारपीट में आरोपी को जेल

तिलौथू । आपसी विवाद के दो लोगों के बीच हुई मारपीट में आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल। यह घटना भूमि विवाद को लेकर हुई थी। जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पुलिस ने बताया कि तिलौथू थाना क्षेत्र के उत्तर पट्टी मोहल्ले में हुए इस विवाद में दो पक्ष शामिल थे। घायल हुए लोगों में से एक, राम लखन यादव, ने पुलिस को बताया कि उनके भाई रामबचन यादव और उनके बेटे गुड्डु यादव ने रास्ते के विवाद को लेकर मारपीट की थी। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए रामबचन यादव और उनके बेटे गुड्डु यादव को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। दूसरे पक्ष की प्राथमिकी भी दर्ज कर ली गई है और मामले में आगे की जांच चल रही है।

सुपौल में शराब लदी स्कॉर्पियो पेड़ से टकराई, चालक की मौके पर मौत

मरौना । मरौना थाना क्षेत्र के मधेपुर-भलुआही रोड पर बुधवार सुबह एक शराब से लदी स्कॉर्पियो (बीआर 01पीएच 9279) अनियंत्रित होकर सड़क किनारे जामुन के पेड़ से टकरा गई। हादसे में स्कॉर्पियो चालक 24 वर्षीय रामप्रवेश कुमार यादव (निवासी किसनीपट्टी, घोघरडीहा थाना, मधुबनी) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और पेड़ का आधा हिस्सा टूटकर गाड़ी पर गिर गया। रामप्रवेश स्टेयरिंग सीट पर फंस गया, जिसे बाहर निकालने में पुलिस को करीब 4 घंटे लग गए। अंततः दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला गया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्कॉर्पियो तेज रफ्तार में मधेपुर से आ रही थी। भलुआही गांव स्थित विश्वकर्मा मंदिर से कुछ ही दूरी पहले वाहन अनियंत्रित होकर निजी जमीन में बने पिलर को तोड़ते हुए पेड़ से जा टकराया। स्थानीय लोगों और मृतक के करीबी मिथिलेश मंडल के अनुसार, रामप्रवेश कुछ समय पहले तक गलत धंधों से दूर हो गया था, लेकिन रुपये के लालच में फिर से शराब तस्करी से जुड़ी गाड़ी चलाने लगा। बताया गया कि यह गाड़ी विक्रमरही गांव निवासी अवधेश यादव की है।

नोखा : एनडीए कार्यकर्ताओं ने इंडिया गठबंधन के खिलाफ किया बिहार बंद

केटी न्यूज। रोहतास

विगत दिनों दरभंगा में महागठबंधन के द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान माननिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनके स्व. मां को अभद्र भाषा का प्रयोग के खिलाफ एनडीए गठबंधन के द्वारा बुलाए गए बिहार बंद की सफलता के लिए नोखा प्रखंड के मुख्य मार्ग सासाराम आरा पथ पर काली मंदिर समीप सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक पुर्णतः बन्द रही। नेतृत्व नगर अध्यक्ष मनोज चंदेल ने किया। महागठबंधन के द्वारा प्रधानमंत्री एवं उनकी माता को दी गई गालियां बिहार को कलंकित करने वाली घटना है। क्योंकि मां का रुप भगवान से भी बढ़कर है। बिहार प्रसाद गुप्ता प्रसाद ने आगे कहा कि मां अपने बच्चे को पुरे नौ महीने तक कोख में रखती है , फीर कोई भी व्यक्ति केसे ओर क्यों किसी राजनीतिक मंच से उस मां को भद्दी भद्दी गालियां दे सकता है। जो नौ महीने तक अपनी कोख में रखने वाली माता ईश्वर की तरह पाल पोसकर बड़ा करती है, उसी मां को कोई गाली देने के लिए केसे सोच सकता है। दरभंगा की इस घटना ने पूरे विश्व को शर्मशार कर दिया है। वहीं नगर अध्यक्ष मनोज चंदेल ने महागठबंधन के द्वारा इस अभद्र भाषा का प्रयोग को निंदनीय बताया है। राजद गठबंधन के खिलाफ एनडीए गठबंधन के कार्यकताओं ने सड़क पर उतर जाम का समर्थन करते हुए सड़क पर बैठ नारा लगाया। मौके पर बीस सूत्री अध्यक्ष रुपेश कुमार चंद्रवंशी, प्रखंड अध्यक्ष अनील सिंह,जवाहर प्रसाद चौरसिया, गोरख तिवारी,अजय कुमार द्विवेदी,उमेश चौहान,विंदेश्वरी सिंह, बिदेलाल कुशवाहा, रमता यादव, उमाशंकर प्रसाद, सोनू पटेल मौजूद थे

एसटीएफ ने मीटर बाईपास विद्युत चोरी में जुर्माना सहित दर्ज कराया प्राथमिकी

केटी न्यूज। रोहतास

दावथ। सूर्यपुरा थाना क्षेत्र मे बिलिंग गुणवत्ता व स्मार्ट प्रीपेड मीटर रिचार्ज नहीं कराने वाले उपभोक्ताओं के परिसर का जांच हेतु विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के नेतृत्व मे एक जाँच दल का गठन किया गया। जाँच दल द्वारा निरीक्षण के क्रम में पाया की स्मार्ट प्रीपेड मीटर से पहले सर्विस तार मे कटिंग करके एवं अतिरिक्त तार जोड़कर तथा मीटर बाईपास करते हुए विद्युत ऊर्जा चोरी की जा रही थी जिसको लेकर नीलकंठपुर निवासी आरती देवी पर 11408, बादशाह सिंह पर 17196, बबन साह पर 11087 व धर्मागतपुर के सिंगासन सिंह पर 10783, शिवमुनी सिंह पर 11475 रुपये दंडित राशि लगायी गयी है। उक्त उपभोक्ताओं के द्वारा मीटर बाईपास करने के कारण वास्तविक मान पठन अवरूद्ध हो रहा था तथा विभाग के राजस्व की क्षति हो रही थी। आगे बताते चलें की बिना कोई विद्युत कनेक्शन लिए अवैध रुप से तार संयोजित कर विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर धर्मागतपुर के हीं सोनी सिंह पर 10176 रुपये जुमार्ना की राशि लगायी गयी है। कनीय विद्युत अभियंता बिक्रमगंज नवदीप गोयल के द्वारा सभी उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया है कि जिनके परिसर मे स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगा हुआ है तथा बकाया रहने के कारण विद्युत कनेक्शन डिसकनेक्ट प्रदर्शित हो रहा है वह रिचार्ज कराने के पश्चात ही विद्युत ऊर्जा का उपभोग करें एवं अनावश्यक होने वाली परेशानियों से बचें। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार ने बताया की जो उपभोक्ता स्मार्ट प्रीपेड मीटर या नॉर्मल मीटर बाईपास कर विद्युत ऊर्जा की चोरी कर रहे हैं वह दुरुस्त कर लें तथा जो व्यक्ति बिजली का कनेक्शन नहीं लिए हैं वह कनेक्शन ले लें अन्यथा पकड़े जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जांच दल मे एसटीएफ के कार्यपालक अभियंता परवेज आलम, लाइनमैन अविनाश कुमार व मानवबल उदय प्रताप सिंह, शिवनाथ सिंह आदि मौजूद थें।

बिहार में पीडीएस दुकानों की जांच जारी

अबतक 14437 का निरीक्षण संपन्न, नपेंगे गड़बड़ी करने वाले दुकानदार

एजेंसी। पटना

बिहार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की अध्यक्षता में गुरुवार को Office Day (ZOD) अभियान के तहत राज्य अन्तर्गत जन वितरण प्रणाली दुकानों के शत-प्रतिशत निरीक्षण के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। आज की समीक्षा बैठक में खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार, सचिव मो० नैय्यर इकबाल, विशेष सचिव उपेन्द्र कुमार सहित राज्य के सभी जिलों के जिला पदाधिकारी वीडियों कॉन्फ्रेसिंग माध्यम से

जुड़े।समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव ने निदेश दिया कि Zero Office Day (ZOD) अभियान के तहत राज्य अन्तर्गत जन वितरण प्रणाली दुकानों के निरीक्षण से प्राप्त निरीक्षण प्रतिवेदन के आधार पर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई कराना अविलंब सुनिश्चित करें। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि Zero Office Day (ZOD) अभियान जो 09.09.2025 तक चलेगा के तहत शत प्रतिशत जन वितरण प्रणाली दुकानों का निरीक्षण कार्य संपन्न हो जाए। इस निरीक्षण अभियान में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि Zero Office Day (ZOD) अभियान का उद्देश्य है हर लाभुक तक खाद्यान्न सही मात्रा में, सही समय पर पारदर्शी तरीके से पहुंचे। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह का अभियान आगे भी सतत रूप से चलाया जाता रहेगा। सभी जिलों के जिला पदाधिकारियों को इस अभियान की सघन अनुश्रव का भी निर्देश दिया। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने जन वितरण प्रणाली (PDS) में पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने के उद्देश्य से Zero Office Day (ZOD) अभियान के तहत 2 सितम्बर से 9 सितम्बर, 2025 तक राज्य के सभी सार्वजनिक वितरण प्रणाली दुकानों का अनिवार्य रूप से निरीक्षण PDS PARAKH मोबाइल ऐप से किया जा रहा है। इस अभियान के तहत लाभुकों से जानकारी भी प्राप्त की जा रही है कि उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित मात्रा में एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न उपलब्ध हो रही है या नहीं। इस अभियान के तहत अबतक कुल 53859 जन वितरण प्रणाली दुकानों के विरूद्ध कुल 14437 दुकानों का निरीक्षण कार्य संपन्न कर लिया गया है।

मधुबनी में कला उत्सव-2025 का शुभारंभ
डीएम ने दिया विद्यार्थियों को सफलता का मंत्र

मधुबनी। मधुबनी में बुधवार को कला उत्सव-2025 का भव्य आगाज हुआ। जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने वाटसन उच्च विद्यालय परिसर में दीप प्रज्वलित कर जिला स्तरीय कला उत्सव का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर जिले के सरकारी और निजी विद्यालयों के 9वीं से 12वीं कक्षा तक के चयनित विद्यार्थियों ने विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।बताया गया कि कला उत्सव की शुरूआत वर्ष 2015 में स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की गई थी। इसका उद्देश्य माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को पहचानना और उन्हें मंच प्रदान करना है। समग्र शिक्षा योजना 2025-26 के तहत मधुबनी जिला प्रशासन ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया है। इस बार उत्सव की थीम विकसित भारत-2047 में भारत की परिकल्पना रखी गई है। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों ने 12 विधाओं संगीत (गायन), संगीत (वादन), नृत्य, नाटक, दृश्य कला और चित्रकला आदि में भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने कहा कि प्रतियोगिता में चयनित होना महत्वपूर्ण जरूर है, लेकिन जो विद्यार्थी चयनित नहीं हो पाए, उन्हें निराश होने की जरूरत नहीं है।

पटना के पुनपुन में बनकर तैयार हुआ बिहार का पहला लक्ष्मण झूला

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज करेंगे उद्घाटन

एजेंसी। पटना

ऋषिकेश के तर्ज पर पटना के पुनपुन में बन रहे लक्ष्मण झूला का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। कल शुक्रवार 05 सितंबर को सुबह 10 बजे इस ब्रिज का उद्घाटन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार करेंगे। 06 सितंबर से पितृपक्ष मेला की शुरूआत होने वाली है। उसके ठीक एक दिन पहले लक्ष्मण झूला को पर्यटकों और आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। पितृपक्ष मेला से पहले इसका उद्घाटन होना था, ठीक पितृपक्ष मेले के एक दिन पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस ड्रीम प्रोजेक्ट का उद्घाटन कल करेंगे। इसकी सारी तैयारियां पूरी कर ली गयी है। लक्ष्मण झूला के बनने का इंतजार लोगों को काफी दिनों से था। अब इंतजार की घड़ी खत्म हो गयी है। बता दें कि इस भव्य परियोजना की घोषणा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 26 जनवरी 2019 को की थी। इसके बनने में करीब 6 साल 7 महीने लग गये। अब लोगों का सपना साकार हो गया है। इसे लोग पुनपुन का गौरव के रूप में देख रहे हैं। बिहार का पहला केबल सस्पेंशन ब्रिज पटना के पुनपुन स्थित अंतरराष्ट्रीय पिंडदान स्थल के पास पुनपुन नदी के ऊपर बनाया गया है। इसके बन जाने के बाद पितृपक्ष में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को घाट तक पहुंचने में सुविधा होगी।

पहले श्रद्धालुओं को पटना-गया रोड से लंबी दूरी तय करना पड़ता था लेकिन अब लक्ष्मण झूला पर चढ़कर आसानी से घाट तक आ सकते हैं। बता दें कि लक्ष्मण झूला को बनाने में करीब 83 करोड़ की लागत लगी है। इसकी लंबाई 325 मीटर और चौड़ाई 11.5 मीटर है। लक्ष्मण झूला में 18 केबल और 100 फीट ऊंचा पीलर लगाया गया है। इसके ऊपर लोग पैदल पुनपुन नदी को तो पार करेंगे ही साथ ही चारपहिया और दोपहिया वाहन भी चलेंगे। इस ब्रिज पर भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित है। इससे पुनपुन इलाके में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। वही यह ब्रिज लोगों को अपनी आकर्षित करेगा। जिससे स्थानीय लोगों को राजगार के अवसर भी मिलेंगे।

पटना में 'लक्ष्मण झूला': इस केबल सस्पेंशन पुल के निर्माण के लिए राज्य सरकार ने कुल 82 करोड़ 90 लाख 48 हजार रुपये की मंजूरी दी है. यह पुल रेलवे लाइन के ठीक बगल में पुनपुन नदी पर बनाया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं और पर्यटकों को पितृपक्ष घाट तक पहुंचने में बहुत सुविधा होगी.

अब सीधे घाट तक पहुंच सकेंगे : पुल की कुल लंबाई 325 मीटर और चौड़ाई 11.5 मीटर है. इसमें कुल 18 केबल और 100 फीट ऊंचा पायलन लगाया गया है, जो इसे भव्य और मजबूत बनाता है. पैदल यात्रियों के लिए भी यह पुल एक वरदान साबित होगा, जो अब बिना लंबा चक्कर लगाए सीधे घाट तक पहुंच सकेंगे।

पहुंच पथ का निर्माण लगभग पूर्ण

पुल के एक ओर का एप्रोच रोड (पहुंच मार्ग) पूरी तरह तैयार है, जबकि दूसरी ओर का काम तेजी से पूरा किया जा रहा है. कुल 115 मीटर लंबे इन पहुंच पथों के जरिए अब सीधे ब्रिज से पितृपक्ष घाट तक पहुंचा जा सकेगा. पहले श्रद्धालुओं को पटना-गया रोड से लंबा चक्कर लगाना पड़ता था, लेकिन अब यह समस्या खत्म हो जाएगी.

पुनपुन: पहला अंतरराष्ट्रीय पिंडदान स्थल

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पितृपक्ष में पहला पिंडदान पुनपुन नदी के किनारे किया जाता है. इसलिए इसे 'प्रथम अंतरराष्ट्रीय पिंडदान स्थल' का दर्जा प्राप्त है. इसके बाद ही श्रद्धालु गया में पिंडदान और तर्पण करते हैं. इस कारण हर साल यहां देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु आते हैं.पुनपुन को मिलेगा नया पर्यटन केंद्र का दर्जाः इस पुल के बन जाने से पुनपुन क्षेत्र में पर्यटन को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा. ऋषिकेश के लक्ष्मण झूला की तरह यह ब्रिज भी अब लोगों को आकर्षित करेगा. स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे और पर्यटन से जुड़ी गतिविधियों को भी रफ्तार मिलेगी।

80 प्रतिशत काम पूरा

बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के प्रोजेक्ट मैनेजर कुमार गौरव के अनुसार, पुल का लगभग 80 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है. शेष 20 प्रतिशत कार्य भी तेजी से पूरा किया जा रहा है।

2019 में की गई थी घोषणा

इस भव्य परियोजना की घोषणा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 26 जनवरी 2019 को की थी. अब लगभग छह वर्षों के भीतर यह सपना साकार हो रहा है. राज्य सरकार की मंशा है कि धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों को आधुनिक बुनियादी ढांचे से जोड़ा जाए ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पटना में भीषण सड़क हादसा, ट्रक में फंसी कार, 5 बिजनेसमैन की मौत

एजेंसी। पटना

बिहार के पटना सिपारा-पुनपुन रोड पर परसा बाजार थाना इलाके में मंगलवार देर रात बड़ा सड़क हादसा हो गया है. जिसमें 5 कारोबारियों की मौत हो गई है. हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए हैं. कार चलते ट्रक में जा घुसीः मिली जानकारी के अनुसार कार परसा बाजार थाना क्षेत्र के सुइया मोड़ फ्लाई ओवर से नीचे उतर रही थी, तभी कार अनियंत्रित होकर रात 1 बजे ट्रक के अंदर जा घुसी. इस संबंध में ट्रक के ड्राइवर को पता भी नहीं चला और वह कार को घसीटते हुए 25 मीटर तक दूर तक चला गया. 5 कारोबारियों की मौतः मृतकों की पहचान राजेश कुमार उम्र 50 साल निवासी गोपालपुर, संजय कुमार उम्र 38 साल, कमल किशोर उम्र 38 साल निवासी सिपारा, प्रकाश चौरसिया उम्र 35 साल और सुनील

कुमार उम्र 30 साल निवासी मुजफ्फरपुर के रूप में हुई है. वहीं, सड़क हादसे के संबंध में पुलिस को सूचना दी गई. सूचना मिलने के बाद सदर डीएसपी रंजन कुमार और परसा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और गैस कटर से कार को काटकर सभी घायलों को बाहर निकाला. इसके बाद उपचार के लिए सभी घायलों को पटना के ढटउख भेजा गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. क्या कहती है पुलिस?: परसा बाजार थानाध्यक्ष मेनका रानी ने बताया कि प्रथम दृष्टया लग रहा है कि घटना पलक झपकने के कारण हुई है, क्योंकि दोनों गाड़ी सड़क पर चल रही थीं, तभी कार ट्रक के अंदर जा घुसी. फिलहाल आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि घटना कैसे हुई है।

बिहार में 9000 से ज्यादा संविदा कर्मियों की सेवा समाप्त, नए सिरे से होगी बहाली

एजेंसी। पटना

बिहार में विशेष सर्वेक्षण कर्मियों की हड़ताल ने राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की परेशानी बढ़ा दी है. लगातार चेतावनी और अंतिम अल्टीमेटम देने के बावजूद हजारों कर्मी ड्यूटी पर नहीं लौटे. जिसके चलते अब विभाग ने सख्त कदम उठाते हुए उनकी सेवा समाप्त करने का ऐलान कर दिया है. हड़ताल से बढ़ी विभाग की मुश्किलें : बिहार में 12500 से अधिक विशेष सर्वेक्षण कर्मी हड़ताल पर चले गए थे, जिससे विभाग का कामकाज ठप हो गया. कड़े निर्देश और बार-बार अपील के बावजूद केवल 3295 कर्मी ही काम पर लौटे. राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी कि बाकी सभी कर्मियों की सेवा समाप्त कर दी गई है. दीपक कुमार सिंह ने कहा कि इस महीने के अंत तक नए सिरे से बहाली के लिए विज्ञापन निकाला जाएगा. चुनाव की घोषणा से पहले इसकी पूरी प्रक्रिया पूरी की जाएगी.बार-बार दी गई थी मोहलत : विभाग ने पहले 30 अगस्त और फिर 3 सितंबर शाम 5 बजे तक का समय दिया था।

बिहार के 18 जिलों में बारिश और ठनका का अलर्ट
जहानाबाद, दरभंगा और नवादा के लिए विशेष चेतावनी

एजेंसी। पटना

मौसम विभाग पटना के मुताबिक गुरुवार को पटना समेत 18 जिलों में बारिश की संभावना है. इसको लेकर विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है. इन जिलों में हल्की और मध्यम बारिश होने की संभावना है. इसके साथ ही 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है. वहीं कुछ घंटों के लिए चार जिलों में बारिश की संभावना है. पिछले 24 घंटे में राजगीर और मुंगेर में तेज बारिश हुई है. लोगों तो गर्मी से राहत मिली है. अरवल, जहानाबाद, दरभंगा और नवादा में अगले कुछ घंटों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है.मेघगर्जन और वज्रपात की चेतावनी जारी की गई है. साथ ही 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की आशंका भी जतायी गई है. ऐसे में विभाग ने इन जिलों को लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है.इन जिलों में बारिश की संभावनाः मौसम विभाग ने बक्सर, कैमूर, रोहतास, भोजपुर, औरंगाबाद, अरवल, पटना, गया, नालंदा, नवादा, शेखपुरा, मुंगेर, बांका, जमुई, लखीसराय, भागलपुर, खगड़िया और जहानाबाद में बारिश की आशंका जतायी है. राजधानी पटना के मौसम को लेकर मौसम विभाग ने संभावना जतायी है कि बादल छाए रहेंगे. साथ ही रुक-रुककर हल्की बारिश हो सकती है. इससे राजधानीवासियों को उमस भरी गर्मी से राहत मिल सकती है. बिहार में 3 सितंबर को कई जिलों में अच्छी बारिश दर्ज की गई. थरथरी 37.8 मिमी, हाजीपुर 33.8 मिमी, साहेबपुर कमाल 33.4 मिमी, भभुआ 32.6 मिमी, नूरसराय 32.2 मिमी, मोहिउद्दीननगर 27.4 मिमी, चेवाड़ा 25.4 मिमी, ब्रह्मपुर 24.6 मिमी, मोंगहीर 24.4 मिमी, अस्थावां 24.2 मिमी, पटोरी 23.6 मिमी, बरौनी 23.4 मिमी, मसौढ़ी 22.4 मिमी, बिक्रम 20.4 मिमी, शेखपुरा 20 मिमी, बेलागंज 19 मिमी, बिहारशरीफ 19 मिमी, बेगुसराय 18.4 मिमी, लालगंज 18.4 मिमी, संदेश 18.2 मिमी, दुल्हिन बाजार 18.2 मिमी, आरा 17.6 मिमी, परबत्ता 17.6 मिमी, परबत्ता 17.6 मिमी, पूर्णिया 16.6 मिमी, बिहियां 16.4 मिमी, मानसी 16.4 मिमी, बरबीघा 16.4 मिमी, आलालनगर 16.2 मिमी, रहुई में 16.2 मिमी बारिश दर्ज की गई है. सबसे ठंडा रहा मधेपुराः कल बिहार का वाल्मीकिनगर सबसे गर्म रहा।

पटना बेऊर में ठगी का आरोपी गिरफ्तार, 33 लाख रुपये हड़पने का आरोप

बेऊर। पटना के बेऊर थाना क्षेत्र में दोस्ती कर शादी का झांसा देने और प्लॉट खरीदने के नाम पर 33 लाख रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पीड़ित पक्ष ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। अनुसंधान एवं पर्यवेक्षण के दौरान यह आरोप सही पाया गया और प्राथमिकी अभियुक्त की पुष्टि की गई। आसूचना के आधार पर दिनांक 03 सितम्बर 2025 को पुलिस ने छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। इस संबंध में नगर पुलिस अधीक्षक (पश्चिम), पटना भानुप्रताप सिंह ने बताया कि ह्लपुलिस लगातार ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई कर रही है। ठगी और धोखाधड़ी जैसे अपराधों में किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

भारत-भूटान मैत्री का नया अध्याय

राजगीर में रॉयल भूटान मंदिर का भव्य उद्घाटन

एजेंसी। नालंदा

राजगीर की पावन धरती पर भारत और भूटान की अटूट दोस्ती का प्रतीक बनकर रॉयल भूटान मंदिर का भव्य उद्घाटन हुआ है. इस अवसर पर भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगो, सर्वोच्च धर्मगुरु परम पावन जे-खेंपो, केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू और बिहार सरकार के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार सहित कई गणमान्य मौजूद रहे. 70 फीट ऊंचा मंदिर और अनोखी प्रतिमाएं : भूटानी शैली में निर्मित यह मंदिर लगभग 70 फीट ऊंचा है. यहां भगवान बुद्ध की 10 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की गई है. साथ ही बौद्ध धर्म के संस्थापक पद्मसंभव और जबदरूंग

की प्रतिमाएं भी रखी गई हैं. सभी प्रतिमाएं मिट्टी, रूई और विशेष रसायनों से बनी हैं, जिनपर प्राकृतिक रंगों का लेप चढ़ाया गया है. मंदिर के चारों कोनों पर संरक्षक राजाओं की प्रतिमाएं भी हैं.परिसर में आधुनिक सुविधाओं का संगम : लगभग दो एकड़ भूमि पर फैले इस मंदिर परिसर में दो मंजिला मुख्य मंदिर, भिक्षुओं के लिए आवास, एक वीआईपी गेस्ट हाउस और 1000 भक्तों की क्षमता वाला बहुउद्देशीय हॉल शामिल है. मंदिर का निर्माण 18.71 करोड़ रुपए की लागत से हुआ है. इसका शिलान्यास 2018 में किया गया था और निर्माण कार्य 2019 में भारत-भूटान के राजनयिक संबंधों की 50वीं वर्षगांठ पर शुरू हुआ था. भूटानी तीर्थयात्रियों के लिए अहम केंद्र : रॉयल भूटान मंदिर के लामा लेकी खांडू ने कहा कि- "यह मंदिर सभी प्राणियों के कल्याण और भारत-भूटान की मैत्री का सेतु बनेगा. साथ ही यह भूटानी तीर्थयात्रियों के लिए पूजा और आवास का प्रमुख केंद्र होगा." भारत-भूटान संबंधों का प्रतीक : केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि- "यह मंदिर भारत और भूटान के बीच आध्यात्मिक, धार्मिक और सांस्कृतिक संबंधों को और गहरा करेगा।

सुभाषितम्

मैं कर सकता हूँ, यह विश्वास है। केवल मैं ही कर सकता हूँ यह अंधविश्वास है - अज्ञात

प्राकृतिक आपदाएं: विकास के नाम पर विनाश?

पिछले एक वर्ष में भारत सहित पूरी दुनिया के देशों में प्राकृतिक आपदाओं के कई भयावह दृश्य देखने में आये हैं। कभी बेमौसम बारिश और बाढ़ ने हजारों जिंदगियाँ लील लीं, तो कभी भूकंप और भू-स्खलन ने पलभर में बस्तियों को उजाड़ दिया। गांव के गांव जमींदोज हो गए। जलवायु परिवर्तन और अनियंत्रित विकास की नीतियों ने इन आपदाओं की तीव्रता को और बढ़ा दिया है। आँकड़े बताते हैं कि पिछले 1 वर्ष में भारत में बाढ़, चक्रवात और हीटवेव से लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। हजारों लोग मारे गए हैं, हजारों करोड़ रुपयों की संपत्ति का नुकसान हुआ है। उत्तराखंड, हिमाचल और उत्तर-पूर्व के पहाड़ी राज्यों में भूस्खलन की घटनाएँ तेजी के साथ बढ़ रही हैं। हिमालय की पहाड़ियों को काटकर बनाई जा रही सड़कों और सुरंगों से न केवल प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है, बल्कि इस क्षेत्र में रहने वाली स्थानीय आबादी का जीवन भी संकट में पड़ गया है। केदारनाथ आपदा की स्मृति अब भी ताजा है, फिर भी चारधाम परियोजना जैसे विकास कार्य प्रकृति के सौंदर्य और संवेदन शीलता को दरकिनार कर विनाश की ओर बढ़ रहे हैं। इसी तरह, महानगरों में बाढ़ का खतरा बढ़ता जा रहा है। शहरों में सीवर लाइन, नालों, तालाबों और जल निकासी के स्थान पर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए हैं। जिसके कारण थोड़ी सी बारिश में शहर जलमग्न हो जाते हैं। भारत के शहरों की हालत बहुत खराब हो गई है। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद जैसे मेट्रोपॉलिटन सिटी एवं बड़े-बड़े शहरों में जल निकासी सही नहीं होने के कारण जल प्लावन से पूरा जनजीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। बारिश का पानी जमीन के अंदर नहीं जा पाता है, जिसके कारण भूमिगत जल का स्तर लगातार नीचे की ओर जा रहा है। बीते वर्ष में चक्रवात मोचा और मिधुन ने पूर्वी और पश्चिमी तटों पर भारी तबाही मचाई। लाखों लोग विस्थापित हुए, कृषि पर गहरा असर पड़ा, फसलें बड़ी मात्रा में खराब हुईं। वहीं मौसम में भीषण गर्मी और सूखे ने मध्य और दक्षिण भारत में पानी की कमी के संकट को बढ़ा दिया है। वैज्ञानिक बिगत कई वर्षों से लगातार चेतावनी दे रहे हैं, प्रकृति के साथ यदि छेड़छाड़ इसी तरह से जारी रही, तो आने वाले वर्षों में ऐसी भीषण आपदाएँ और तेज गति से बढ़ेंगी। यदि हमने विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन साधने का प्रयास गंभीरता के साथ नहीं किया तो वर्तमान एवं आने वाली पीढ़ी को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। किसी भी तरह से इसकी भरपाई करना संभव नहीं होगी। विकास का अर्थ केवल चौड़ी सड़कों, ऊँची इमारतों और औद्योगिक परियोजनाओं के लिए नहीं होना चाहिए। सच्चा विकास वही है, जो मानव जीवन की सुरक्षा, प्रकृति के संरक्षण को साथ लेकर चले। तभी मानवीय सभ्यता और प्रकृति का विकास संभव है। आपदाओं से होने वाली जन-धन की जो हानि हुई है वह विकास की तुलना में कई गुना ज्यादा है। जो हमें यह सोचने पर मजबूर करती है। कहीं हम विकास की आड़ में स्वयं विनाश की ओर तो नहीं बढ़ रहे हैं? आवश्यक है, सरकारें दीर्घकालिक पर्यावरणीय नीतियाँ बनाएं और उनका कठोरता से पालन करें। स्थानीय स्तर पर आपदा प्रबंधन को मजबूत बनाएं ताकि आपदा के समय लोगों के जान-माल की, रक्षा की जा सके। वृक्षारोपण, जल संरक्षण और पारिस्थितिक क्षेत्रों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। हमें समझना होगा कि प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, बल्कि सामंजस्य से ही मानव जीवन और प्रकृति के सभी जीवों का अस्तित्व सुरक्षित रह सकता है। प्राकृतिक आपदाओं से मिली चेतावनी से स्पष्ट है, यदि हमने संतुलित विकास का रास्ता नहीं चुना तो आने वाली पीढ़ियों को और भी बड़े संकट का सामना करना पड़ेगा। भारत ही नहीं, दुनिया के सभी देशों में विकास के नाम पर जिस तरह से स्वयं के विनाश को आमंत्रित कर रहे हैं, प्राकृतिक आपदाएं एक सबक की तरह हैं। ब्रह्मांड की कोई सीमा नहीं है। देशों की सीमा हो सकती है।

चिंतन-मनन

एकता में भाषा भी अवरोध

भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, उसे भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है। अपनी भाषा के प्रति आकर्षण होना अस्वाभाविक नहीं है और मातृभाषा व्यक्ति के बौद्धिक विकास का सशक्त माध्यम बन सकती है, इसमें कोई संदेह नहीं। पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकर्षण होता है, उतना ही आकर्षण दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है? हमारे पूर्वाचार्यों ने एकता की सर्वोत्तम कसौटी प्रस्तुत की थी। वह है- जो तुम्हारे लिए प्रतिकूल है, वह तुम दूसरों के लिए मत करो। हमारा भाषाई प्रेम उस सीमा तक ही होना चाहिए जहां दूसरों के भाषाई प्रेम से उसकी टक्कर न हो। हर प्रांत का अपना भाषाई प्रेम है। उनके पारस्परिक संपर्क के लिए एक जैसी भाषा भी अपेक्षित होती है, जो उनके प्रेम को अक्षुण्ण रखते हुए एक-दूसरे को मिला सके। वह राष्ट्रीय भाषा होती है। प्रांतीय भाषा के प्रेम को इतना उभार देना कैसे उचित हो सकता है, जिससे प्रांतीय और राष्ट्रीय भाषाओं में परस्पर टकराहट पैदा हो जाए। राष्ट्रीय एकता के लिए इस विषय पर गंभीर चिंतन आवश्यक है। भाषा की समस्या को मैं सामयिक समस्या मानता हूं। इस समस्या को कभी-कभी उभार दिया जाता है और यह राष्ट्रीय एकता के लिए चुनौती बन जाती है। फिर भी इसमें स्थायित्व नहीं है। इसके आकर्षण की एक सीमा है। यह लंबे समय तक जनता को आकृष्ट किए नहीं रख सकती। आर्थिक-सामाजिक वैषम्य तथा जातीय और सांप्रदायिक वैमनस्य राष्ट्रीय एकता की स्थाई समस्याएं हैं। इनका समाधान हुए बिना राष्ट्रीय एकता का आधार मजबूत नहीं हो सकता। क्या हित-सिद्धि के भेद की भित्ति पर अभेद का प्रासाद खड़ा किया जा सकता है? क्या हीनता और उच्चता की उबड़-खाबड़ भूमि पर एकता के रथ को ले जाया जा सकता है? ऐसे कभी नहीं हो सकता।

जैव-प्रौद्योगिकी से सामने आई है विकसित भारत की नई पहचान

- डॉ. निवेदिता शर्मा

भारत अब केवल अपनी जैव विविधता की धरोहर पर गर्व करने वाला देश नहीं रह गया है, उसने उस धरोहर को विज्ञान, नवाचार और आत्मनिर्भरता की शक्ति में बदलना शुरू कर दिया है। देश में जैव प्रौद्योगिकी अर्थव्यवस्था का नया इंजन बन रही है । पर्यावरणीय संतुलन, रोजगार सृजन और सामरिक स्वतंत्रता का भी प्रमुख आधार बनती जा रही है। हाल ही में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बायोई3 नीति के अंतर्गत उच्च-निष्पादन वाले जैव-विनिर्माण प्लेटफार्मों का शुभारंभ किया। एक नजरिए से देखें तो यह कदम स्पष्ट संकेत देता है कि भारत 21वीं सदी में केवल सूचना प्रौद्योगिकी या अंतरिक्ष विज्ञान तक सीमित नहीं रहेगा, यह जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी महाशक्ति बनने का इरादा रखता है। समीक्षात्म3क रूप से देखें तो दुनिया के कई देशों के बीच भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी जैव विविधता है। यह विश्व के 17 मेगाडायवर्स देशों में शामिल है। यहां लगभग पैंतालीस हजार से अधिक पौधों की प्रजातियाँ और नब्बे हजार से अधिक पशु प्रजातियाँ पाई जाती हैं। हिमालय की जड़ी-बूटियों से लेकर अंडमान-निकोबार के समुद्री संसाधनों तक, यह जैव संपदा बायोटेक्नोलॉजी के लिए अमूल्य स्रोत है। यही कारण है कि कृषि, औषधि, खाद्य प्रसंस्करण और समुद्री अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भारत तेजी से अग्रणी भूमिका निभा रहा है। परंपरागत आयुर्वेद और औषधीय पौधों का ज्ञान आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी के साथ मिलकर वैश्विक स्वास्थ्य समाधान प्रस्तुत कर रहा है। इस क्षेत्र में भारत की प्रगति पिछले एक दशक में असाधारण रही है। 2014 में देश की जैव-अर्थव्यवस्था लगभग दस अरब डॉलर के आसपास थी। 2023 तक यह बढ़कर डेढ़ सौ अरब डॉलर तक पहुंच गई और मार्च 2025 तक इसका आकार लगभग एक सौ पैंसठ अरब डॉलर हो गया। यह अब भारत की जीडीपी में चार प्रतिशत से अधिक का योगदान करती है और पिछले चार वर्षों में औसतन अठारह प्रतिशत की दर से बढ़ी है। सरकार का लक्ष्य है कि 2030 तक इसे तीन सौ अरब डॉलर तक ले जाया जाए। यह लक्ष्य अब अवास्तविक नहीं लगता क्योंकि बायोटेक स्टार्टअप्स की संख्या ही गवाही दे रही है। जहां 2014 में इनकी संख्या मात्र पचास थी, वहीं 2024 तक यह बढ़कर दस हजार से अधिक और 2025 में ग्यारह हजार तक पहुँच गई। इन स्टार्टअप्स को देश भर में सौ से अधिक इनक्यूबेटर और बीआईआरएसी जैसी संस्थाओं का समर्थन प्राप्त है। इस सब के सार्थक परिणाम यह है कि भारत अब वैश्विक मानचित्र पर भी अपनी छाप छोड़ रहा है। विश्व की 121 प्रमुख जैव कंपनियों में से 21 भारत में स्थित हैं। यह उपलब्धि उस देश के लिए विशेष महत्वई रखती है जिसे कभी तकनीकी अनुसरणकर्ता माना जाता था। हैदराबाद का नाम दुनिया के सात सबसे बड़े लाइफ-साइंसेज क्लस्टर्स में शामिल हो चुका है जहां पचपन हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आया है और दो लाख से अधिक नए रोजगार बने हैं। कर्नाटक राज्य ने अकेले ही तीस अरब डॉलर का बायो-आर्थिक योगदान दिया है और निकट भविष्य में तीस हजार अतिरिक्त रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा है। असम पहला राज्य है जिसने बायोई3 पहल को पूरी तरह से अपनाया है और पूर्वोत्तर को जैव प्रौद्योगिकी का नया केंद्र बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

यहां समझलीजिए कि बायोई3 नीति का प्रभाव केवल आर्थिक नहीं है, यह सामाजिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी उतना ही महत्वयपूर्ण है। स्मार्ट प्रोटीन, टिकाऊ कृषि, कार्बन कैप्चर, समुद्री जैव प्रौद्योगिकी और कोशिका एवं जीन थेरेपी जैसे क्षेत्र न केवल वैज्ञानिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करेंगे बल्कि भारत को आयात पर निर्भरता से भी मुक्त करेंगे। पेट्रोलियम आयात को घटाने के लिए ईथेनॉल मिश्रण का प्रयास इसका उदाहरण है। 2014 में पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण मात्र डेढ़ प्रतिशत था जो 2024 में पंद्रह प्रतिशत तक पहुँच गया। इसके कारण लगभग सत्रह मिलियन टन कच्चे तेल के आयात से बचाव हुआ और करीब एक लाख करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा की बचत हुई। इस साल के अंत के बाद जो आंकड़े आएंगे, उम्मीरद है कि यह पंद्रह प्रतिशत से बढ़कर ही आएंगे। जैव प्रौद्योगिकी का महत्व कोविड-19 महामारी के दौरान और भी स्पष्ट हो गया जब भारत ने रिकॉर्ड समय में वैक्सीन विकसित कर पूरी दुनिया को आपूर्ति की। जिन देशों ने समय पर वैक्सीन प्राप्त की, उनमें भारत की भूमिका निर्णायक रही। इससे यह स्पष्ट हो गया कि जैव प्रौद्योगिकी आज विज्ञान से आगे भू-राजनीतिक शक्ति का भी स्रोत बन चुका है। फिर भी चुनौतियाँ कम नहीं हैं। अभी भी वेक्टर और प्लास्मिड जैसे आवश्यक बायोलॉजिकल इनपुट्स का उत्पादन देश में सीमित है। प्रोबायोटिक्स जैसे क्षेत्रों में नियामकीय बाधाएँ उद्यमियों को परेशान करती हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए निजी निवेश और विदेशी सहयोग को और बढ़ाना होगा। कॉन्ट्रैक्ट ड्रग मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में भारत के सामने बड़ा अवसर है परंतु चीन जैसे देशों से प्रतिस्पर्धा के लिए लागत और नीति में लचीलापन आवश्यक होगा। शिक्षा और उद्योग के बीच सहयोग को गहरा करना भी अत्यंत आवश्यक है। विश्वविद्यालयों और अनुसंधान केंद्रों में जो ज्ञान उत्पन्न होता है, उसे तभी सार्थक बनाया जा सकता है जब वह उद्योग और समाज तक पहुँचे। स्टार्टअप्स को केवल शुरूआती समर्थन ही नहीं, बल्कि दीर्घकालिक निवेश, वैश्विक साझेदारियाँ और मजबूत नैदानिक मान्यता भी चाहिए। सरकार का कार्य बीज बोना है परंतु उद्योग जगत को उसे फलने-फूलने योग्य बनाना होगा। वर्तमान में भारत की जैव विविधता, उसकी पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली और आधुनिक वैज्ञानिक क्षमता मिलकर एक ऐसा परिदृश्य रच रहे हैं जिसमें भारत आत्मनिर्भर होगा ही साथ ही वह वैश्विक नेता भी बनेगा। अफ्रीका और एशिया के विकासशील देशों के लिए भारत टिकाऊ कृषि, सस्ती दवाएं और पर्यावरणीय समाधान उपलब्ध कराएगा। इससे भारत की छवि केवल विज्ञान और प्रौद्योगिकी तक सीमित नहीं रहेगी बल्कि वह अंतरराष्ट्रीय सहयोग का अग्रणी देश भी बनेगा। यदि हम अपनी विविधता को जिम्मेदारी से प्रौद्योगिकी और नवाचार में बदल सकें, तो जैव प्रौद्योगिकी वास्तव में आत्मनिर्भर और विकसित भारत की आधारशिला बन सकती है। जैसे 1990 के दशक में सूचना प्रौद्योगिकी ने भारत की वैश्विक छवि को बदला था, वैसे ही आज जैव प्रौद्योगिकी उसी परिवर्तन का नया साधन बनने जा रही है। आने वाले वर्षों में बीटी यानी बायोटेक्नोलॉजी वह शब्द होगा जो भारत की विकासगाथा को परिभाषित करेगा। यह केवल अर्थव्यवस्था को नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, कृषि, पर्यावरण और कूटनीति सभी को प्रभावित करेगा। इन सभी तथ्योंर के प्रकाश में आप कह सकते हैं कि स्वतंत्रता की शताब्दी की ओर बढ़ते भारत के लिए यही वह क्षेत्र है जो विकसित भारत के सपने को साकार करने की शक्ति रखता है।

मोदी की चीन यात्रा से भारत को क्या हासिल हुआ?

- डॉ. मयंक चतुर्वेदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हालिया चीन यात्रा को केवल औपचारिक शिखर सम्मेलन में उपस्थिति मान लेना भूल होगी। यह यात्रा उस समय हुई है जब भारत-चीन के बीच सीमा पर भरोसे का संकट गहरा है, भारत-अमेरिका संबंध का एक नया पन्ना सामने है और रूस के साथ भारत का ऊर्जा तथा रक्षा सहयोग अभूतपूर्व स्तर तक पहुँचा है। ऐसे परिदृश्य में बीजिंग की धरती पर भारतीय प्रधानमंत्री का उतरना एशियाई राजनीति के बदलते समीकरणों की झलक देता है। यह यात्रा भारत की विदेश नीति में आत्मविश्वास और संतुलन दोनों का प्रमाण है। व्यापारिक आँकड़े साफ कहते हैं कि चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है, लेकिन यह रिश्ता बेहद असंतुलित है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत और चीन का द्विपक्षीय व्यापार 127.7 अरब डॉलर तक पहुँचा। इसमें भारत का निर्यात केवल 14.25 अरब डॉलर का रहा, जबकि चीन से आयात 113.45 अरब डॉलर पर पहुँच गया। परिणामस्वरूप व्यापार घाटा 99 अरब डॉलर से अधिक का रहा, जो अब तक का सबसे ऊँचा स्तर है। यह स्थिति भारत की औद्योगिक निर्भरता को उजागर करती है, विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक्स, रसायन, फार्मा और ऊर्जा उपकरणों के क्षेत्र में। प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा का एक बड़ा उद्देश्य इसी असंतुलन को कम करता हुआ दिखा है। इस तुलना में रूस के साथ भारत का व्यापारिक समीकरण अपेक्षाकृत संतुलित और अवसरों से भरा हुआ है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत-रूस व्यापार 68.7 अरब डॉलर तक पहुँच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में कई गुना वृद्धि दर्शा रहा है। इसका मुख्य कारण रूस से बड़े पैमाने पर सस्ते कच्चे तेल का आयात है। ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में यह सहयोग भारत के लिए अनिवार्य हो गया है। साथ ही, रूस भारत का पारंपरिक रक्षा सहयोगी है और अंतरिक्ष विज्ञान में भी दोनों देशों की साझेदारी मजबूत है। यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद भारत ने रूस के साथ अपने रिश्ते को बरकरार रखा है। मोदी की चीन यात्रा से यह संदेश भी गया कि भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता के सिद्धांत पर अडिग है और किसी एक ध्रुव पर झुकने को तैयार नहीं, फिर अमेरिका उस पर कितने ही दबाव बनाने का प्रयास करे। हालांकि ऐसा नहीं है कि जो अमेरिका भारत पर लगातार आर्थिक दबाव बनाने की कोशिशें कर रहा है, उसके साथ भारत के व्यांपारिक संबंध कमजोर पड़े हैं, देखा जाए तो लगातार चौथे वर्ष भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना हुआ है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारतझ्अमेरिका का व्यापार 131.8 अरब डॉलर पर रहा। यह आँकड़ा न केवल चीन से अधिक है बल्कि यह भी दिखाता है कि तकनीकी, सेवा और विनिर्माण क्षेत्र में अमेरिका भारत के लिए सबसे भरोसेमंद बाजार है। संभावित मुक्त व्यापार समझौते और रक्षा प्रौद्योगिकी सहयोग इस रिश्ते को और गहरा करने वाले हैं। इस पृष्ठभूमि में मोदी की बीजिंग यात्रा को अमेरिका भी बारीकी से देख रहा है, उसका अध्ययकयन कर रहा है, तुलनात्म क रूप से अपने नफा-नुकसान का आकलन कर रहा है। पर यहां जो स्पीष्टस संकेत विदेश नीति के स्तयर पर दिया गया है वह यही है कि भारत, चीन और रूस के साथ संवाद कायम रखते हुए भी अमेरिका और यूरोप से दूरी नहीं बना रहा। बीजिंग यात्रा का कूटनीतिक संदेश यही है कि भारत वैश्विक शक्ति संतुलन में संतुलनकारी की भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बातचीत में यह सहमति बनी कि सीमा विवाद को रिश्तों की प्रगति में बाधा नहीं बनने दिया जाएगा। अब यह भले ही एक सामान्य-सा बयान लगे, किंतु इस सच को नकारा नहीं जा सकता है कि गलवान संघर्ष और लद्दाख में जारी तनातनी के बाद यह पहला अवसर रहा, जब शीर्ष नेतृत्व ने इतने स्पष्ट शब्दों में संवाद को प्राथमिकता दी। यात्राओं की बहाली, उड़ानों और वीजा में रियायतें तथा निवेश सहयोग पर चर्चा ऐसे संकेत हैं जो रिश्तों में जमी बर्फ को पिघलाने का प्रयास करते हैं। फिर भी इस यात्रा की सीमाएँ भी हैं। विपक्ष का उठाया गया सवाल मायने रखता है कि व्यापार घाटे का बोझ घटाने की ठोस योजना सामने आए बिना बीजिंग से लौटे वादे केवल प्रतीकात्मक रह सकते हैं। चीनझ्पाकिस्तान गठजोड़, बेल्ट एंड रोड परियोजना पर मतभेद और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की भू-राजनीति ऐसी चुनौतियाँ हैं जिन्हें केवल संवाद से नहीं सुलझाया जा सकता। भारत को आने वाले वर्षों में तीन मोर्चों पर खास ध्यान देने की आवश्यीकता है; पहला, चीन पर अपनी औद्योगिक निर्भरता को घटाना; दूसरा, रूस के साथ ऊर्जा और रक्षा सहयोग को दीर्घकालीन ढाँचे में ढालना और तीसरा, अमेरिका व यूरोप के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को आगे बढ़ाना, ताकि निर्यात के नए अवसर मिल सकें। मोदी की चीन यात्रा से सबसे बड़ा संदेश यही गया कि भारत अब प्रतिक्रियाशील शक्ति नहीं रहा। वह वैश्विक राजनीति और व्यापार में सक्रिय और आत्मविश्वासी ध्रुव के रूप में उभर रहा है। यह यात्रा इस तथ्य को पुष्ट करती है कि भारत की विदेश नीति अब केवल किसी एक गुट पर निर्भर नहीं, बल्कि बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में संतुलन साधने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उसके लिए अपने नागरिकों के हित सर्वोपरि हैं। देश की सुरक्षा और संप्रभुता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा, और ये शक्तिक शाली भारत न रुकेगा न किसी अन्य देश के सामने झुकेगा। फिलहाल इस यात्रा के ठोस नतीजे सामने आने में हमें इंतजार करना होगा, क्योंकि समय लगेगा लेकिन इसका प्रतीकात्मक महत्व कम नहीं है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की छवि उस राष्ट्र की बन रही है जो अपने हितों को साधते हुए संवाद और सहयोग की राह खुली रखता है। एशिया की राजनीति में यही संतुलनकारी भूमिका भारत की सबसे बड़ी ताकत बनकर आज उभर रही है।

मंदारगिरी पर्वत की रोचक यात्रा

- विनोद कुमार सिंह

हजारों वर्ष पूर्व भगवान महावीर ने संपूर्ण संसार को शांति, मैत्री और मानवता का उपदेश दिया। उन्होंने अहिंसा परमो धर्मः का शाश्वत संदेश दिया-जो आज भी संसार के लिए प्रासंगिक है। धन्य -धन्य है वह धरा ,जहाँ अनगिनत संत-महापुरुष,ऋषि-मुनि और स्वयं भगवान के अवतार राम,कृष्ण,कबीर, तुलसी, नानक,बुद्ध और महावीर अवतरित होकर संपूर्ण सृष्टि और मानवता के कल्याण हेतु अमूल्य संदेश देते आए हैं। आज इसी कारण भारत को विविधता में एकता का प्रतीक माना जाता है। यहाँ हिंदू, मुस्लिम,सिख,ईसाई आदि सभी धर्मों के लोग भाईचारे के साथ शताब्दियों से एक साथ रहते आए हैं। इन्हीं संत परंपराओं में हजारों वर्ष पूर्व भगवान महावीर ने संपूर्ण संसार को शांति,मैत्री और मानवता का उपदेश दिया। उन्होंने अहिंसा परमो धर्मः का शाश्वत संदेश दिया-जो आज भी संसार के लिए प्रासंगिक है। विगत दिनों मुझे रेलवे बोर्ड के दिलीप कुमार,ई.आई.डी.पी. के कुशल नेतृत्व में नेशनल मीडिया टीम के सदस्य के रूप में तीन दिवसीय यात्रा पर आईटी नगर,बेंगलुरु जाने का स्वर्णिम अवसर मिला। संयोग से यह यात्रा सावन पूर्णिमा,रक्षाबंधन के पावन पर्व पर आरंभ हुई। बारिश के बीच हम दिल्ली एयरपोर्ट पहुँचे और हवाई मार्ग से बेंगलुरु पहुँचे तो शाम हो चुकी थी। वहाँ रेलवे के स्थानीय पीआर टीम ने हमारा हार्दिक स्वागत किया और कारों के काफिले में हमें गंतव्य तक पहुँचाया। रास्ते में हमने दक्षिण भारतीय व्यंजनों और स्पेशल कॉफी का आनंद लिया। अगले दिन के कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए जल्दी विश्राम किया। अगली सुबह प्रधानमंत्री द्वारा तीन वंदे भारत एक्सप्रेस और मेट्रो परियोजनाओं के उद्घाटन का मीडिया कवरेज किया। थकान के बावजूद हमारे टीम कुशल व कुशाग्र कप्तान दिलीप सर ने मुस्कुराते हुए कहा -आप सभी अभी से थक गए?अभी तो हमें दर्शनीय स्थलों का आनंद लेना है। हम सभी तैयार हो गए और कारवाँ एक रमणीय स्थल की ओर बढ़ा। रास्ते में हमने सुंदर मंदिरों,प्राचीन शिल्पकृतियों और जीवंत कला कतियों की आकृति को पत्थरों में देखा। वहाँ से हम मंदारगिरी पर्वत की ओर बढ़े। रास्ते में मैंने दिलीप सर से पूछा- हमारे ऋषि-मुनि,संत और देवी-देवता हमेशा कठिन पर्वतों और कंदराओं को अपनी तपोस्थली क्यों बनाते थे? सर मुस्कुराए और बोले -ताकि हम जैसे लोग उनकी साधना में व्यवधान न डालें। जब हम कठिनाई सहकर ऐसे स्थानों तक पहुँचते हैं,तभी हम उनके आशीर्वाद और दिव्यता का सही अनुभव कर पाते हैं। मंदारगिरी पर्वत पर पहुँच कर हमने पिंची आकार के 81 फुट ऊँचे गुरु मंदिर का दर्शन किया। यह मंदिर दिगंबर जैन तपस्वी श्री शांति सागर जी महाराज को समर्पित है। पास ही चंद्रनाथ तीर्थंकर की भव्य प्रतिमा है,जो बाहुबली जैसी प्रतीत होती है। वहाँ हमने एक अद्भुत दृश्य देखा-गाय और शेरनी एक घाट पर जल पी रहे थे, गाय का दूध शेरनी का शावक पी रहा था वही शेरनी का दूध गाय का बछड़ा। यह दृश्य भगवान महावीर के अहिंसाऔर सह-अस्तित्व के संदेश का जीवंत प्रमाण प्रतीत हो रहा था। पर्वत की चोटी तक पहुँचने के लिए लगभग 460 सीढ़ियाँ चढ़नी पड़ती हैं। शिखर पर चार प्राचीन जैन मंदिर हैं,जिनमें से दो चंद्रनाथ और दो पार्श्वनाथ को समर्पित हैं। वहाँ की स्वच्छता,शांति और सुंदरता मन को मोह लेने वाली है। मंदिर परिसर के पीछे एक सुरम्य झील है,जो इस स्थल की आध्यात्मिकता को और भी गहरा कर देती है। हल्की फुहारें,पहाड़ी की मनोहारी,हरियाली और वातावरण में व्याप्त शांति-यह सब मिलकर ऐसा अनुभव कराते हैं मानो भगवान महावीर का आशीर्वाद हमें प्राप्त हो रहा हो।

आज का राशिफल

मेष — दिन चुनौतियों से भरा रह सकता है। जिम्मेदारियां उठानी पड़ सकती हैं।

तुला — अपने सभी कामों को समय पर पूरा करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है।

वृषभ — क्षेत्र में दिन बेहतरीन रहने वाला है और आप धीरे-धीरे सफलता की राह पर आगे बढ़ते जाएंगे।

वृश्चिक — व्यवसाय के क्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण अनुबंध या फैसला आपके पक्ष में फाइनल हो सकता है।

मिथुन — दिन सामान्य रहने वाला है। बौद्धिक व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता प्राप्त हो सकती है।

धनु — कारोबार के मामले में दिन बेहतरीन रहने वाला है और समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

कर्क — आज कार्यक्षेत्र में आपके द्वारा लिए गए निर्णय सही साबित होंगे, जिससे लाभ मिलने की भी संभावना है।

मकर — आज आपका दिन मिलाजुला रह सकता है। समाज में सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

सिंह — आज आपको हर मामले में भाग्य का साथ मिल सकता है, जिससे मन को संतुष्टि महसूस होगा।

कुंभ — आज कार्यक्षेत्र में आपको अपने प्रयासों और मेहनत का अब शुभ फल प्राप्त हो सकता है।

कन्या — आज कार्यक्षेत्र में दिन सामान्य से बेहतर बना रहेगा और विरोधी की आपके खिलाफ बनाई गई।

मीन — आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है और भाग्य का पूरा साथ मिलने से मन प्रसन्न रहेगा।

विशेष

उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में होगा चमत्कार?

उपराष्ट्रपति पद के लिए सत्ता पक्ष ने महाराष्ट्र के राज्यपाल को चुनाव मैदान में उतारा है ।वह तमिलनाडु के निवासी हैं। इंडिया गठबंधन ने आंध्र प्रदेश निवासी पूर्व जज सुदर्शन रेड्डी को चुनाव मैदान में उतारा है। राजनीति में जिस तरह से तूफान आया हुआ है। उपराष्ट्रपति के चुनाव में दक्षिण वर्सेस दक्षिण के साथ-साथ अब उत्तर भारत का भी तड़का लग गया है। ग्रह नक्षत्र दिशा बदल रहे हैं। ज्योतिषी कह रहे हैं, मतदान के पहले चंद्रग्रहण पड़ रहा है। इसका असर उपराष्ट्रपति के चुनाव में हर हालत में देखने को मिलेगा। उपराष्ट्रपति के चुनाव में क्रॉस वोटिंग होगी। इसको लेकर राजधानी में अटकलों का बाजार गर्म है।

हाथी अपनी चाल चलता है कुत्ते भोंकते रहते हैं

अमेरिका के साथ भारत के संबंध स्वतंत्रता के बाद से सबसे खराब स्थिति में पहुंच गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप के साथ मोदी की कट्टी हो गई है। अमेरिका से निपटने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन पहुंचे हैं। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अब मोदी की दोस्ती हो गई है ।गोदी मीडिया ने अमेरिका को एक नया संदेश दिया है। भारत अपनी चाल से बढ़ता जा रहा है ।भारत को कोई नहीं रोक पाएगा। किसी ने यह भी कह दिया, हाथी अपनी चाल चलता है। कुत्ते भोंकते रहते हैं, कुत्ते के भौंकने से हाथी को कोई फर्क नहीं पड़ता है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1665: मुगलों और शिवाजी में पुरंधर की संधि हुई थी. 1825: दादा भाई नौरोजी का जन्म. 1887 : गांधीजी कानून की शिक्षा लेने ब्रिटेन गए. 1932: फ्रांस और पोलैंड के बीच आपसी सहायता समझौता हुआ. 1959: लाओस में आपातस्थिति की घोषणा हुई. 1964: ब्रिटिश राष्ट्रकुल की फौजों ने मलाया में इंडोनेशियाई छापामारों के खिलाफ कार्यवाही शुरू की. 1975: मिस्त्र और इजरायल के प्रतिनिधियों ने जेनेवा में अंतरिम शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए. 1987: ईरान ने इराक से युद्ध समाप्त करने के लिए राष्ट्र संघ की योजना लागू करने पर सहमति व्यक्ति की. 1990: अमरीकी राष्ट्रपति ने कांग्रेस से मिस्त्र का सात अरब डॉलर का ऋण माफ करने को कहा. 1997: लेखक धर्मवीर भारती का निधन. 2001: सुप्रीम कोर्ट ने व्यवस्था देते हुए कहा कि सात फेरों के बिना विवाह वैध.

दैनिक पंचांग

सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

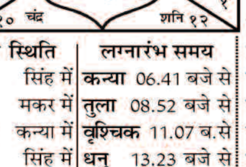

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.41 बजे से
चंद्र	मकर में	तुला	08.52 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	11.07 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.23 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	15.28 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	17.14 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.47 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.18 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.58 बजे से
		मिथुन	23.56 बजे से
		कर्क	02.09 बजे से
		सिंह	04.25 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

2025 वर्ष का 247 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वादशी 04.09 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराषाढ़ा 23.44 बजे को समाप्त। **योग** सौभाग्य 15.22 बजे को समाप्त। **करण** बव 16.21 बजे तदनन्तर बालव 04.09 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 11.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 07° 10'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872457
जूलियन दिन 2460922.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उलावल **तारीख** 11
विशेष कल्की द्वादशी, भुवनेश्वरी जयंती, वामन जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

लातेहार सदर अस्पताल से नहीं मिली एंबुलेंस, कंधे पर शव लेकर पैदल निकले स्वजन

लातेहार, एजेंसी। बुधवार को सदर अस्पताल में समय से एंबुलेंस नहीं मिलने पर आदिवासी परिवार शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद क्षुब्ध हो कंधे पर लेकर पैदल निकल गया। शव लेकर निकल जाने के बाद अस्पताल प्रबंधक द्वारा शव ले जाने के लिए मोक्ष वाहन दिया गया। परंतु आक्रोशित स्वजनों ने शव को कंधे पर लेकर थाना चौक के नगर पंचायत पहुंचे। यहां आक्रोशित लोगों ने नगर पंचायत पदाधिकारी पर गंभीर आरोप लगाए। ग्रामीणों ने कहा कि छुट्टी के दिन भी एक मजदूर से मजदूरी करवाया गया है, जो नियमों के विरुद्ध है। ग्रामीणों ने कहा कि दुर्घटना के 20 घंटा बीतने से बाद भी नगर पंचायत के पदाधिकारी और एनजीओ का कोई कर्मी पहुंचकर सांत्वना तक देने नहीं पहुंचा। लोगों ने दो घंटे तक सड़क को जाम कर दिया। जाम की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सुरेंद्र महतो पहुंचे और परिजनों से बात कर जाम हटाने की बात कही। लेकिन स्वजन अस्पताल प्रबंधक के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर जमे रहे। आदिवासी नेता सुकू उरांव ने कहा आदिवासी के शव को ले जाने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा वाहन उपलब्ध नहीं कराया गया। जब हमलोग अपने हक अधिकार के लिए सड़क जाम कर रहे हैं, तो पुलिस द्वारा दबाव बनाया जा रहा है। पुलिस द्वारा शव को उठाकर एंबुलेंस में जबरस्ती लादा गया और हम लोगों पर अभद्र व्यवहार किया गया। पुलिस की ऐसी करतूत बर्दाश्त योग्य नहीं है।

भुवनेश्वर-धनबाद एक्सप्रेस से टकराया हाथी :चक्रधरपुर के सागरा-सोनाखान के बीच हादसा

चाईबासा, एजेंसी। चक्रधरपुर रेल मंडल में गुरुवार तड़के बड़ा रेल हादसा हुआ। सुबह करीब 5 बजे सागरा-सोनाखान रेलवे स्टेशन के बीच भुवनेश्वर-धनबाद एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन की चपेट में एक हाथी आ गया। हादसा डाउन लाइन के किलोमीटर संख्या 453/24 पर हुआ। हाथी के घायल होने से हावड़ा-मुंबई मेन लाइन पर रेल परिचालन पूरी तरह बाधित हो गया। इस वजह से कई ट्रेनों को विभिन्न स्टेशनों पर रोकना पड़ा।
सूचना मिलते ही राजगांगपुर से वन विभाग और रेलवे की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। क्रेन की मदद से घायल हाथी को ट्रैक से हटाने का प्रयास किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि हाथी को सुरक्षित हटाना सबसे बड़ी प्राथमिकता है, ताकि जल्द से जल्द रेल यातायात बहाल हो सके। जानकारी के मुताबिक, हादसे में घायल यह मादा हाथी पिछले कुछ दिनों से अपने झुंड से अलग होकर इधर-उधर भटक रही थी। स्थानीय लोगों ने कई बार इसे इलाके में अकेले घूमते देखा था। सुबह ट्रैक पार करने के दौरान अचानक भुवनेश्वर-धनबाद एक्सप्रेस सामने आ गई और टक्कर हो गई। हाथी के पिछले पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। हादसे के बाद रेल परिचालन पूरी तरह से प्रभावित हो गया। भुवनेश्वर-धनबाद एक्सप्रेस को सोनाखान से पहले ही रोक दिया गया। ट्रेन नंबर 22358 को राजगांगपुर में सुबह 5 :24 बजे रोकना पड़ा। इसके अलावा कई अन्य ट्रेनों को भी विभिन्न स्टेशनों पर खड़ा कर दिया गया है। वन विभाग की टीम ने घायल हाथी को प्राथमिक उपचार देने के लिए मेडिकल टीम को बुलाया है। साथ ही रेलवे की इंजीनियरिंग टीम लगातार ट्रैक को साफ कराने में जुटी है। अधिकारियों का कहना है कि जैसे ही हाथी को ट्रैक से हटाया जाएगा, वैसे ही रेल यातायात बहाल कर दिया जाएगा।

धनबाद में बंद मकान से मिली लाश, बीसीसीएल का कर्मचारी था मृतक

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के लोदना ओपी क्षेत्र में एक बीसीसीएल कर्मचारी की संदेहास्पद परिस्थिति में मौत का मामला सामने आया है। लोदना श्रमिक कल्याण निवासी विवेक यादव का शव लोदना बाजार की मछली पट्टी स्थित एक बंद मकान से बरामद हुआ। शव से दुर्गंध आने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मकान का ताला तोड़कर शव को कब्जे में लिया। जानकारी के मुताबिक विवेक यादव 29 अगस्त की शाम घर से यह कहकर निकले थे कि वे लोदना बाजार जा रहे हैं। इसके बाद से ही वे लापता हो गए थे। परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन जब वे नहीं मिले तो लोदना ओपी में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। परिवार लगातार उनके बारे में जानकारी पाने की कोशिश कर रहा था। आखिरकार बुधवार की रात लाश बरामद होने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही लोदना ओपी प्रभारी गौरव कुमार, सर्किल इंस्पेक्टर आशुतोष कुमार और घनुवाडीह ओपी प्रभारी पंकज कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। अधिकारियों ने बताया कि मौत के कारणों का पता पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा। फिलहाल पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है।
मृतक के भाई राजनारायण यादव ने इसे सोची-समझी साजिश करार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि विवेक की हत्या की गई है और शव को मकान में छिपाया गया। राजनारायण ने चेतावनी दी कि अगर पुलिस निष्पक्ष जांच कर दोषियों को गिरफ्तार नहीं करती है, तो परिवारजन शांतिपूर्ण आंदोलन करेंगे। इस बयान के बाद मामले में तनाव और बढ़ गया है।घटना के बाद से लोदना और आसपास के इलाके में दहशत और आक्रोश दोनों देखा जा रहा है।

पलामू में नक्सलियों से मुठभेड़ में 2 पुलिस कर्मी शहीद, एक जवान की हालत गंभीर

पलामू, एजेंसी। पलामू में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। इसमें 2 पुलिसकर्मी शहीद हुए हैं। शहीद जवानों की पहचान संतन मेहता और सुनील राम के रूप में हुई है। मुठभेड़ में एक जवान रोहित कुमार घायल हैं। मुठभेड़ बुधवार देर रात मनातू थाना क्षेत्र के केदल जंगल में हुई।

जानकारी के मुताबिक जिस इलाके में मुठभेड़ हुआ है वह टीपीसी के 10 लाख इनामी कमांडर शशिकांत गंझू का क्षेत्र माना जाता है। जहां मुठभेड़ हुई है, वहां के गांव में करमा त्योहार मनाया जा रहा था।

पुलिस को इस बात की सूचना थी कि शशिकांत गंझू इलाके में मौजूद है। ऐसी संभावना भी थी कि नक्सली दस्ता वहां दहशत फैला सकता है। इसी सूचना पर पुलिस बुधवार की शाम 7 बजे के करीब सर्च ऑपरेशन के लिए निकली हुई थी।

सर्च ऑपरेशन के दौरान पुलिस जब इलाके में पहुंची तो पुलिस को देखते ही नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। मुठभेड़ में कुछ नक्सलियों के भी मारे जाने की खबर है। जबकि दो जवान शहीद हुए हैं। दोनों आरक्षी पद पर थे। शहीद जवानों में संतन 2012 में तो सुनील 2011 में पुलिस ज्वाइन किया था। डीआईजी नौशाद आलम के मुताबिक जिला पुलिस, आईआरबी और एसटीएफ की 2 टीम सर्च ऑपरेशन में गई थी। जवानों की संख्या 50 थी। जबकि नक्सलियों की संख्या 12 के करीब होने का अनुमान है।

घायल जवान रोहित कुमार को रात 2 बजे मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। डॉ. सुशील और डॉ. प्रवीण सिद्धार्थ की टीम उनका इलाज कर रही है। पलामू की पुलिस कप्तान रिष्मा रमेशन ने अस्पताल पहुंचकर घायल जवान का हालचाल लिया।

कुछ नक्सलियों के भी घायल होने या मारे जाने की सूचना है। पुलिस ने पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। पलामू के एसपी, डीएसपी और अन्य पुलिस अधिकारियों ने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी है। शहीद जवानों के परिवारों को सांत्वना दी गई है।

मनातू की घटना को लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय की चार सदस्यीय टीम पहुंची है। इस टीम में सीआरपीएफ, आईजी और आईपीएस साकेत सिंह शामिल हैं। इनके साथ आईजी अभियान माइकल राज, आईजी अनूप बिरथरे और एसपी अभियान अमित रेणु भी मेदिनीनगर आ रहे हैं।

सभी वरीय अधिकारी मनातू में हुई घटना की विस्तृत जानकारी लेंगे और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करेंगे। साथ ही पुलिस लाइन ग्राउंड में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि इस घटना से जुड़े हर पहलू की जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

सीएम हेमंत सोरेन ने एक्स अकाउंट पर लिखा कि पलामू के मनातू क्षेत्र अंतर्गत केदल जंगल में विशेष ऑपरेशन अभियान के दौरान पुलिस के दो जवान संतन मेहता और सुनील राम का शहीद होना अत्यंत पीड़ादायक है। मरांग बुरु दिवगंत वीर शहीदों की आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिजनों को दुःख की घड़ी सहन करने की शक्ति दे। अभियान में घायल एक अन्य जवान को चिकित्सा सुविधा प्रदान किया जा रहा है। घायल जवान के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करता हूं। वहीं राज्यपाल संतोष गंगवार ने लिखा पलामू में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में वीर जवान संतन कुमार मेहता व सुनील राम के शहीद होने का समाचार अत्यंत दुखद है। मैं दोनों वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। घायल जवान के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं।

बिहार विधानसभा चुनाव : झामुमो ने 12 सीटों पर ठोकी दावेदारी, महागठबंधन में सीट बंटवारे पर संशय

रांची , एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले महागठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर सरगर्मी बढ़ गई है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने इस बार बिहार में सक्रिय दावेदारी पेश करते हुए 12 सीटों पर चुनाव लड़ने की मांग रखी है। सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने हाल ही में अपने बिहार प्रवास के दौरान राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने झामुमो की तैयारी और 12 सीटों पर दावेदारी का प्रस्ताव रखा।

झामुमो ने जिन विधानसभा सीटों पर दावेदारी की है, उनमें कटोरिया, चकाई, ठाकुरगंज, कोचाधामन, रानीगंज, बनमनखी, धमदाहा, रुपौली, प्राणपुर, छातापुर, सोनवर्षा, झाझा, रामनगर, जमालपुर, तारापुर और मनिहारी शामिल हैं।

झामुमो की बिहार इकाई ने पहले 16 सीटों पर चुनाव लड़ने का प्रस्ताव भेजा था, लेकिन अब संभावना है कि पार्टी कम से कम 12 सीटों पर मैदान में उतरेगी। झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता और केंद्रीय समिति सदस्य मनोज पांडेय

ने कहा कि महागठबंधन में झामुमो की हिस्सेदारी तय हो गई है और पार्टी को उसकी राजनीतिक क्षमता और मान-सम्मान के अनुसार सीटें मिलेंगी। उन्होंने बताया कि 12 सीटों की सूची सौंपी गई है, जिनमें से 8 सीटों पर झामुमो का मजबूत जनाधार है।

हालांकि, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि महागठबंधन में पहले से मौजूद राजद और कांग्रेस जैसे मजबूत घटक दल अपने हिस्से की सीटें कम नहीं करेंगे। ऐसे में झामुमो को एक या दो से अधिक सीटें मिलना मुश्किल माना जा रहा है। पिछले चुनाव में तो झामुमो को गठबंधन में एक भी सीट नहीं दी गई थी। वजह यह बताई गई थी कि झामुमो का बिहार में मजबूत संगठन और वोट बैंक मौजूद नहीं है।

झारखंड के महापुरुषों पर बदमाशों की नजर, वीर नीलांबर-पीतांबर की प्रतिमा को किया खंडित

हजारीबाग, एजेंसी। शहर में असामाजिक तत्व लगातार महापुरुषों की प्रतिमाओं को क्षतिग्रस्त कर माहौल बिगाड़ने की साजिश में जुटे हैं। पुलिस की गश्त और सुरक्षा दावों के बावजूद अपराधी बेखौफ होकर घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।

ताजा मामला नीलांबर-पीतांबर चौक का है, जहां बीती रात अमर शहीद वीर नीलांबर-पीतांबर की प्रतिमा को असामाजिक तत्वों ने खंडित कर दिया। इससे पूर्व मात्र तीन दिन पहले पीडब्ल्यूडी चौक पर स्थापित अमर शहीद सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा को भी नुकसान पहुंचाया गया था। पिछले 40 दिनों में यह चौथी घटना है, जब महापुरुषों की प्रतिमाओं को तोड़ा गया। 25 जुलाई की रात के बी सहाय पार्क में स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व मुख्यमंत्री के बी. सहाय की प्रतिमा को खंडित किया गया था। उसी रात सिद्धू-कान्हू चौक पर भी प्रतिमा तोड़फोड़ का मामला सामने आया था। लगातार हो रही इन घटनाओं से लोगों में आक्रोश है। घटना की सूचना पर सीओ, सदर थाना प्रभारी समेत कई अधिकारी मौके पर पहुंचे और क्षतिग्रस्त प्रतिमाओं की मरम्मत की पहल शुरू की। हालांकि स्थानीय नागरिकों ने नाराजगी जताते हुए पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए।

सरकार ने कई खनिजों पर सेस लगया, लेकिन खजाने की स्थिति कशमकश

रांची, एजेंसी। राज्य सरकार ने कोयला, आयरन ओर समेत कई खनिजों पर सेस लगा रखा है। बावजूद इसके खजाने में जरूरत के मुताबिक पैसे नहीं पहुंच पा रहे हैं। राजकोष की स्थिति कशमकश है। विकास के लिए पैसे की कमी हो जा रही है। वेतन के लिए भी धन संकट हो जा रहा है। अगस्त के अंतिम सप्ताह में राजकोष निगेटिव बैलेंस में चला गया था। हालांकि, खनिजों पर सेस लगाने से राज्य के आय में बढ़ोतरी हुई है। पांच माह में ही सरकार को 2000 करोड़ रुपए से अधिक की अतिरिक्त आमदनी हुई है। लेकिन खर्च की अधिकता के कारण यह स्थिति बन गई है।

सरकार के पास तय ऋण लेने का विकल्प अभी बचा हुआ है। हालांकि, चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक ऋण नहीं लिया गया है। राज्य सरकार ने इस बार प्रथम अनुपूरक

बजट के दौरान ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य, वन विभाग समेत एक दर्जन विभागों के योजना बजट की कई मांगों को खारिज कर दिया है। इन विभागों ने 11,800 करोड़ रुपए की अतिरिक्त बजट की मांग की थी। सरकार ने करीब 3000 करोड़ रुपए ही आवंटित करने का प्रावधान किया। करीब 1200 करोड़ गैर योजना मद में अतिरिक्त प्रावधान हुआ।

मंईयां सम्मान, पेंशन व फ्री बिजली पर विशेष फोकस : मंईयां सम्मान, सर्वजन पेंशन, 200 यूनिट तक फ्री बिजली जैसी योजनाएं सरकार की प्राथमिकता सूची में हैं। फ्री-बीज बाली योजनाओं के लिए करीब 33,250 करोड़ का प्रावधान किया गया है। मंईयां सम्मान योजना पर करीब 16,000 करोड़ खर्च का अनुमान है। इस साल के बजट में सोशल सेक्टर पर विशेष फोकस है। इसके लिए सबसे अधिक 62840 करोड़ का प्रावधान है। जबकि सामान्य प्रक्षेत्र के लिए 37,884 करोड़ और आर्थिक प्रक्षेत्र के लिए 44,675 करोड़ रु. का प्रावधान है।

सड़क, पेयजल समेत कई योजनाएं हो सकती हैं प्रभावित : वित्तीय वर्ष 2025-26 के पहले तिमाही में खनिज, राजस्व व वाणिज्य कर में थोड़ी वृद्धि हुई है, परंतु कई अन्य मदों में राजस्व वसूली की गति श्रीमी रही है। इधर, समाज कल्याण, शिक्षा, नगर विकास, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास पर खर्च लगातार बढ़ रहा है। इस स्थिति में नई सड़क का निर्माण, पेयजल, अबुआ आवास, ग्रामीण सड़कों की मरम्मत और वन पौधरोपण इत्यादि का काम प्रभावित होने की संभावना जुताई जा रही है

राज्य में चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए मूल बजट आकार 1.45 लाया 400 करोड़ रुपए का है। इसमें योजना बजट 91741.53 करोड़ रुपए का है। वहीं, केंद्रीय योजनाओं से जुड़ी कुल राशि 17073.61 करोड़ है।

गिरिडीह में सड़क हादसा : युवक की मौत, पांच महीने पहले हुई थी शादी, घटनास्थल पर ही तोड़ा दम

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। पीपरवाटांड़ स्थित समाहरणालय के पास हुए इस हादसे में बाइक सवार 22 वर्षीय संजय दास की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, संजय दास की शादी महज पांच महीने पहले हुई थी। कर्मा पर्व के अवसर पर उनकी पत्नी मायके आई हुई थी। बुधवार रात संजय अपनी पत्नी से मिलने बाइक से पीपरवाटांड़ स्थित ससुराल जा रहे थे।

इसी दौरान समाहरणालय के पास एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि संजय ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही मुफ्फसिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया। थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो ने बताया कि अज्ञात वाहन की पहचान के लिए जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ-साथ प्रत्यक्षदर्शियों से भी जानकारी जुटा रही है।

इधर, संजय दास की असमय मौत से उनके घर और ससुराल दोनों जगह मातम छा गया है। परिवारजन और ग्रामीणों का रो-रोकर बुरा हाल है। लोग इसे दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताते हुए गहरी संवेदना व्यक्त कर रहे हैं।

इस हादसे के बाद ग्रामीणों ने मृतक के परिवार को सरकारी मुआवजा देने की मांग की है। उनका कहना है कि संजय की उम्र अभी बहुत कम थी और शादी के महज कुछ महीने बाद ही उनकी मौत ने परिवार को गहरे संकट में डाल दिया है। ग्रामीण प्रशासन से पीड़ित परिवार की हरसंभव मदद की गुहार लगा रहे हैं। जहां एक ओर गांव में कर्मा पर्व को लेकर खुशियों का माहौल था, वहीं दूसरी ओर इस सड़क हादसे ने त्योहार की रौनक को मातम में बदल दिया। लोग संजय की असमय मौत को बेहद हृदयविदारक बताते हुए सड़क पर सुरक्षा उपायों को सख्ती से लागू करने की मांग कर रहे हैं।

जिला जज के पद पर आठ अभ्यर्थियों का चयन, हाई कोर्ट ने जारी किया रिजल्ट

रांची, एजेंसी। झारखंड हाई कोर्ट ने जिला जज के पद के लिए सफल अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी है। झारखंड में जिला जज (वरीय न्यायिक सेवा) के पद के लिए आठ उम्मीदवार चयनित हुए हैं।

इसके अलावा सफल अभ्यर्थियों में अशुतोष कुमार मिश्रा, सुशील कुमार सिंह, शिव करण, ज्योति शील और विजय कांत श्रीवास्तव शामिल हैं। इसके लिए वर्ष 2024 में विज्ञापन जारी किया गया था।

इसलिए दोनों मे आरक्षित अभ्यर्थियों को अलग-अलग आरक्षण का लाभ मिल सकता है। संघ ने शिक्षा सचिव तथा प्राथमिक शिक्षक निदेशक को ज्ञापन सौंपकर अपने उस निर्देश पर पुनर्विचार करने को कहा है। इसके तहत सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का हवाला देते हुए सहायक आचार्य नियुक्ति परीक्षा का संशोधित परिणाम जारी करने की बात कही गई है।

संघ ने सहायक आचार्य नियुक्ति नियमावली का उल्लेख करते हुए कहा है कि इसमें प्रविधान किया गया है कि मेधा के आधार पर अनारक्षित पद के लिए तैयार मेधा सूची में समान मापदंड पर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी के आने की स्थिति में उक्त अभ्यर्थी की गणना अनारक्षित वर्ग के अनुमान्य पदो के विरुद्ध की जाएगी। साथ ही जेटेट के विज्ञापन में भी उल्लेख था कि शिक्षक पात्रता परीक्षा में उतीर्णता के आधार पर शिक्षक / अनुदेशक पद नियुक्ति का दावा / अधिकार नही होगा क्योंकि यह मात्र एक अर्हता जांच परीक्षा है।

जमशेदपुर एमजीएम अस्पताल में खराब लिफ्ट से मरीजों की बढ़ी मुसीबत, सीढ़ियां चढ़कर वार्ड पहुंच रहीं गर्भवती महिलाएं

जमशेदपुर, एजेंसी। डिमना चौक स्थित महात्मा गांधी मेमोरियल (एमजीएम) मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सुविधाएं बेहतर करने की कोशिश लगातार हो रही है, लेकिन परेशानियां थमने का नाम नहीं ले रही हैं। अब हालात यह हो गए हैं कि अस्पताल की आधे से अधिक लिफ्टें खराब पड़ी हैं।

इस कारण गर्भवती महिलाओं, हड्डी रोगियों और गंभीर मरीजों को वार्ड तक पहुंचना मुश्किल हो रहा है। अस्पताल के अधिकांश विभाग अलग-अलग मंजिलों पर बने हैं। ऐसे में मरीजों को सीढ़ियों के सहारे किसी तरह वार्ड तक जाना पड़ता है। गर्भवती महिलाएं और हड्डी रोग से जूझ रहे मरीजों के लिए यह बेहद कठिन साबित हो रहा है।

कई बार स्वजन मरीजों को कंधे पर उठाकर सीढ़ियां चढ़ाते दिखाई देते हैं। इससे न केवल मरीजों की तकलीफ बढ़ रही है बल्कि उनके परिजन भी परेशान हैं। मरीजों और स्वजनों का कहना है कि अस्पताल में लिफ्ट की मरम्मत पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

इससे गंभीर स्थिति में मरीजों को समय पर इलाज दिलाना मुश्किल हो रहा है। इस संबंध में एमजीएम अधीक्षक डॉ. आरके मंधान ने बताया कि लिफ्ट खराब होने की जानकारी संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को दे दी गई है। मरम्मत कार्य जल्द करने को कहा गया है। ताकि मरीजों को राहत मिल सके।

पुनाशी जलाशय के लिए 1891 करोड़ 67 लाख रुपए मंजूर

रांची, एजेंसी। झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) अब विशिष्ट और तकनीकी योग्यता वाले पदों के लिए भी दो चरणों में परीक्षा लेगा। कैबिनेट ने मंगलवार को इस प्रस्ताव को मंजूरी दी। पूर्व में सिर्फ सामान्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए यह नियम बनाया गया था। कैबिनेट ने पुनाशी जलाशय परियोजना के लिए 1891 करोड़ 67 लाख रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति दी। मंत्रिपरिषद ने राज्य के 35 बांधों के लिए 238 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी। यह राशि बांध पुनर्वास सुधार परियोजना के फेज वन और फेज टू के लिए दी गई है। इसमें 70 प्रतिशत राशि वर्ल्ड बैंक देगा, जबकि 30 प्रतिशत राज्य सरकार वहन करेगी।

वहीं, वर्षो से अस्पतालों से गायब रह रहे पांच डाक्टरों को बर्खास्त कर दिया गया है। इनमें डॉ. फरहाना, डॉ. ज्योति कुमारी, डॉ. भावना, डॉ. इंद्रनाथ प्रसाद और डॉ. रिंकू सिंह शामिल हैं। इसके अलावा वाणिज्य कर विभाग

के प्रस्ताव पर पांच कर्मियों के सेवा नियमितीकरण और वित्तीय लाभ देने की स्वीकृति दी गई। इन कर्मियों में नवल किशोर सिंह, जेम्स दानियल टोप्पो, ललिता लकड़ा, निजय सिन्हा और गुलाम अंसारी शामिल हैं।

कई संचरण लाइन और सब स्टेशनों को स्वीकृति : बिजली आपूर्ति मातबूत करने के लिए कई संचरण लाइन और सब स्टेशन निर्माण को मंजूरी मिली। आईटीआई मोड़, चास में ग्रिड सब स्टेशन के निर्माण के लिए 74 करोड़ 95 लाख रुपए, बलियापुर-मैथन संचरण लक्ष्न के लिए 174.36 करोड़, बलियापुर-सिंदरी संचरण लाइन के लिए 67.59 करोड़, बिनोद बिहारी चौक धनबाद में गैस इंसुलेटेड सब स्टेशन के लिए 113.34 करोड़, चंदनकियारी-गोविंदपुर लाइन के लिए 77.66 करोड़, गोविंदपुर-टीटीपीएस लाइन के लिए 173.19 करोड़, मैथन में सब स्टेशन के लिए 172.88 करोड़, मैथन टुंडी लाइन के लिए 126. 15 करोड़, सिंदरी हर्ल सब स्टेशन के लिए 74.95 करोड़ स्वीकृति दी गई। पतरातू पावर प्लांट के संचरण लइन के लिए 1871.02 करोड़ की स्वीकृति दी गई।

कैबिनेट ने रांची के मोरहाबादी स्थित शिबू सोरेन का आवास उनकी पानी रूपी सोरेन को आवंटित कर दिया। यह आवास उनके पास आजीवन रहेगा। कैबिनेट ने एक सुर में इस प्रस्ताव का स्वीकार कर लिया।

मुंबई के नवीनगर में प्रस्तावित झारखंड भवन के लिए 169 करोड़ 28 लाख 76 हजार रुपए की स्वीकृति दी गई। धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 50 आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थान और भवन निर्माण की स्वीकृति दी गई। वहीं पीवीजीटी बहुल क्षेत्रों में 109 आंगनबाड़ी की स्थापना और भवन निर्माण होगा।मृत अंतरराष्ट्रीय प्रवासी के पार्थिव शरीर को लाने को सहायता कोष गठित करने को मंजूरी दी गई है। इसमें 50 लाख रुपए रहेंगे।

ब्लोटिंग और गैस के लिए बासी मुंह चबाएं आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों के पत्ते

क्या आपका पेट हमेशा भरा-भरा और फूला हुआ रहता है, क्या आपको थोड़ा सा खाते ही गैस बनने लगती है? अगर हां, तो पेट से जुड़ी इन समस्याओं के लिए अब आपको दवाएं लेने की जरूरत नहीं है। इन समस्याओं के इलाज के लिए आप अपने आसापास मिलने वाले पुदीने की तरह कुछ औषधीय पत्ते चबा सकते हैं।

पेट फूलने की समस्या को मेडिकल भाषा में ब्लोटिंग कहते हैं। इसकी वजह से आपको पेट में गैस महसूस हो सकती है और उसके साथ पेट में ऐंठन, दर्द और सूजन महसूस हो सकती है। दरअसल इस स्थिति में पेट में हवा भर जाती है जिससे पेट हमेशा भरा-भरा महसूस होता है। इसकी वजह से आपको कम भूख लगती है या थोड़ा सा खाते ही पेट भर जाता है। देर तक बैठे रहना, पुराना कब्ज कार्बोनेट ड्रिंक्स पीना एक साथ बहुत ज्यादा भोजन करना आदि इसके कारण हो सकते हैं। बेशक यह समस्या इतनी गंभीर नहीं है लेकिन अगर इसका समय से इलाज नहीं किया गया, तो आपको कई घातक समस्याएं हो सकती हैं। ब्लोटिंग और गैस के लिए वैसे तो कई दवाएं उपलब्ध हैं लेकिन कुछ आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों के पत्ते चबाने से आपको तुरंत राहत मिल सकती है।

सौंफ के पत्ते

सौंफ का उपयोग पारंपरिक रूप से पेट दर्द, सूजन, गैस और कब्ज सहित कई पाचन विकारों के लिए किया जाता है। सौंफ के पत्ते चबाने से अल्सर को रोकने और पेट फूलना कम हो सकता है। इन हरे पत्तों में सूजन और कब्ज के लक्षणों को कम करने की क्षमता होती है।

अजवाइन के पत्ते

जो लोग खाने के बाद लगातार सूजन या भारीपन का अनुभव करते हैं, उनके लिए अजवाइन की पत्तियां बेहतर उपचार हैं। अजवाइन के पत्ते पाचन में सुधार, चयापचय को बढ़ावा देने, अम्लता को दूर करने और गैस से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं।

करी पत्ते

खाली पेट करी पत्ते का सेवन विशेष रूप से बेहतर पाचन स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ है। जब खाली पेट इसका सेवन किया जाता है, तो करी पत्ता पाचन एंजाइमों को उत्तेजित करता है और मल त्याग का समर्थन करता है। यह आपको कब्ज से राहत दिलाने में भी मदद कर सकता है।

पुदीना के पत्ते

पुदीने की हरी पत्तियों के ठंडे और ताज़गी देने वाले गुण सूजन को ठीक करने का सबसे अच्छा उपाय है। पुदीना सूजन और पाचन संबंधी समस्याओं को जल्द से जल्द दूर करता है। इसमें पेट की ऐंठन को कम करने की क्षमता होती है। अगर आपको हमेशा गैस या पेट फूलने की समस्या रहती है, तो आप रोजाना सुबह कुछ पत्ते चबा सकते हैं या फिर पुदीने की चाय पी सकते हैं।

जामुन के पत्ते

जामुन के पत्तों में पाचन वाले गुण होते हैं और यह सभी पाचन समस्याओं के लिए एक बेहतर औषधि है। इसके एंटी-फ्लैटुलेंट गुण एलिमेंटरी कैनाल में गैस को कम करने में मदद करते हैं, जिससे पेट फूलना, कब्ज और सूजन को कम करने में मदद मिलती है। इसमें एंटासिड गुण होते हैं जो पेट में अत्यधिक एसिड के निर्माण को रोकते हैं और इस तरह अपच, अल्सर और गैस्ट्राइटिस का इलाज करते हैं।

संपूर्ण स्वास्थ्य को प्रभावित करता है लिवर

दिल, किडनी और फेफड़ों की तरह लिवर भी शरीर का महत्वपूर्ण अंग है। लेकिन जब बात इसके स्वास्थ्य की आती है, तो अक्सर इसे अनदेखा कर दिया जाता है। आपको बता दें कि लिवर एक ऐसा अंग है, जो शरीर को स्वस्थ रखने के लिए कई तरह के काम करता है। लिवर शरीर का दूसरा सबसे बड़ा अंग है जिसका काम पाचन, चयापचय, विषाक्त पदार्थों को हटाना, पोषक तत्वों का भंडारण करना है। फिटनेस गुरु एंड होलिस्टिक एक्सपर्ट के अनुसार, लिवर संपूर्ण स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इसलिए इसे स्वस्थ, साफ और मजबूत रखना जरूरी है। गर्मियों के मौसम में मिलने वाली ऐसी कई चीजें हैं, जिन्हें खाने में शामिल करके आप अपने लिवर को नैचुरली साफ और मजबूत बना सकते हैं।

लिवर को स्वस्थ रखने का घरेलू उपाय- ग्रीन टी

ग्रीन टी से शरीर को अनगिनत फायदे होते हैं। यह एंटीऑक्सिडेंट और विटामिन सी का एक बेहतर स्रोत है। वर्ल्ड जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, यह शरीर में फैट को कम करने में मदद कर सकती है।

लिवर के लिए वरदान है नींबू

नींबू को गर्मियों का तोहफा खा जाता है। इन दिनों शरीर को तरोताजा और स्वस्थ रखने के लिए इससे बेहतर विकल्प कुछ नहीं है। आपको लिवर सही शरीर के सभी अंगों को साफ और स्वस्थ रखने के लिए रोजाना नींबू पानी पीना चाहिए। नींबू विटामिन सी से भरपूर करता है और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। यह डिहाइड्रेशन को रोकता है और गर्मी के दिनों शरीर को ठंडा रखता है।

लिवर को मजबूत बनाते हैं अंगूर

मीठे और रसीले अंगूर खाना भला कौन पसंद नहीं करता है? अंगूर विटामिन सी और एंटीऑक्सिडेंट का पावरहाउस हैं। अंगूर लिवर को डिटॉक्स यानी उसकी गंदगी को साफ करने और सूजन से लड़ने में मदद करते हैं।

लिवर की साफ रखने के लिए खाएं दही

गर्मियों में ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए, जो पेट के लिए हल्के होते हैं और दही निश्चित रूप से इस सूची में सबसे ऊपर है। यह हल्का, ठंडा होता है और आपको भीतर से पोषित रखने में मदद करता है। दही प्रोबायोटिक्स का बेहतर स्रोत है। कई अध्ययनों के अनुसार, यह लीवर में फैट को कंट्रोल करता है।

लिवर को स्वस्थ रखेगा लहसुन

लहसुन में एलिसिन और सेलेनियम जैसे यौगिक उच्च मात्रा में होते हैं जो लीवर को किसी भी जहरीले नुकसान से बचाते हैं। रोजाना रात को सोने से पहले लहसुन की दो कलियां लें।

लिवर को स्वस्थ रखने का उपाय- सहजन

हरी सब्जियों में कई तरह के क्लींजिंग कंपाउंड होते हैं, जो लिवर को नैचुरली रूप से साफ करने में मदद करते हैं। ऐसी ही एक लोकप्रिय हरी सब्जी है सहजन। कई जैव रासायनिक परिणामों से पता चला है कि सहजन में लिवर फाइब्रोसिस के लक्षणों को कम करने की क्षमता होती है।

लिवर को मजबूत बनाने का नुस्खा-आंवला

आंवला का आयुर्वेद में व्यापक रूप से उपयोग किया गया है जो लिवर के कार्य को समर्थन देता है और शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। यह लिवर के कामकाज को बेहतर बनाने में भी मदद करता है। एक गिलास गर्म पानी में एक चम्मच सूखे आंवले के पाउडर को मिलाकर सुबह खाली पेट पीने से बेहतर परिणाम मिलते हैं।

लिवर को साफ करता है हल्दी

हल्दी एक अद्भुत मसाला है जो लिवर को डिटॉक्सीफाई करने में मदद करता है। यह एंजाइम को बढ़ावा देने में मदद करता है जो शरीर से आहार विषाक्त पदार्थों को बाहर निकाल सकता है। सुबह सबसे पहले एक गिलास गर्म पानी के साथ आधा चम्मच हल्दी और एक चुटकी काली मिर्च का सेवन करें।

दांतों का पीलापन छुड़ाकर सफेद करेंगी ये 5 चीजें

मजबूत और सफेद दांत भला कौन नहीं चाहता है। जैसे-जैसे आप बड़े होते हैं, दांत पीले हो जाते हैं। दरअसल चबाने और खाने-पीने के एसिड के संपर्क में आने से दांतों की तामचीनी दूर हो जाती है। तामचीनी उम्र के साथ पतली हो जाती है, जिससे दांत पीले होने लगते हैं। दांतों को सफेद करने के कई इलाज मौजूद हैं लेकिन घरेलू चीजों के जरिए भी पीले दांतों को सफेद मोती जैसे चमकाए जा सकते हैं। खाने-पीने की गलत आदतों और ओरल हाइजीन का ध्यान नहीं रखने की वजह से बहुत से लोगों को दांतों की विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसी ही एक गंभीर समस्या दांतों का पीलापन है। जाहिर है दांतों का पीला होना किसी के लिए भी शर्मिंदगी का कारण बन सकता है। वैसे तो दांतों में चिपका मैल या पीलापन रोजाना ब्रश करने से साफ हो जाता है लेकिन कई बार यह मजबूती से चिपक जाता है, जिसे छुड़ाना आसान नहीं होता है। मजबूत और सफेद दांत भला कौन नहीं चाहता है। जैसे-जैसे आप बड़े होते हैं, दांत पीले हो जाते हैं।

पीले दांतों को सफेद कैसे करें? बेशक दांतों को सफेद करने के कई इलाज मौजूद हैं लेकिन घरेलू चीजों के जरिए भी पीले दांतों को सफेद मोती जैसे चमकाए जा सकते हैं। हम आपको दांतों का पीलापन हटाने के लिए घरेलू उपाय बता रहे हैं, जिनसे आपको डेंटिस्ट के पास जाए बिना दांतों को मजबूत और उनका पीलापन हटाने में मदद मिल सकती है।

कोको पाउडर

इसके लिए आपको कोको पाउडर और पानी या नारियल का तेल चाहिए। सबसे पहले कोको पाउडर को नारियल के तेल या पानी के साथ मिलाएं। इसका एक पेस्ट बना लें। इस मिश्रण से अपने दांतों को हमेशा की तरह ब्रश करें।

नीम के पत्ते

इसके लिए आपको नीम के पत्ते और पानी चाहिए। सबसे पहले नीम के पत्तों को पानी के बर्तन में उबालने के लिए रख दें। इसे छान लें ताकि तरल साफ हो जाए। इसे ठंडा होने दें और इस घोल से गरारे करें।

एप्सम साल्ट

नमक और पानी को बराबर भागों में मिला लें। तब तक हिलाएं जब तक कि नमक पूरी तरह से घुल न जाए। इस मिश्रण को टूथब्रश से अपने दांतों पर लगाएं। आप इससे गरारे भी कर सकते हैं और फिर साफ पानी से अपना मुंह धो लें।

अदरक और नमक

अदरक के एक छोटे टुकड़े को पीस लें। या इसे कद्दूकस भी किया जा सकता है। 1/4 छोटा चम्मच नमक लेकर अदरक में डाल दें। नींबू का एक टुकड़ा काटें, मिश्रण में रस निचोड़ें और फिर से अच्छी तरह मिक्स कर लें। इसे टूथब्रश से दांतों पर लगाएं।

पुदीने के पत्ते और नारियल का तेल

पुदीने के पत्तों को पीसकर नारियल के तेल में मिला लें। अच्छी तरह मिलाएं और इस मिश्रण को टूथब्रश से अपने दांतों पर लगाएं। पुदीने का अधिक प्रयोग न करें, 3-5 पत्ते पर्याप्त हैं।

बेशक हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए कैल्शियम जरूरी है लेकिन इसे जल्दी पचाने के लिए विटामिन डी भी जरूरी है, सुबह की धूप के अलावा कई खाने की चीजों में यह पोषक तत्व पाया जाता है।

कैल्शियम पचाने के लिए जरूरी है विटामिन डी

हड्डियों का कमजोर होना आपके पूरे शरीर के लिए खतरे की घंटी है। आपका पूरा शरीर हड्डियों के ढांचे पर टिका हुआ है। हड्डियों में किसी भी तरह कमजोरी आपको मोहताज बना सकती है। यही वजह है कि हड्डियों की देखभाल के लिए हर संभव उपाय करने चाहिए। हड्डियों की सेहत खराब होने से आपको रिकेट्स और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी खतरनाक बीमारियों का खतरा हो सकता है और गुजरते समय के साथ हड्डी टूटने का खतरा बढ़ सकता है। आपकी हड्डियों को स्वस्थ और मजबूत रखने के लिए पर्याप्त कैल्शियम और आपके शरीर को कैल्शियम को अवशोषित करने में मदद करने के लिए विटामिन-डी की जरूरत होती है। इसका मतलब यह है कि आपको कैल्शियम के अलावा विटामिन-डी से भरपूर खाद्य पदार्थों का भी खूब सेवन करना चाहिए।

रोजाना कितने कैल्शियम की जरूरत होती है?

विटामिन-डी से पहले आपको यह जानना जरूरी है कि हड्डियों को स्वस्थ रखने के लिए आपको रोजाना कितने कैल्शियम की जरूरत है। एक रिपोर्ट के अनुसार, वयस्कों को एक दिन में 700mg कैल्शियम की आवश्यकता होती है।

रोजाना कितने विटामिन-डी की जरूरत

वयस्कों को एक दिन में विटामिन-डी की 10 माइक्रोग्राम (400 इंटरनेशनल यूनिट या आईयू) की आवश्यकता होती है। विटामिन डी को खाद्य पदार्थों से प्राप्त करना मुश्किल है इसलिए आप इसे सुबह की धूप से भी प्राप्त कर सकते हैं।

अंडे की जर्दी

अंडे प्रोटीन और कैल्शियम के अलावा विटामिन डी का भी बढ़िया स्रोत है। एक बड़े अंडे की जर्दी 36.7 IU विटामिन डी प्रदान करती है। आप अपने दिन की शुरुआत दो अंडों के साथ कर सकते हैं।

संतरे का रस

इसके लिए आप फोर्टिफाइड ओरेंज जूस ले सकते हैं जिससे आपको 33.4 IU विटामिन डी मिल सकता है। हालांकि सभी फोर्टिफाइड फूड्स में विटामिन डी की मात्रा उतनी अधिक नहीं होती है, जितनी फिश में होती है।

गाय का दूध

8-औंस स्किम्ड गाय के दूध के गिलास से आपको 107.5 IU विटामिन डी मिल सकता है जबकि सोया दूध की इतनी ही मात्रा से आपको 97.6 IU विटामिन डी मिल सकता है।

विटामिन डी के लिए खाएं मशरूम

मशरूम उन लोगों के लिए विटामिन डी का सबसे बढ़िया स्रोत है, जो पशु उत्पाद नहीं खाते हैं। बेशक इसमें बहुत ज्यादा नहीं है लेकिन 100 ग्राम मशरूम (लगभग एक कप) से आपको 8 IU विटामिन डी मिल सकता है।

भारत में जरूरी वस्तुओं के खुदरा दाम अमेरिका से कम

थोक भाव में वैश्विक स्तर पर 50 फीसदी तक ज्यादा

नई दिल्ली, एजेंसी। किसानों के हितों और आजीविका को बचाने के लिए भारत ने कृषि उत्पाद क्षेत्र में अमेरिका को आयात की मंजूरी नहीं देकर एक बड़ा फैसला किया है। कारण यह है कि घरेलू बाजार में जरूरी वस्तुओं की कीमतें थोक भाव में बहुत ज्यादा हैं। हालांकि, खुदरा दाम बहुत कम हैं। ऐसे में अगर भारत शुल्क मुक्त या कम शुल्क पर आयात को मंजूरी देता है तो यह आजीविका के साथ पूरे बाजार को प्रभावित कर सकता है। बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका भारत में डेयरी, मत्स्य पालन और कृषि बाजारों तक बेहतर पहुंच की कोशिश कर रहा है।

अमेरिका मक्का, कपास, बादाम, सोयाबीन जैसे विशेष कृषि उत्पादों पर टैरिफ में काफी कमी चाहता है। साथ ही, आनुवंशिक रूप से संशोधित उत्पादों पर किसी भी तरह के नियमन को हटाने की भी मांग है। हालांकि, भारत सरकार ने किसी भी समझौते से दूरी बना ली है। भारत का कृषि क्षेत्र सकल घरेलू उत्पाद में 16 फीसदी का योगदान देता है। 40 फीसदी से अधिक आबादी को आजीविका देता है। 5 वर्षों में इस क्षेत्र की वास्तविक वृद्धि दर औसतन 4.5 फीसदी रही है। अमेरिका में कृषि क्षेत्र सकल घरेलू उत्पाद में सिर्फ 0.9 फीसदी योगदान देता है।

फल पहले से ही सस्ते हैं

भारत में खुदरा मूल्य अमेरिकी समकक्षों की तुलना में सस्ते हैं। सेब, संतरे, आलूबुखारा और अंगूर जैसे आयातित फल पहले से ही सड़क किनारे ठेलों पर बहुत प्रतिस्पर्धी दरों पर उपलब्ध हैं। इसलिए शुल्क में छूट के साथ बड़े पैमाने पर आयात के खतरे से इनकार नहीं किया जा सकता है। भारत ने कृषि निर्यात पर 36.7 फीसदी का साधारण औसत शुल्क लगाया है। यह अमेरिका द्वारा लगाए गए 5 फीसदी शुल्क से अधिक है। हालांकि, यह दक्षिण कोरिया (57 फीसदी), स्विट्जरलैंड (28.5 फीसदी) और थाईलैंड (28.3 फीसदी) जैसे अन्य देशों की तुलना में काफी कम है। ये दरें उन देशों के साथ (सर्वाधिक पसंदीदा राष्ट्र) लागू होती हैं जिनके साथ मुक्त व्यापार समझौता नहीं है।

थोक भाव में झींगा भारत में 36 फीसदी सस्ता

वैसे थोक भाव में वैश्विक स्तर की तुलना में भारत में सारे सामान महंगे हैं। पर झींगा 36 फीसदी सस्ता है। वैश्विक बाजारों में इसकी कीमत 56,846 रुपये क्विंटल है। भारत में यह 36,500 रुपये क्विंटल है। मक्का वैश्विक बाजारों में 1,651 रुपये प्रति क्विंटल तो घरेलू बाजार में 2,560 रुपये है। सूरजमुखी तेल 12,788 रुपये की तुलना में हमारे यहां 15,305 रुपये प्रति क्विंटल है। दूध 4,009 रुपये की तुलना में घरेलू बाजार में 5,568 रुपये प्रति 100 लीटर है।

खुदरा में 55 रुपये किलो चावल

भारत में चावल 55 रुपये किलो है। अमेरिका में यह 61 रुपये है। घरेलू बाजार में बटर एक किलो 630 रुपये और अमेरिका में 702 रुपये में है। चिकन भारत में 460 रुपये किलो और अमेरिका में 459 रुपये है। एक अंडा भारत यहां 8 और अमेरिका में 9 रुपये में है। सेब अमेरिका में 200 रुपये और भारत में 260 रुपये किलो है।

असंगठित क्षेत्र में श्रमिकों की संख्या में 28 लाख की गिरावट, विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार घटा

नई दिल्ली, एजेंसी। असंगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों की संख्या अप्रैल-जून में 28 लाख घटकर 12.85 करोड़ रह गई। मार्च तिमाही में 13.13 करोड़ थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने असंगठित क्षेत्र के उद्यमों (क्यूबीयूएसई) का पहला तिमाही बुलेटिन जारी किया है। इसमें जनवरी-मार्च, 2025 और अप्रैल-जून 2025 के लिए अनुमान दिए गए हैं। आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून में रोजगार अनुमानों में उतार-चढ़ाव नियुक्त करने वाले प्रतिष्ठानों की संख्या में कमी और असंगठित विनिर्माण क्षेत्र के मध्यम प्रदर्शन से जुड़ा है। पिछली तिमाही की तुलना में विनिर्माण क्षेत्र के रोजगार का हिस्सा दो फीसदी से अधिक घट गया। जनवरी-मार्च में इस क्षेत्र में रोजगार पहली बार 13 करोड़ को पार कर गया। दोनों तिमाहियों में असंगठित क्षेत्र के रोजगार अनुमान 2023-24 के 12 करोड़ से थोड़े ज्यादा कर्मचारियों के वार्षिक अनुमान की तुलना में वृद्धि दर्शाते हैं। असंगठित क्षेत्र में प्रतिष्ठानों की संख्या जनवरी-मार्च में 7.85 करोड़ और अप्रैल-जून में 7.94 करोड़ होने का अनुमान है। इस अवधि के दौरान ग्रामीण कार्यबल 5.97 करोड़ से बढ़कर 6.25 करोड़ हो गया। यह ग्रामीण आर्थिक गतिविधि में असंगठित उद्यमों की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। हालांकि, अन्य श्रमिकों (अवैतनिक पारिवारिक श्रमिकों सहित) का हिस्सा जनवरी-मार्च में 14.85 से बढ़कर अप्रैल-जून में 15.44 फीसदी हो गया। जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान 5,885 प्रथम चरण इकाइयों का सर्वेक्षण हुआ। अप्रैल-जून में 5,893 प्रथम चरण इकाइयों का सर्वेक्षण किया गया है।

सेवा क्षेत्र में वृद्धि की रफ्तार 15 साल के उच्चतम स्तर पर, नए ऑर्डर- उत्पादन में तेजी का असर

नई दिल्ली, एजेंसी। विनिर्माण क्षेत्र के शानदार प्रदर्शन के बाद अब देश के सेवा क्षेत्र की गतिविधियां अगस्त, 2025 में बढ़कर 15 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। मांग में उल्लेखनीय सुधार के बीच नए ऑर्डर और उत्पादन में तेज वृद्धि के दम पर सेवा क्षेत्र में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बुधवार को जारी मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक पिछले महीने 62.9 पहुंच गया। यह जून, 2010 के बाद से विस्तार की सबसे तेज रफ्तार है। जुलाई में यह आंकड़ा 60.5 रहा था। एचएसबीसी की मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) प्रांजुल भंडारी ने कहा, अंतराष्ट्रीय बिक्री में व्यापक विस्तार ने समग्र मांग को बढ़ावा दिया। इससे सेवा क्षेत्र की भारतीय कंपनियों ने अतिरिक्त कर्मचारियों की नियुक्ति की। उच्च श्रम लागत और मजबूत मांग की वजह से इनपुट एवं आउटपुट दोनों की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि से महंगाई दर नौ महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई। इस बीच, मांग में उछाल ने जुलाई, 2012 के बाद से उत्पादन शुल्क में सबसे तेज वृद्धि को संभव बनाया। आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त में समग्र पीएमआई 17 साल के उच्च स्तर 63.2 पर पहुंच गया। विनिर्माण और सेवा दोनों क्षेत्रों में मजबूत एवं व्यापक उत्पादन वृद्धि का संकेत देता है। सेवा पीएमआई को 400 कंपनियों के समूह को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है। 2014 में शृंखला शुरू होने के बाद से तीसरी सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई।

400 से अधिक चीजों पर टैक्स कम होने से

आम आदमी को रोजमर्रा के खर्चे में मिलेगी राहत, कैट का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने जीएसटी सुधारों और कर दरों के पुनर्गठन को ऐतिहासिक और क्रांतिकारी करार दिया है। कैट के अनुसार, इन सुधारों से छोटे व्यापारियों, उपभोक्ताओं और भारत की अर्थव्यवस्था को न केवल लाभ मिलेगा, बल्कि यह कदम कर संरचना को सरल बनाएगा तथा उपभोग में भारी वृद्धि कर देश की आर्थिक गतिविधियों तथा व्यापार को नई गति देगा। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री तथा चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा, 400 से अधिक वस्तुओं पर कर कम करने के सुधारों से आम आदमी को रोजमर्रा के खर्चों में बड़ी राहत मिलेगी। इससे कर व्यवस्था भी चुस्त दुरुस्त होगी। यह वास्तव में प्रधानमंत्री मोदी की तरफ से देश को बड़ा दिवाली उपहार है। भारतीय स्टेट बैंक की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, इन जीएसटी सुधारों से घरेलू खपत में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। रिपोर्ट का अनुमान है कि आगामी त्योहारी सीजन में खपत में 7-8 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। यह उपभोक्ता खर्च में वृद्धि खुदरा व्यापार और छोटे दुकानदारों की बिक्री को सीधे लाभान्वित करेगी। सरकार ने बीमा सेवाओं को जीएसटी से मुक्त कर मध्यम वर्ग और वरिष्ठ नागरिकों को बड़ी राहत दी है।

खरीदारी के लिए प्रोत्साहित करेंगी

इन सुधारों से देश को बहुआयामी लाभ होंगे। कम जीएसटी दरें उपभोक्ताओं को अधिक खरीदारी के लिए प्रोत्साहित करेंगी, जिससे बाज़ार की मांग बढ़ेगी वहीं बढ़ती मांग का सीधा लाभ छोटे दुकानदारों, खुदरा व्यापारियों और थोक विक्रेताओं को मिलेगा। उपभोग बढ़ने से उद्योगों को उत्पादन बढ़ाना होगा, जिससे रोजगार और औद्योगिक गतिविधियों में वृद्धि होगी।कर दरों के सरलीकरण से जीएसटी अनुपालन आसान और सस्ता होगा। दो प्रमुख दरों के होने से कर संग्रहण बेहतर होगा और व्यापार जगत में स्थिरता आएगी।

उन्होंने कहा की विशेषज्ञों का मानना है कि इन सुधारों का भारत की जीडीपी पर सीधा असर होगा। उपभोग और औद्योगिक उत्पादन में तेजी से आगामी वित्तीय वर्ष में जीडीपी में अतिरिक्त 0.5 प्रतिशत से 0.7 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है। इससे सरकारी राजस्व भी बढ़ेगा और भारत की वैश्विक आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी।

आईटीसी के करुणेश बजाज चुने गए एबीसी के अध्यक्ष, मोहित जैन उपाध्यक्ष नियुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी। आईटीसी लि. के करुणेश बजाज को सर्वसम्मति से 2025-26 के लिए ऑडिट ब्यूरो ऑफ सर्कुलेशन (एबीसी) का अध्यक्ष चुना गया है। करुणेश आईटीसी में कार्यकारी उपाध्यक्ष मार्केटिंग एवं एक्सपोर्ट विपणन एवं निर्यात के पद पर हैं। विपणन रणनीति, ब्रांड निर्माण और नेतृत्व में तीन दशकों का अनुभव है। एबीसी की मंगलवार को हुई बैठक में बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लि. के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (पब्लिशिंग) और कार्यकारी निदेशक मोहित जैन को उपाध्यक्ष चुना गया है। मोटर कंपनी के अनिरुद्ध हल्दर और मारुति सुजुकी इंडिया के पार्थो बनर्जी विज्ञापनदाताओं के प्रतिनिधि होंगे। प्रकाशकों के प्रतिनिधि के रूप में उपाध्यक्ष मोहित जैन के अलावा एबीपी प्राइवेट लि. के ध्रुबा मुखर्जी सचिव होंगे। मलयाला मनोरमा कंपनी लि. के रियाद मैथ्यू, डीबी कॉर्प लि. के गिरीश अग्रवाल, जागरण प्रकाशन लि. के शैलेश गुप्ता, लोकमत मीडिया प्राइवेट लि. के करण दर्डा, सकाल पेपर्स प्राइवेट लि. के प्रताप पवार और दिनामलार के आदिमूलम अन्य प्रकाशन प्रतिनिध होंगे।

ग्रामीणों के लिए बड़ी खुशखबरी

दिसंबर 2025 तक 'बीमा विस्तार' से जीवन

स्वास्थ्य और संपत्ति का एक साथ संरक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के ग्रामीणइलाकों में रहने वाले लोगों के लिए जीवन, स्वास्थ्य और संपत्ति का एक समग्र बीमा उत्पाद 'बीमा विस्तार' दिसंबर, 2025 तक पेश किया जा सकता है। इसका मतलब है कि ग्रामीणों को अब अलग-अलग जीवन, स्वास्थ्य और संपत्ति बीमा नहीं खरीदना पड़ेगा।उन्हें बीमा विस्तार के जरिये एक ही उत्पाद में जीवन, स्वास्थ्य और संपत्ति तीनों कवर मिल जाएगा।? लाइफ इंश्योरेंस काउंसिल की बीमा जागरूकता समिति (आईएसी-लाइव) के चेयरमैन कमलेश राव ने बुधवार को बताया, बीमा विस्तार खासतौर पर ग्रामीण भारत के लिए तैयार किया गया है। इसे सभी बीमा कंपनियां एक समान प्रीमियम पर बेचेंगी। इस योजना के तहत हर व्यक्ति को पांच लाख रुपये का बीमा कवर मिलेगा। परिषद में जीवन बीमा निगम (एलआईसी) सहित सभी 26 जीवन बीमा कंपनियां सदस्य हैं। राव ने कहा, ग्रामीण भारत में बीमा की पहुंच कम है। बीमा विस्तार योजना शुरू करने का मकसद देश के ग्रामीण क्षेत्रों में बीमा की पहुंच बढ़ाना है। चेयरमैन ने कहा, जीवन बीमा के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'सबसे पहले जीवन बीमा' टैगलाइन के साथ व्यापक अभियान शुरू किया है। तीन वर्षों तक चलने वाले इस अभियान के लिए 150 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित की गई है। सभी बीमा कंपनियों की प्रबंधन के तहत अधीन संपत्तियां (एयूएम) वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 67 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई हैं। कुल प्रीमियम संग्रह पिछले पांच वर्षों में 10 फीसदी की सालाना चक्रवृद्धि दर से बढ़ा है। चेयरमैन ने कहा, आईएसी-लाइफ ने एक शोध कराया था, जिसमें पता चला कि पश्चिम बंगाल उन राज्यों में से एक है, जहां जीवन बीमा की पहुंच बढ़ाने की उच्च संभावना है।

एक साल में 50 प्रतिशत चढ़ गए सोना-चांदी

सेंसेक्स-निफ्टी में 3 प्रतिशत गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू बाजार में सोने और चांदी ने पिछले एक साल में निफ्टी और सेंसेक्स से कहीं ज्यादा रिटर्न दिया है। इस दौरान दोनों बेंचमार्क इंडेक्स ने करीब 3 प्रतिशत का नेगेटिव रिटर्न दिया है। दोनों कीमती धातुओं ने एक साल में 45 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न देकर अपनी बढ़त को लगभग 50 प्रतिशत तक पहुंचा दिया है। फेड द्वारा ब्याज दरें आसान करने की उम्मीदों, बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों और अमेरिकी अर्थव्यवस्था को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच बुधवार को स्थानीय बाजारों में सोने की कीमतों में 1,000 रुपये की तेजी आई। इससे यह 1,07,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए रेकॉर्ड हाई लेवल पर पहुंच गया। चांदी की कीमतें 1,26,100 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर स्थिर रहीं यह इसका अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है इंटरनेशनल मार्केट में स्पॉट गोल्ड चढ़कर 3,547.09 डॉलर प्रति औंस के अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया।

शेयर मार्केट का हाल: इसके विपरीत, अमेरिका-भारत के टैरिफ से संबंधित मुद्दे, विदेशी फंडों द्वारा लगातार बिकवाली और रुपये की कमजोरी ने मिलकर घरेलू शेयर की कीमतों को नीचे खींचा है। इसका परिणाम यह है कि पिछले एक साल में सेंसेक्स और निफ्टी मुश्किल से परफॉर्म कर पाए हैं। मेहता इक्विटीज के राहुल कलंत्री के अनुसार, सोने-चांदी में यह मौजूदा रैली के कुछ और महीनों तक जारी रहने की संभावना का संकेत देती हैं।

अर्थशास्त्री चिकरमाने ने ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ को बताया पाखंड, चीन-ईयू को मिली रियायत पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। वरिष्ठ अर्थशास्त्री और ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के उपाध्यक्ष गौतम चिकरमाने ने ट्रंप के टैरिफ की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इस पाखंड और दबंगई करार दिया। चिकरमाने ने कहा कि ट्रंप का यह कदम पूरी तरह अतार्किक है। उन्होंने कहा कि अमेरिका का व्यापार घाटा चीन के साथ कहीं अधिक है, इसके बावजूद चीन पर भारत की तुलना में कम टैरिफ लगाया गया है। अर्थशास्त्री ने कहा कि ट्रंप ने गलत ढंग से 25 प्रतिशत कर लगाया। इसके अलावा, उन्होंने रूसी तेल आयात को लेकर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त जुर्माना लगाया। इससे हमारा कुल टैरिफ 50 प्रतिशत हो गया है। हम सभी ऐसी चीज में तर्क खोजने की कोशिश कर रहे हैं जो पूरी तरह से अतार्किक है। उन्होंने आगे कहा कि ट्रंप ने टैरिफ उच्च व्यापार घाटे के कारण लगाए थे। अमेरिका के साथ चीन का व्यापार घाटा 295 अरब डॉलर है।

संदीप जांगला ने 3 साल में बना डाला 100 करोड़ का ब्रांड

ई दिल्ली, एजेंसी। दीप जांगला जब क्रिकेट के मैदान में उतरते थे तो जर सिर्फ गेंद पर होती थी। उन्होंने अंडर-19 साउथ ोन में क्रिकेट खेला। मैदान में वह फोकस्ड रहते थे। किन उन्हें क्रिकेट का मैदान के साथ दोस्ती बहुत याद नहीं रही। क्रिकेट छोड़ संदीप ने कारोबार की ह पकड़ ली। उन्होंने मात्र 3 साल में 100 करोड़ पये का ब्रांड बना डाला। उनके ब्रांड का नाम यमी ो (ह्लह्वद्बद्ग4 ह्लद्ग)है। यह एक हेल्दी फूड ब्रांड है। संदीप हमेशा से स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहे हैं। ह इस कंपनी के फाउंडर, एमडी और सीईओ हैं। नकी उम्र 38 साल है। वे लोगों का हेल्दी फूड के ति नजरिया बदलना चाहते हैं। संदीप कहते हैं, तिशतहम रिसर्च करके ऐसे प्रोडक्ट बनाते हैं जिनमें ीनी, मैदा/ग्लूटेन और प्रिजर्वेटिव नहीं होते हैं। यह बिजनेस छोटे स्तर पर शुरू हुआ था, लेकिन ह जल्दी बढ़ गया। यमी बी के हैदराबाद में 10 टोर हैं। इनमें छह मिड-फॉर्मेट कैफे और चार लाउड किचन हैं। यहां नाश्ता, लंच और डिनर लता है। यहां डेसर्ट पर खास ध्यान दिया जाता है। ब वे और भी जगह अपने स्टोर खोलने की योजना ना रहे हैं। इनके प्रोडक्ट दुकानों और ऑनलाइन लेटफॉर्म पर भी मिलते हैं।

क्रिकेट से क्यों हुए दूर?

क्रिकेट संदीप का पहला प्यार था। वे बताते हैं, मैं 10 साल की उम्र से क्रिकेट खेल रहा हूं। मेरा सपना था कि मैं भारत के लिए खेलूं। मैं साउथ जोन अंडर-19 टीम का हिस्सा था और मुझे अश्विन, जडेजा, रायडू और दिनेश कार्तिक जैसे खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका मिला। इंजीनियरिंग के फाइनल ईयर में चोट लगने के कारण उनका क्रिकेट का सपना टूट गया। इसके बाद, उन्होंने समाज में योगदान करने के दूसरे तरीके खोजे। इसके बाद ही उन्होंने कारोबार की राह पकड़ी।

कैसे काम करता है ब्रांड?

संदीप बताते हैं, हम कैफे चेन की तरह काम करते हैं। साथ ही, हम कंज्यूमर पैक्ड गुड्स भी बनाते हैं। हम हल्दीराम जैसे हैं, लेकिन हमारा माहौल स्टारबक्स जैसा है। संदीप की पत्नी सोनिया लांबा इस कंपनी की को-फाउंडर है। वह 36 साल की हैं।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य बोले

भारत को आसियान के स्तर तक लाने चाहिए टैरिफ

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के सदस्य राकेश मोहन ने गुरुवार को कहा कि भारत के पास आयात शुल्क (टैरिफ) कम करने की गुंजाइश है और प्रयास किए जाने चाहिए कि इन शुल्कों को आसियान देशों के स्तर तक लाया जाए। उन्होंने कहा कि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) का प्रभाव कम होने के साथ वैश्विक व्यापार व्यवस्था अब यूरोपीय संघ (ईयू), उत्तर अमेरिका यूएसएमसीए, एशिया में आरसीईपी और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सीपीटीपीपी जैसे बड़े क्षेत्रीय समूहों से नियंत्रित हो रही है।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमारे पास बहुत सारे शुल्कों (टैरिफ) को कम करने की गुंजाइश है और कम से कम आसियान देशों के स्तर तक लाने की कोशिश करनी चाहिए। यह हमारे लिए बहुत फायदेमंद होगा। पीटीआई के साथ एक विशेष इंटरव्यू में मोहन ने कहा, अब इसका एक मतलब यह भी होगा कि मुद्रा विनिमय दर (करेंसी एक्सचेंज रेट) को इस शुल्क कटौती की भरपाई करने के लिए

समायोजित करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अगर भारत वैश्विक व्यापार से कटना नहीं चाहता तो उसे इन उभरते बड़े व्यापार समूहों का हिस्सा बनना चाहिए। अपनी भौगोलिक स्थिति को देखते हुए भारत को आरसीईपी में शामिल होने पर फिर से विचार करना चाहिए, लेकिन अपने हितों का बचाव करने वाले उचित सुरक्षा उपायों के साथ। इसके अलावा, भारत को सीपीटीपीपी में शामिल होने के लिए भी आवेदन करना चाहिए।

मोहन ने कहा, जैसे-जैसे हम अपने आयात शुल्कों को कम करेंगे ताकि प्रतिस्पर्धी बन सकें और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बन सकें, इसका मतलब यह भी होगा कि वास्तविक विनिमय दर को इस तरह समायोजित करना होगा कि निर्यातकों और विनिर्माण के पक्ष में हो। आसियान देशों में सिंगापुर, मलयेशिया, थाईलैंड, ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, म्यांमार, फिलीपींस और वियतनाम शामिल हैं। भारत ने आरसीईपी में शामिल होने के लिए 2013 में बातचीत शुरू की थी, लेकिन 2019 में इस समझौते से बाहर निकल गया था। इस समूह में दस आसियान सदस्य देश और उनके छह मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) साझेदार चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड शामिल हैं। जब उनसे पूछ गया कि क्या भारत को चीन से निवेश पर लगाए गए प्रतिबंध हटाने चाहिए, तो मोहन ने कहा कि भारत को प्रमुख क्षेत्रों में चीनी निवेश का स्वागत करना चाहिए, क्योंकि चीन में प्रति व्यक्ति आय बढ़ रही है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि भारतीय उद्यमियों को चीनी निवेशकों के साथ संयुक्त उद्यम शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, ताकि ये उद्योग भारत में आ सकें।

प्रतिशत रुपये के अवमूल्यन से सफल रहे 1990 के दशक के सुधार प्रतिशत

उन्होंने बताया कि 1990 के दशक की शुरुआत में जब भारत में आर्थिक सुधार शुरू हुए, तबसे लेकर 2012 तक लगातार आयात शुल्क में धीरे-धीरे कटौती होती रही। लेकिन 2012 के बाद यह प्रक्रिया रुक गई और 2017 से औसतन कुछ शुल्क बढ़ा दिए गए। उन्होंने यह भी कहा कि 1990 के दशक में भारत ने जो कारोबारी सुधार किए थे, वे इसलिए सफल रहे क्योंकि तब सरकार ने पहले रुपये का अवमूल्यन (डिवैल्यू) कर दिया था।

क्रिकेट को अलविदा

अमित मिश्रा का क्रिकेट के सभी प्रारूप से संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज लेग स्पिनर रहे अमित मिश्रा ने गुरुवार को क्रिकेट के हर प्रारूप से संन्यास की घोषणा कर दी। वह आईपीएल में भी खेलते नजर नहीं आएंगे। मिश्रा को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पर्याप्त मौके नहीं मिले , लेकिन आईपीएल का वह एक बड़ा चेहरा रहे हैं। 2008 से 2024 के बीच अलग-अलग टीमों का हिस्सा रहते हुए उन्होंने लीग के सफलतम गेंदबाजों में अपना नाम शुमार किया है। अमित मिश्रा 2008 से 2024 के बीच दिल्ली डेयरडेविल्स, डेक्कन चार्जर्स , सनराइजर्स हैदराबाद, दिल्ली कैपिटल्स और एलएसजी के लिए खेले। इस दौरान मिश्रा ने 162 मैचों में 174 विकेट लिए। अमित मिश्रा आईपीएल इतिहास में तीन बार हैट्रिक लेने वाले एकमात्र गेंदबाज हैं। तीनों हैट्रिक उन्होंने अलग-अलग टीमों के लिए खेलते हुए लिए हैं। मिश्रा ने 2008 में दिल्ली डेयरडेविल्स, 2011 में डेक्कन चार्जेस और 2013 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते हुए हैट्रिक लिए। आईपीएल में सर्वाधिक विकेट लेने वालों की सूची में अमित मिश्रा आठवें स्थान पर हैं। 2020 लेकर 2024 के मिश्रा को सिर्फ 15 मैच खेलने का मौका मिला, जिसमें उन्होंने 17 विकेट मिले। पिछले चार साल में अगर उन्हें पर्याप्त मौके मिले होते तो आईपीएल के सफलतम गेंदबाजों की सूची में उनका नाम और ऊपर होता।

उपयोगी बल्लेबाज भी रहे

मिश्रा एक बेहतरीन लेग स्पिनर रहे हैं। 2003 से लेकर 2017 के बीच 22 टेस्ट में 76, 36 वनडे में 64 और 10 टी20 में 16 विकेट उन्होंने लिए। वह निचले क्रम के एक उपयोगी बल्लेबाज भी रहे। टेस्ट में उनके चार अर्धशतक हैं। उनका सर्वाधिक स्कोर 84 है, जो उन्होंने 2011 में इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में टेस्ट में बनाया था।

25 वर्ष के हुए अभिषेक

उधार का बैट लेकर ठोका अपना पहला शतक

दिग्गजों ने शुभकामनाएं दी

अभिषेक शर्मा ने केवल 47 गेंदों में 8 छक्के और 7 चौकों की मदद से 100 रनों की पारी खेली. शुभमन गिल अभिषेक के बचपन के दोस्त हैं. जिम्बाब्वे के खिलाफ शानदार पारी खेलने से पहले ही अभिषेक ने बड़ा कमाल किया था. 4 सितंबर को अभिषेक शर्मा को बर्थडे है, जिस पर उन्हें उनको शुभकामनाएं दी हैं.

नई दिल्ली, एजेंसी। अपने दूसरे ही टी-20 मैच में शतक ठोकने वाले टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 25 साल के हो गए हैं. उन्होंने जुलाई 2024 को जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने दूसरे ही मैच में शतक बनाया था. इस दौरान हैरान करने देने वाली बात ये थी कि उन्होंने ये शतक उधार के बल्ले से ठोका था. बाएं हाथ का ये बल्लेबाज अब तक टी-20 में दो शतक ठोक चुका. इससे पहले भी इस खिलाड़ी ने कई कमाल की पारियां खेली थी. उन्होंने केवल 7 मैचों 1200 से ज्यादा रन बनाकर सबको हैरान कर दिया था. आइए हम उनके बारे में पांच बड़ी बातें आपके साथ साझा करते हैं. अभिषेक शर्मा ने अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत जुलाई 2024 को जिम्बाब्वे के खिलाफ की थी. पहले मैच में वो खाता भी नहीं खोल पाए थे, लेकिन दूसरे मैच में उन्होंने कमाल कर दिया. उन्होंने अपने दोस्त शुभमन गिल के बल्ले से शानदार शतक ठोक दिया.

शाकिब अल हसन का रिकॉर्ड तोड़ा, 73 रनों की रिकॉर्ड पारी खेली

एशिया कप से पहले बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास ने रचा इतिहास

टी20 में सबसे ज्यादा 50+ रन

विराट कोहली (भारत)	39
बाबर आजम (पाकिस्तान)	39
रोहित शर्मा (भारत)	37
मोहम्मद रिजवान (पाकिस्तान)	31
डेविड वार्नर (ऑस्ट्रेलिया)	29

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास ने बुधवार को नीदरलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 में 73 रनों की रिकॉर्ड पारी खेली. एशिया कप अभियान से पहले ये उनके मनोबल को बढ़ाएगा. हालांकि बारिश के कारण तीसरा टी20 रद्द हो गया और 3 मैचों की सीरीज बांग्लादेश ने 2-0 से अपने नाम की. तीसरे टी20 में अर्धशतक लगाकर लिटन दास ने शाकिब अल हसन का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा. तीसरे टी20 में नीदरलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था. कप्तान लिटन दास सैफ हसन के साथ ओपनिंग पर उतरे, उन्होंने 46 गेंदों में 158.70 की स्ट्राइक रेट से 73 रन बनाए. इस पारी में उन्होंने 4 छक्के और 6 चौके जड़े. 18.2 ओवरों तक बांग्लादेश का स्कोर 164/4 था, जब बारिश की वजह से मैच रुका और फिर इसके बाद दोबारा शुरू नहीं हो सका.

लिटन दास इस लिस्ट में बने नंबर-1

इस अर्धशतकीय पारी के बाद लिटन दास बांग्लादेश के लिए अंतर्राष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. पहले टॉप पर शाकिब अल हसन थे, जिन्होंने 129 मैचों की 127 पारियों में 13 अर्धशतक लगाए हैं.

लिटन दास का ये 14वां टी20 अर्धशतक है, वह इस लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए हैं. उनके टी20 करियर की बात करें तो 110 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 2437 रन बनाए हैं, इसमें 77 छक्के और 235 चौके हैं.

वर्ल्ड में नंबर-1 है विराट कोहली!

दुनिया में सबसे ज्यादा टी20 अंतर्राष्ट्रीय में 50 से अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में विराट कोहली संयुक्त रूप से बाबर आजम के साथ टॉप पर है. दोनों ने 39-39 बार ऐसा किया है. विराट कोहली टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं जबकि बाबर आजम अभी टीम से बाहर चल रहे हैं. बाबर एशिया कप 2025 के लिए पाकिस्तान स्क्वाड में नहीं चुने गए.बांग्लादेश क्रिकेट टीम एशिया कप 2025 के ग्रुप बी में शामिल है. उनके साथ इस ग्रुप में अफगानिस्तान, श्रीलंका और हांगकांग की टीम है. ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तान, ओमान और यूएई हैं. बांग्लादेश का पहला मैच 11 सितंबर को हांगकांग के साथ है.

जीएसटी स्लैब में बदलाव

आईपीएल टिकटों पर 40 टैक्स

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की नई दरों का असर अब खेल जगत पर भी गहराई से पड़ने वाला है। हाल ही में जीएसटी काउंसिल ने स्लैब में बदलाव करते हुए खेल और उससे जुड़े आयोजनों पर टैक्स को लेकर महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं ।सबसे बड़ा बदलाव क्रिकेट के इंडियन प्रीमियर लीग जैसे आयोजनों पर देखने को मिलेगा। अब आईपीएल जैसे खेल आयोजनों में प्रवेश (टिकट) पर 40 प्रतिशत जीएसटी लगेगा। इसका सीधा असर टिकट की कीमतों पर पड़ेगा और दर्शकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ बढ़ सकता है। हालांकि, यह 40 प्रतिशत की दर सिर्फ आईपीएल जैसे आयोजनों पर लागू होगी। दूसरी ओर, मान्यता प्राप्त खेल आयोजनों पर यह भारी कर नहीं लगाया जाएगा। यदि किसी मान्यता प्राप्त खेल आयोजन का टिकट 500 रुपये तक है तो वह पहले की तरह जीएसटी से मुक्त रहेगा। वहीं 500 रुपये से अधिक कीमत वाले टिकटों पर 18 प्रतिशत की दर से जीएसटी जारी रहेगा।

एशिया कप 2025

12 गेंद में अर्धशतक ठोकने वाला बना कप्तान, पाकिस्तान छोड़ते ही चमकी किस्मत

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप के लिए यूएई की टीम ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है. इस टीम में 17 खिलाड़ी चुने गए हैं जिसकी कप्तानी मुहम्मद वसीम को मिली है. मुहम्मद वसीम यूएई के धाकड़ बल्लेबाजों में से एक हैं, वो पिछले दो सालों से टी20 क्रिकेट में कमाल प्रदर्शन कर रहे हैं और 2023 में ही उन्हें टी20 टीम की कप्तानी मिली थी और एशिया कप जीतने के लिए अब यूएई ने उनपर ही भरोसा दिखाया है. यूएई की टीम की बात करें तो वो ग्रुप ए में भारत, ओमान और पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलेगी. यूएई का पहला मैच 10 सितंबर को भारत से है. ये मैच दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होगा.

मुहम्मद वसीम (कप्तान), आलीशान शराफू, आर्यांश शर्मा, आसिफ खान, ध्रुव पराशर, इथा डिसूजा, हैदर अली, हर्षित कौशिक, जुनैद सिद्दीकी, मतिउल्लाह खान, मुहम्मद फारूक, मुहम्मद जवादुल्लाह, मुहम्मद जोहेब, राहुल चोपड़ा, रोहिद खान, सिमरनजीत सिंह और सागिर खान.

मुहम्मद वसीम को यूएई का कप्तान मिली है जो कि यूएई ही नहीं पूरे गल्फ के सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक हैं. दाएं हाथ का ये ओपनर हाल ही में टी20 में सबसे ज्यादा छक्के मारने वाला कप्तान बना है. मुहम्मद वसीम ने रोहित शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ा था. मुहम्मद वसीम पाकिस्तान के बलूचिस्तान में पैदा हुए लेकिन साल 2017 में वो यूएई आ गए. यहां उन्होंने सेल्समैन की नौकरी करते हुए क्लब क्रिकेट खेलना शुरू किया और जल्द ही वो देश के टॉप खिलाड़ियों में शामिल हो गए.

31 साल के इस खिलाड़ी ने यूएई के लिए 80 टी20 मैचों में 38 से ज्यादा की औसत से 2859 रन बनाए हैं. टी20 इंटरनेशनल में वसीम 3 शतक ठोक चुके हैं. उनका स्ट्राइक रेट भी 150 से ज्यादा का है. ये खिलाड़ी टी10 टूर्नामेंट में सिर्फ 12 गेंदों में अर्धशतक लगाने का कमाल कर चुका है. गजब की बात ये है कि मुहम्मद वसीम ने गली में टेप बॉल क्रिकेट खेला है और उसी तकनीक से वो इंटरनेशनल क्रिकेट में भी छक्कों की बारिश करते हैं. अब देखना ये है कि ये खिलाड़ी एशिया कप में क्या करता है. वैसे उनकी फॉर्म इस वक्त कमाल है.

एशिया कप हॉकी

महिला एशिया कप हॉकी में नए सिरे से शुरूआत करने उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन (चार) के बाद भारत टूर्नामेंट की सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम है। एशिया कप अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालिफाइंग टूर्नामेंट भी है। प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों से परेशान भारतीय महिला हॉकी टीम अतीत की नाकामियों को भुलाकर शुक्रवार से शुरू हो रहे एशिया कप के पहले मैच में निचली रैंकिंग वाली थाईलैंड के खिलाफ जीत के साथ शुरूआत करने उतरेगी। विश्व रैंकिंग में नौंवे स्थान पर काबिज भारतीय टीम पूल बी के मैच में 30वीं रैंकिंग वाली थाईलैंड टीम से खेलेगी। भारत पूल में सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम है जिसमें जापान (12), थाईलैंड और सिंगापुर (31) भी है। पूल ए में चीन, दक्षिण कोरिया, मलयेशिया और चीनी ताइपे हैं।चीन (चार) के बाद भारत टूर्नामेंट की सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम है। एशिया कप अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालिफाइंग टूर्नामेंट भी है। थाईलैंड के बाद भारत का सामना शनिवार को जापान से और आठ सितंबर को सिंगापुर से होगा।अनुभवी गोलकीपर सविता और ड्रैग फ्लिकर दीपिका को लगी चोटों से भारतीय टीम कमजोर हुई है। सविता टखने की चोट के कारण बाहर है जो उन्हें अभ्यास सत्र के दौरान लगी थी। दीपिका की जगह साक्षी खेल रही हैं। फॉरवर्ड और ड्रैग फ्लिकर दीपिका ने पिछले कुछ अर्से में शानदार प्रदर्शन किया है। इन दोनों के नहीं खेलने से कप्तान सलीमा टेटे, नवनीत कौर, उदिता, नेहा, शर्मिला देवी और लालरेम्सियामी पर अधिक दारोमदार होगा। भारतीय महिला टीम का प्रदर्शन इस साल अच्छा नहीं रहा है और एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण में आखिरी स्थान पर रहने के बाद टीम नीचे खिसक गई। भारत ने एशिया कप 2004 और 2017 में जीता है। भारत के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह को भी पता है कि प्रो लीग के खराब प्रदर्शन के बाद उन पर अच्छे प्रदर्शन का भारी दबाव होगा। भारत ने प्रो लीग के 16 मैचों में 100 से ज्यादा पेनल्टी कॉर्नर गंवाये जिनमे से 17 बेल्जियम के खिलाफ ही गंवा दिए। टूर्नामेंट में आठ टीमें भाग लेंगी और हर पूल से शीर्ष दो टीमें सुपर 4 चरण में पहुंचेंगी। सुपर 4 चरण की शीर्ष दो टीमें 14 सितंबर को फाइनल खेलेंगी।

दलीप ट्रॉफी : सेमीफाइनल में रुतुराज गायकवाड़ ने जड़ा 8वां फर्स्ट क्लास शतक

दलीप ट्रॉफी 2025 में वेस्ट जोन और सेंट्रल जोन के बीच चल रहे सेमीफाइनल मैच में रुतुराज गायकवाड़ ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए अपना 8वां फर्स्ट क्लास शतक जड़ा। चोट से उबरने और बुची बाबू टूर्नामेंट में कुछ मैच खेलने के बाद वापसी करते हुए गायकवाड़ ने रजत पाटीदार की अगुवाई वाले सेंट्रल जोन के खिलाफ पहले दिन के दूसरे सत्र में 131 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया।इस मैच में सभी की निगाहें श्रेयस अय्यर पर थी जिन्हें टी20 एशिया कप 2025 के लिए टीम में जगह नहीं मिली थी। लेकिन अच्छी शुरुआत के बाद 28 वर्षीय अय्यर बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अहमद की गेंद पर बोल्ड आउट हो गए। उन्होंने 28 गेंदों में 25 रन की पारी में चार चौके लगाए। इससे पहले शार्दुल ठाकुर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पारी की शुरूआत खलील ने पहले ओवर में जायसवाल को स्टंप्स के सामने आउट करने से की। दीपक चाहर ने चौथे ओवर में हार्विक देसाई को आउट किया। फिर गायकवाड़ ने पारी को आगे बड़ाते हुए तीसरे विकेट के लिए आर्य देसाई के साथ 82 रनों की साझेदारी की। पहले सत्र के अंत में आर्य को हर्ष दुबे ने 84 गेंदों में 39 रन पर आउट कर दिया।

यूपी टी20 लीग में मैच फिक्सिंग का साया! मन-मुताबिक खेलने की फिक्सर ने की डिमांड... इंस्टाग्राम से रचा षडयंत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। यूपी टी-20 लीग 2025 में मैच फिक्सिंग की कोशिश का सनसनीखेज मामला सामने आया है. काशी रुद्रास टीम के मैनेजर अर्जुन चौहान को सोशल मीडिया के जरिए एक करोड़ रुपये का ऑफर दिया गया. आरोप है कि फिक्सर चाहता था कि टीम का एक खिलाड़ी उसकी बताई गई रणनीति के हिसाब से खेले. इस प्रस्ताव को अर्जुन चौहान ने तुरंत ठुकरा दिया और इसकी जानकारी बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) को दी. मैच फिक्सर ने कैसे रचा फिक्सिंग का षडयंत्र?

बीसीसीआई की पड़ताल में सामने आया कि संदिग्ध यूजर लगातार अर्जुन से बातचीत करने की कोशिश कर रहा था और उस पर दबाव बना रहा था. पहले प्रमोशन कराने की बात की गई, फिर कॉल करने का प्रयास हुआ और इसके बाद मैच फिक्स करने का सीधा प्रस्ताव रख दिया गया. यूजर ने कहा कि एक करोड़ रुपये मिलेंगे, जिसमें से 50 लाख अर्जुन अपने पास रख सकते हैं. रकम अमेरिकी डॉलर में ऑनलाइन ट्रांसफर करने की बात भी कही गई.

इस पूरे मामले में भ्रष्टाचार निरोधक विभाग के क्षेत्रीय सत्यनिष्ठा प्रबंधक हरदयाल सिंह चंपावत ने शिकायत दर्ज कराई है. वह एंटी करप्शन यूनिट, मध्य क्षेत्र जयपुर में पदस्थ हैं और फिलहाल लखनऊ में तैनात हैं.

बंदूकबाज बेटी पर गर्व कीजिए

सुरुचि सिंह ने सिर्फ मनु भाकर ही नहीं, इन धुरंधर चीन की शूटरों को भी पछाड़ा, बनीं वर्ल्ड नंबर वन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय शूटिंग के लिए गर्व का पल है। युवा भारतीय निशानेबाज सुरुचि सिंह ने शानदार विश्व कप सीजन के बाद करियर में पहली बार महिला एयर पिस्टल में विश्व नंबर 1 रैंकिंग हासिल की। उन्होंने न सिर्फ ओलंपिक में दो मेडल जी चुकी देश की सूरमा बंदूकबाज मनु भाकर को पीछे छोड़, बल्कि कई बड़ी चीनी शूटरों पर भी भारी पड़ीं। सुरुचि 4162 अंकों के साथ वर्तमान में विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर हैं और अगले तीन चीनी निशानेबाजों से आगे हैं। उन्होंने इसी साल सीनियर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण किया और लगातार तीन व्यक्तिगत विश्व कप खिताब जीतकर अपने करियर की शानदार शुरुआत की। यह उपलब्धि 19 वर्षीय भारतीय निशानेबाज के आत्मविश्वास को बढ़ाएगी, क्योंकि वह अपनी पहली विश्व चैंपियनशिप की तैयारी कर रही हैं। सरुचि की हमवतन और पेरिस ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर वर्तमान में 1988 की रेटिंग के साथ महिला एयर पिस्टल विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर हैं। मौजूदा एशियाई चैंपियन, सिफत कौर समरा, महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन श्रेणी में वर्तमान आईएसएसएफ विश्व रैंकिंग में शीर्ष तीन में शामिल एकमात्र अन्य भारतीय निशानेबाज हैं। वह वर्तमान में 3034 की रेटिंग के साथ विश्व में दूसरे स्थान पर हैं, जो नॉर्वे की म्यूनिख विश्व कप चैंपियन जीनेट हेग डुएस्टैड से थोड़ा पीछे है।

महिला 10 मीटर एयर पिस्टल रैंकिंग की टॉप-शूटर

रैंक	रेटिंग	नाम	देश
1	4162	सुरुचि इंदर सिंह	भारत
2	3195	याओ कियानक्सुन	चीन
3	2178	कियान वेई	चीन
4	2158	जियांग रानक्सिन	चीन
5	2020	जेड्रेजेव्स्की केमिल	फ्रांस
6	1988	भाकर मनु	भारत

आरजेडी एक महिला विरोधी पार्टी

ऐसी पार्टियों को जड़ से खत्म कर देना चाहिए: कंगना

बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की गई थी। इस मुद्दे ने राजनीतिक गलियारों में हंगामा मचा दिया है और विपक्षी दलों से इस मामले में जवाब की मांग भाजपा और एनडीए के घटक दलों द्वारा किया जा रहा है। अब इस पर भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत की भी प्रतिक्रिया आ गई है। उन्होंने बातचीत में ऐसे लोगों की निंदा की और महिला विरोधी पार्टियों को खत्म करने की बात कही है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब बिहार में राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान कुछ लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। इस मुद्दे पर` बात करते हुए कंगना रनौत ने कहा, पीएम मोदी के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी देश की सभी महिलाओं के मुंह पर तमाचा है, यह सहन नहीं किया जा सकता। पीएम की मां, जिन्होंने न कभी कोई सरकारी सुविधा ली और पीएम की मां होने के बावजूद सादा जीवन बिताया, उनको लेकर ऐसी सोच रखना इन पार्टियों की महिलाओं को लेकर विचारधारा को दर्शाता है। सोचिए वो आम महिलाओं के बारे में क्या सोचते और विचार रखते होंगे। उन्होंने आगे कहा, आरजेडी एक महिला विरोधी पार्टी है। उनकी नजरों में महिलाओं की कोई इज्जत नहीं है। ऐसा किसी के साथ नहीं होना चाहिए। मेरे साथ अतीत में जो हुआ, मुझ पर जो टिप्पणियां की गईं, मैं आज भी उनसे उबर नहीं पाई हूं। वो मेरे लिए एक सदमा है। ऐसे लोग महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करते रहते हैं। इनको महिलाएं वोट नहीं देती, इसलिए यह ऐसा करते हैं। देश की महिलाएं आज पीड़ा में हैं। सोचिए अगर ये सत्ता में आए तो महिलाओं का क्या हाल होगा। ऐसी महिला विरोधी पार्टियों को जड़ से खत्म कर देना चाहिए। कंगना से पहले राजद नेता और बिहार के पूर्व उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि किसी की भी मां को अपशब्द कहना उचित नहीं है और न ही यह भारतीय संस्कारों का हिस्सा है। हम लोग इसके पक्षधर भी नहीं हैं। मां, किसी की भी हो, मां होती है। मां का नाम लेने से सुकून मिलता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेताओं का इतिहास महिलाओं का अपमान करने और विपक्षी नेताओं पर अभद्र टिप्पणी करने से भरा रहा है। प्रज्वल रेवन्ना के प्रचार में खुद पीएम मोदी गए। इससे पहले सोनिया गांधी के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल किया गया, और नीतीश कुमार के डीएनए तक पर सवाल उठाया गया।

डायरेक्टर निखिल नागेश करेंगे हॉलीवुड डेब्यू

निर्देशक निखिल नागेश भट्ट ही में अपनी एक्शन थ्रिलर फिल्म किल से दर्शकों का खूब दिल जीता। यह फिल्म कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल्स में दिखाई गई और बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा प्रदर्शन किया। खासकर इसके नए तरह के एक्शन को दर्शकों ने काफी पसंद किया। अब निखिल को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि वह अपनी अगली फिल्म के जरिए सीधे हॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं। सूत्रों के अनुसार... वह काफी समय से यूनिवर्सल स्टूडियोज के अधिकारियों से मुलाकात कर रहे थे और अब बातचीत आगे बढ़ चुकी है। यह एक हाई-ऑक्टेन ग्लोबल एक्शन फिल्म होगी, जिसे बड़े पैमाने और हाई बजट में बनाया जाएगा।

दिशा पाटनी की हॉलीवुड फिल्म 'हॉलीगार्ड्स' का टीजर

वेनिस फिल्म फेस्टिवल में हुआ लॉन्च

अभिनेत्री दिशा पाटनी की हॉलीवुड फिल्म 'हॉलीगार्ड्स' का टीजर रिलीज हो गया है। खास बात यह है कि इसे वेनिस फिल्म फेस्टिवल में लॉन्च किया गया। इस फिल्म से वे हॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। 'हॉलीगार्ड्स' के टीजर में वे एक अलग दुनिया में योद्धाओं की तरह लड़ती दिखाई दे रही हैं। इसे देखकर ऐसा लगता है कि वे इस फिल्म में जबरदस्त एक्शन करती दिखाई देंगी। फिल्म में दो कबीले मानव के भविष्य को बचाने के लिए लड़ते दिखाई देंगे। इसे ऑस्कर विजेता फिल्म निर्माता केविन स्पेसी ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में डॉल्फ लुंडग्रेन, टायरेस गिब्सन और ब्रायना हिल्डब्रैंड जैसे कलाकार भी हैं। इंस्टाग्राम पर दिशा पाटनी ने कुछ समय पहले इस हॉलीवुड फिल्म में होने की बात कही थी। तब उन्होंने इसके सेट से एक तस्वीर भी फैंस के लिए साझा की थी। रविवार को दिशा पटानी अपनी बेस्ट फ्रेंड मौनी रॉय के साथ घूमते हुए देखी गई थीं। दोनों अक्सर हैंगआउट करती रहती हैं। जब भी उन्हें समय मिलता है तो वे साथ में वक्त बिताती हैं। इसकी तस्वीरें भी वे सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं। दिशा पटानी ने मौनी के साथ एक फोटो शेयर करते हुए लिखा था, बेस्ट फ्रेंड के साथ संडे को घूमना तो बनता है।

रेप मामले में

टीवी अभिनेता आशीष कपूर पुणे से गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस ने उत्तरी दिल्ली के सिविल लाइंस इलाके में बलात्कार के एक मामले में टीवी अभिनेता आशीष कपूर को पुणे से गिरफ्तार किया है। दरअसल, 33 वर्षीय अभिनेता पर 27 वर्षीय महिला के साथ रेप करने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने शिकायत दर्ज की थी कि आशीष ने उसे शादी का झांसा देकर कई बार शारीरिक संबंध बनाए। सूत्रों के मुताबिक, पीड़िता और आशीष की मुलाकात कुछ साल पहले टेलीविजन के एक प्रोजेक्ट के दौरान हुई थी। दोनों के बीच दोस्ती हुई, और फिर अभिनेता ने शादी का वादा किया था। पीड़िता का आरोप है कि अभिनेता ने उसका शारीरिक शोषण किया और बाद में शादी से मुकर गया। शिकायत मिलने के बाद सिविल लाइंस थाने में सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। दिल्ली पुलिस की एक विशेष टीम ने जांच के बाद आशीष कपूर को पुणे में उसके ठिकाने से गिरफ्तार किया। पूछताछ के लिए उन्हें दिल्ली लाया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ सबूत जुटाए जा रहे हैं, और पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। आशीष कपूर कई टीवी धारावाहिकों में काम कर चुके हैं और मनोरंजन जगत में जाना-पहचाना नाम हैं। पुलिस ने कहा कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए गोपनीयता बरती जा रही है। पीड़िता के परिजनों ने पुलिस से कठोर कार्रवाई की मांग की है। जांच में अन्य संभावित गवाहों से भी पूछताछ की जा रही है।

शादी को लेकर आ रहीं खबरों से घबराए रणवीर शौरी

'मैं प्यार के मामले में भाग्यशाली नहीं हूं'

रणवीर शौरी की गिनती बॉलीवुड के ऐसे कलाकारों में होती है, जो काफी चुनिंदा फिल्में करने पर ध्यान देते हैं। अपनी फिल्मों और किरदारों के अलावा अभिनेता अपनी पर्सनल जिंदगी को लेकर भी खुलकर बात करते हैं। अब एक्टर ने एक बार फिर अपने व्यक्तिगत जीवन को लेकर बात की है और बताया कि ये उनके लिए प्यार में पड़ने का सही समय नहीं है।

प्यार में पड़ने का ये अच्छा समय नहीं

हाल ही में डिजिटल कमेंट्री के साथ बातचीत के दौरान रणवीर शौरी ने प्यार और रिश्तों को लेकर बात की। इस दौरान अभिनेता ने कहा कि वो अभी भी डेटिंग एप पर हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि 19 साल की उम्र से ही मैं प्यार के मामले में बदकिस्मत रहा हूं। एक्टर ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि जैसे-जैसे पुरुषों और महिलाओं की खुद के द्वारा तय की गई भूमिकाएं, फिर से बताई जा रही हैं, उनके बीच की दूरी बढ़ गई है। कितनी खबरें आ रही हैं कि कहीं पे बीवी ने पूर्व प्रेमी के साथ पति को मार दिया, कहीं पे पति ने अपने परिवार के साथ पत्नी को मार दिया। मैं तो वैसे भी प्यार के मामले में भाग्यशाली नहीं हूं। इसीलिए मुझे लगता है कि अभी प्यार में निवेश करने का अच्छा समय नहीं है।

मुझे डेटिंग एप में कोई दिलचस्पी नहीं

डेटिंग एप के इस्तेमाल और उस पर प्रोफाइल बनाने पर एक्टर का कहना है कि डेटिंग एप पर मैंने अपना प्रोफाइल यह देखने के लिए बनाया था कि क्या मुझे किसी से मिलने का मौका मिलेगा। इसके अलावा मुझे इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है। जब मार्केट डाउन होता है तो निवेशक पैसा नहीं लगाता न? तो अभी मार्केट डाउन है, कुछ मत लगाओ। आजकल वो वक्त है जहां बीवी बोल देती है कि मेरा एक्स-बॉयफ्रेंड भी परिवार है और आप कुछ नहीं कह पाएंगे क्योंकि 10 लोग उसका समर्थन कर रहे होंगे कि गलत क्या कह रही है? तो ये मंदी का टाइम है, घर पर बैठो और बॉडीबिल्डिंग करो।

ऐसी रही है रणवीर शौरी की लव लाइफ

रणवीर शौरी अपनी लव लाइफ को लेकर भी काफी चर्चाओं में रहे हैं। 2000 के दशक की शुरुआत में वो अभिनेत्री पूजा भट्ट के साथ लंबे समय तक रिश्ते में रहे था। हालांकि, बाद में दोनों अलग हो गए। बाद में उन्होंने 2010 में अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा से शादी की और 2011 में उनके बेटे हारून का जन्म हुआ। हालांकि, उनकी शादी में मुश्किलें आईं और 2015 में वे आधिकारिक रूप से अलग हो गए, और 2020 में उनका तलाक हो गया।

पारंपरिक साड़ी और गहनों में नजर आई भाग्यश्री

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री भाग्यश्री को फिल्म मैंने प्यार किया से खास पहचान मिली। उन्होंने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर एक खूबसूरत वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में वह बेहद सुंदर और पारंपरिक लुक में नजर आ रही हैं। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो में भाग्यश्री ऑफ व्हाइट कलर की साड़ी में नजर आ रही हैं। उन्होंने इसके साथ रेड कलर का ब्लाउज पहना हुआ है, जिस पर सुनहरी कढ़ाई है। उनका मेकअप बहुत ही हल्का और नेचुरल है, जिससे उनकी असली खूबसूरती निखरकर सामने आ रही है। उनके लुक में मांग में लाल सिंदूर और माथे पर छोटी लाल बिंदी चार चांद लगा रही है। उन्होंने बालों में गजरा लगाया हुआ है, जो भारतीय महिलाओं के पारंपरिक लुक का एक अहम हिस्सा है। उन्होंने बड़े-बड़े झुमके, हार और सुंदर कंगन भी पहने हुए हैं। वह इस लुक में कैमरे के लिए अलग-अलग पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

डर को भी डराने आ रही मनोज बाजपेयी और राम गोपाल वर्मा की फिल्म

मुंबई का किंग कौन... साल 1998 में मनोज बाजपेयी और राम गोपाल वर्मा की जोड़ी ने सत्या के साथ इतिहास रचने का काम किया था। इसके बाद एक्टर-डायरेक्टर की इस जोड़ी ने हिंदी सिनेमा को शूल, रोड, कौन? जैसी बेहतरीन फिल्में दीं। अब करीब तीन दशक बाद दोनों फिर साथ आ रहे हैं।

जी हां, राम गोपाल वर्मा और मनोज बाजपेयी ने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है। शूटिंग शुरू हो चुकी है। इस बार यह जोड़ी डराने के साथ ही हंसाने भी आ रही है। फिल्म हॉरर-कॉमेडी है और नाम पुलिस स्टेशन में भूत है। राम गोपाल वर्मा और मनोज बाजपेयी ने फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर भी शेयर किया है। राम गोपाल वर्मा लीक से हटकर फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में पुलिस स्टेशन में भूत अपने टाइटल के साथ ही एक दिलचस्प सिनेमाई अनुभव की उम्मीद जगाती है। फिल्म में मनोज बाजपेयी के साथ जिनिलिया डिसूजा की जोड़ी है। राम गोपाल वर्मा ने बताया है कि फिल्म का पहला शेड्यूल पूरा हो चुका है।

यह बहुत खास है...

मनोज बाजपेयी ने फिल्म का फर्स्ट लुक मोशन पास्टर शेयर करते हुए लिखा है, शूटिंग शुरू। सत्या से अब तक... राम गोपाल वर्मा के साथ करीब 30 साल बाद दोबारा जुड़ना से रोमांच से भरा हुआ है। हमारी नई हॉरर-कॉमेडी पुलिस स्टेशन में भूत, यह बहुत खास है।

यह डर के हमारे नजरिए की सीमाओं को तोड़ देगी

राम गोपाल वर्मा कहते हैं, सत्या के बाद मनोज के साथ फिर से काम करना पुरानी यादों और रोमांच दोनों को ताजा करता है। डर तब सबसे भयावह हो जाता है, जब वह सुरक्षा के सर्वोच्च अधिकार को चुनौती देता है। पुलिस स्टेशन शक्ति का ऐसा ही प्रतीक होता है। मनोज और जिनिलिया की की जोड़ी कहानी में डर को देखने के हमारे नजरिए की सीमाओं को तोड़ देगी।

पुलिस स्टेशन में भूत का प्लॉट

फिल्म की कहानी में डर, विडंबना और राम गोपाल वर्मा की अपना अलग अंदाज है। फिल्म के पोस्ट पर लिखा है, आप मुर्दों को गिरफ्तार नहीं कर सकते। मेकर्स ने फिल्म के प्लॉट को लेकर कहा है, जब हम डरते हैं तो पुलिस स्टेशन भागते हैं, लेकिन जब पुलिस डरेगी तो वह कहां भागेगी?

सलाकार की सफलता से लेकर नॉन-स्टॉप शूटिंग तक: मौनी रॉय के पास प्रोजेक्ट्स की भरमार

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कभी भी ठहराव नहीं आता, और मौनी रॉय के लिए, जो इन दिनों सफलता की लहर पर सवार हैं, यह रफ्तार अब एक व्यस्त शूटिंग शेड्यूल में तब्दील हो चुकी है। हाल ही में रिलीज़ हुई सीरीज़ सलाकार में मरियम के अपने आकर्षक किरदार के लिए मिली आलोचनात्मक प्रशंसा के बाद, इस बहुमुखी अभिनेत्री ने खुद को एक व्यस्त शेड्यूल में पाया है, जहाँ वह एक प्रोजेक्ट से दूसरे प्रोजेक्ट में सहजता से आगे बढ़ रही हैं। मरियम के रूप में उनकी भावपूर्ण अभिनय ने न केवल एक कलाकार के रूप में उनकी अभिनय क्षमता को प्रदर्शित किया, बल्कि उन्हें इंडस्ट्री की सबसे विश्वसनीय और बहुप्रतिभाशाली कलाकारों में से एक के रूप में उनकी स्थिति को भी मजबूत किया, इसके चलते उन्हें कई नामी निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिल रहा है। फिलहाल मौनी रॉय मशहूर फिल्मकार मधुर भंडारकर की अगली फिल्म द वाइव्स की शूटिंग में व्यस्त हैं। हाल ही में उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर सेट से एक बिहाइंड-द-सीन्स पल साझा किया, जिसमें उन्होंने कैप्शन में लिखा चलो चलो – जो उनके शेड्यूल की रफ्तार और ऊर्जा को बखूबी दर्शाता है। मधुर भंडारकर, जो समकालीन भारतीय समाज की यथार्थवादी कहानियों के लिए जाने जाते हैं, एक बार फिर ऐसे कलाकारों के साथ काम कर रहे हैं जो उनके किरदारों में गहराई और प्रामाणिकता ला सकें, और इस प्रोजेक्ट में मौनी का शामिल होना इंडस्ट्री में उनके बढ़ते कद और विश्वास को दर्शाता है। यह बैक-टू-बैक शूटिंग शेड्यूल इस बात का उदाहरण है कि मनोरंजन जगत में सफलता किस तरह प्रतिभाशाली कलाकारों के लिए नए अवसरों का सिलसिला बन जाती है। मौनी रॉय के पास इस समय कई प्रोजेक्ट्स लाइन में हैं और निर्देशक उनके साथ काम करने को उत्सुक हैं – यह उनके करियर का सुनहरा दौर कहा जा सकता है।

साभार एजेंसी